जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 15 नवम्बर, 2026

RAJ/P/2026/5326

KEDIA आरण्यम
ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

दिन की रेट : प्लॉट ₹18,000 वर्ग गज

आज मध्यरात्रि से रेट
₹20,000 वर्ग गज

नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

NO MIDDLE MEN

1 दुकान की कीमत: ₹16.50 लाख
2 दुकानों की कीमत: ~~16.50x2 = ₹33 लाख~~ ₹25 लाख

FIXED PRICE



KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
T&C Apply*

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

देश की सबसे बड़ी क्लीयरेंस सेल

जयपुर में कोठी
10 लाख के डिस्काउंट पर

FLAT STARTS
~~74 Lacs~~ @64 Lacs

KOTHI STARTS
~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

दिसंबर तक 2 करोड़ की होगी कोठी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	ACTUAL PRICE	CLEARANCE SALE PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	74 Lacs	64 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	84 Lacs	74 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	92.5 Lacs	82.5 Lacs
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.18 Cr	1.08 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.41 Cr	1.31 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.85 Cr	1.75 Cr



KEDIA® 1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

बड़े को छोटा बनकर रहना चाहिए, क्योंकि जो अपने आप को बड़ा मानता है, वह छोटा बन जाता है और जो छोटा बनता है वह बड़ा पद पाता है।

–ईसा

सहायता की तस्वीर

'तुलसी बब्बा कह गए हैं'–तुलसी और सनातन के आलोक में समकालीन जीवन तथा मानवीय मूल्यों पर साप्ताहिक अतिथि विचार–श्रृंखला की छठवीं कड़ी है।

पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर और सरोवर के दर्शन के बाद हम पंचकुंड शिव मंदिर की ओर निकले थे। रास्ते में वन बहाली का एक काम देखने ठहर गए। कुछ परिवारों ने नई कोंपलें बचाने के लिए वन के एक हिस्से में कुछ समय अपने पशु न ले जाने की सहमति दी थी। बदले में उनके लिए बाहर से चारा आया था। गट्ठर तौले जा रहे थे। एक युवक नाम और मात्रा लिख रहा था; दूसरा फोन से तस्वीरें ले रहा था।

एक स्त्री ने अपना गट्ठर सँभालते हुए कहा, नाम लिख लो। मेरी तस्वीर कहीं मत भेजना। काम देखना हो तो उधर चलो, बाड़ हमने भी लगाई है। युवक ने फोन नीचे कर लिया। हम उस स्त्री के साथ बाड़ तक गए। सूखी टहनियों के बीच एक पुराने ठूँठ पर नई पत्तियाँ फूट आई थीं। वह उन्हें दिखाकर अपनी संगिनी के साथ चली गई।

पुष्पा बोलीं, जा बाई की बात मान लई, सो अच्छो भओ। पै हर जगह नाहीं कर पाबो इत्तो सहज होत है का? जीको चूल्हो इनई गठरियन सें जलत होय, ऊ नाहीं कैसें करै?

उनका प्रश्न उस युवक के व्यवहार से आगे जाता था। जिसे अगली बार भी सहायता चाहिए, वह देने वाले की इच्छा के विरुद्ध बोलते समय कितना निश्चिंत रह सकता है? उसकी चुप्पी में संकोच, कृतज्ञता और अवसर खोने की आशंका साथ बैठी हो सकती है। यही इस कड़ी का प्रश्न है: मदद पाने वाले का प्रदर्शन उसके सम्मान से क्या करता है? 'हाँ' सुन लेना पर्याप्त नहीं; 'ना' कहने पर सहायता और संबंध का क्या होगा, यह भी देखना पड़ता है।

तुलसी इस प्रश्न का उत्तर दाता के मन से आरम्भ करते हैं। शरण में आए विभीषण को राम लंका का राज्य देते हैं:–

जो संपति सिव रावनहि दीन्हि दिएँ दस माथ।
सोइ संपदा बिभीषनहि सकुचि दीन्हि रघुनाथ॥
रामचरितमानस, सुन्दरकाण्ड, दोहा 49(ख)।

जो संपदा रावण ने दस सिर चढ़ाकर शिव से पाई थी, वही राम ने विभीषण को संकोच के साथ दी। पूरे दोहे का भार एक शब्द पर है: 'सकुचि'। देने वाला संकोच में है, पाने वाला नहीं। राम को लगता है कि जो दिया, वह कम है; और देते समय उनकी दृष्टि नीचे है। हमारी सहायता प्राय: उलटी चलती है। जिसे मिला, उसे छोटा और जिसने दिया, उसे विराट दिखाने की उतावली रहती है।

पुष्पा ने कहा, मदद मिली, सो मन सें असीस सोई दैहें। पै फोटो के आगे मुसक्याबो सोई जरूरी काय होय?

स्वत: उमड़ी कृतज्ञता संबंध को सुंदर करती है; उसकी अनिवार्य नुमाइश संबंध पर बोझ रखती है। गीता उस दान को राजस कहती है जिसमें बदले की चाह छिपी हो:

यत्तु प्रत्युपकारार्थं फलमुद्दिश्य वा पुन:।
दीयते च परिक्लिष्टं तद्दानं राजसं स्मृतम्॥
श्रीमद्भगवद्गीता 17.21।

जो दान प्रत्युपकार के लिए, किसी फल को लक्ष्य करके या मन में क्लेश रखकर दिया जाए, वह राजस है। आज वह बदला रुपये में नहीं माँगा जाता। किसी के संकट से अपने लिए यश, प्रचार या अनुदान की अगली किस्त जुटाना 'फलमुद्दिश्य' का नया रूप है। हर सार्वजनिक सहायता को दिखावा कहना अनुचित होगा; पर अपने उद्देश्य की जाँच फिर भी आवश्यक है।

बाड़ के भीतर ठूँठ के कटान पर मेरा ध्यान अटक गया। जड़ के पास से नया प्ररोह निकला था। कुछ वृक्षों की जीवित जड़ें बार-बार कटने के बाद भी फिर फूटती हैं, बशर्ते उन्हें चराई, आग और कटान से कुछ बरस का विश्राम मिले। पर एक हरी कोंपल पूरे वन के लौटने का प्रमाण नहीं होती।

पुष्पा हँसीं, कोंपल दिखी नईं कि तुमाओ ग्यान बरसन लगो! फिर बाड़ की ओर देखकर बोलीं, इन सबनें सोई तौ बाड़ बाँधी, रखवारी करी। चारे की फोटो में तौ बस हाथ पसारत दिखहैं।

यह इस कड़ी की सबसे गहरी बात थी। तस्वीर उस क्षण को पकड़ती है जिसमें किसी का हाथ आगे बढ़ा है। उससे पहले का उसका श्रम छूट जाता है। इन परिवारों ने पशुओं के लिए दूसरी व्यवस्था की, रखवाली की, बाड़ सँभाली। चारा दान नहीं, साझे काम का हिस्सा था। तस्वीर ने उन्हें लेने वाला बना दिया, जबकि वे इस वन के सहभागी थे।

जो दान प्रत्युपकार के लिए, किसी फल को लक्ष्य करके या मन में क्लेश रखकर दिया जाए, वह राजस है। आज वह बदला रुपये में नहीं माँगा जाता। किसी के संकट से अपने लिए यश, प्रचार या अनुदान की अगली किस्त जुटाना 'फलमुद्दिश्य' का नया रूप है। हर सार्वजनिक सहायता को दिखावा कहना अनुचित होगा; पर अपने उद्देश्य की जाँच फिर भी आवश्यक है।

सीता का समाचार लेकर लौटे हनुमान से राम कहते हैं:–

सुनु कपि तोहि समान उपकारी।
नहिं कोउ सुर नर मुनि तनुधारी॥
प्रति उपकार करौं का तोरा।
सनमुख होइ न सकत मन मोरा॥
रामचरितमानस, सुन्दरकाण्ड, दोहा 32 से पूर्व, चौपाई 3।

यहाँ सहायता पाने वाले राम हैं। वे स्वीकारते हैं कि बदला चुकाना संभव नहीं, और उनका मन हनुमान के सामने होने में सकुचाता है। उपकार स्वीकार करने से उनका गौरव घटता नहीं, बढ़ता है। देने और पाने की भूमिकाएँ किसी मनुष्य का स्थायी परिचय नहीं; आज जो ले रहा है, वह किसी और क्षेत्र में हमें देने वाला है।

पुष्पा कुछ देर चुप रहीं, फिर बोलीं, इननें काम करो, सो इनको मान। पै जौन खटिया पै परो होय, कछू कर न पावै, ऊको मान कौन खाते में डारहौ?

उनकी आपत्ति ने मेरे तर्क की सीमा खोल दी। अनदेखे योगदान को पहचानना जरूरी है, पर यदि सम्मान को योगदान का पुरस्कार बना दें, तो असमर्थ व्यक्ति फिर बाहर रह जाएगा। विनयपत्रिका का यह पद उस उदारता को दिखाता है जो लेन-देन से पहले की है:–

ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं॥
विनयपत्रिका, पद 162, प्रथम अन्तरा।

राम की करुणा के लिए पहले सेवा करके पात्रता कमानी नहीं पड़ती। उसी तरह किसी का मान रखने से पहले उससे उपयोगिता का प्रमाण नहीं माँगना चाहिए। गरिमा उसके मनुष्य होने से जुड़ी है; हमारी सहायता उसे पैदा नहीं करती, केवल बचा या घटा सकती है।

मैंने एक व्यावहारिक आपत्ति रखी, पर जो पैसा देते हैं, उन्हें भरोसेमंद हिसाब चाहिए। केवल बाड़ दिखाकर कैसे बताएँगे कि चारा सही परिवारों तक पहुँचा?

पुष्पा बोलीं, हिसाब पाई-पाई देओ। पै सबके सामने इनें ठाड़ो कर देबोई हिसाब है का? हिसाब कागद में होत है, मूँ में नईं।

खरीद का बिल, मात्रा, वितरण का अभिलेख और पाने वाले की पुष्टि जाँची जा सकती है। आवश्यक पहचान जिम्मेदार जाँचकर्ता तक सीमित रहे। फोटो लेना, उसे जाँच के लिए रखना और उसे सार्वजनिक करना तीन अलग निर्णय हैं। सार्वजनिक विवरण में खर्च, काम की प्रगति और कमियाँ आएँ, चेहरे नहीं। निजता की आड़ में हिसाब छिपाना भी उतना ही अनुचित है। तैत्तिरीय उपनिषद् देने की मन:स्थिति पर ध्यान दिलाता है:–

श्रद्धया देयम्। अश्रद्धयाऽदेयम्। श्रिया देयम्।
ह्रिया देयम्। भिया देयम्। संविदा देयम्।
तैत्तिरीय उपनिषद्, शिक्षावल्ली 1.11.3।

श्रद्धा से दो, संपन्नता के अनुरूप दो, और 'ह्रिया देयम्', लज्जा से दो। यह लज्जा देने वाले की है: इस बात की कि किसी को लेना पड़ रहा है, और हम उसमें केवल माध्यम हैं। 'संविदा देयम्' में समझ और सहमति, दोनों का भाव है।

अपनी इच्छा कहने की स्वतंत्रता का सबसे सुंदर उदाहरण केवट है। गंगा पार कराने के बाद राम, लक्ष्मण और सीता के आग्रह पर भी वह कुछ नहीं लेता:–

बहुत कीन्ह प्रभु लखन सियँ नहिं कछु केवटु लेइ।
बिदा कीन्ह करुनायतन भगति बिमल बरु देइ॥
रामचरितमानस, अयोध्याकाण्ड, दोहा 102।

यह भक्त का अपना चुनाव है, किसी श्रमिक का पारिश्रमिक रोकने का तर्क नहीं। राम उसके चुनाव का मान रखते हैं; अपनी उदारता उस पर थोपते नहीं, उसकी माँग के अनुरूप वर देते हैं। कोई अपनी बात स्वयं सबको सुनाना चाहे, तो वह भी उसका चुनाव है। गरिमा का अर्थ किसी को सदा परदे में रखना नहीं, उसे यह तय करने देना है कि वह कितना, कहाँ और किसके सामने आएगा।

लौटते समय पुष्पा ने फोन निकाला, कोंपल के संगै तुमाई सोई फोटो ले लें? फिर आँख मिचका कर बोलीं, पूछ तौ लओ। अब तुम नाहीं करौ, तौ? मैंने हँसकर कहा, तब भी मेरा मान बचा रहेगा, और तुम्हारा सवाल भी।

इसलिए इस कड़ी का उत्तर साफ है। मदद पाने वाले का प्रदर्शन उसे उसके जीवन के एक कठिन क्षण में बाँध देता है और देने वाले को कथा का नायक बना देता है। तस्वीर लेने और नाम छापने से पहले स्वतंत्र सहमति पूछना, इनकार पर सहायता न रोकना, एक उपयोग की अनुमति को हर उपयोग की अनुमति न मानना, और हिसाब को चेहरे की जगह खर्च, मात्रा और परिणाम से देना, यह जिम्मेदारी सहायता करने वाले व्यक्ति और संस्था की है। हाथ में दिया गया सहारा उसकी आवाज का अधिकार हमें नहीं सौंप देता।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

जैपुर - तीन सदियों का गुलाबी सफ़र

जयपुर स्थापना दिवस पर विशेष आलेख



डॉ. गोरधन लाल शर्मा

■ गुलाबी नगरी जयपुर : दूरदर्शी सोच, अद्भुत नगर नियोजन और गौरवशाली विरासत की 299 वर्षों की गाथा

राजा सवाई जयसिंह की वैज्ञानिक दृष्टि, वास्तुकार विद्याधर की शिल्पकला और सुव्यवस्थित नगर-रचना ने जयपुर को दुनिया के चुनिंदा नियोजित शहरों में विशिष्ट पहचान दिलाई।

भारत के इतिहास में जयपुर एक ऐसा अनूठा नगर है, जिसकी पहचान राजसी वैभव, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक विरासत और दूरदर्शी नगर नियोजन के अद्भुत संगम से बनी है। यहां की चौड़ी सड़कें, व्यवस्थित बाजार, चौपड़, भव्य हवेलियां, मंदिर, महल और सुरक्षा के लिए बना परकोटा किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि लगभग तीन शताब्दी पहले देखे गए एक ऐसे स्वप्न की साकार अभिव्यक्ति हैं, जिसमें विज्ञान, गणित, खगोलशास्त्र, वास्तुशिल्प और जनसुविधा का अनूठा समन्वय था।

18 नवंबर 2026 को जयपुर अपनी स्थापना के 299 वर्ष पूरे करने जा रहा है। यह अवसर उस दूरदर्शी सोच को याद करने का भी है, जिसने राजस्थान की धरती पर एक ऐसा शहर बसाया, जिसका नगर नियोजन आज भी दुनिया के वास्तुकारों और इतिहासकारों के लिए अध्ययन का विषय है।

सत्ता से विज्ञान तक : एक दूरदर्शी शासक की कल्पना - जयपुर की स्थापना का श्रेय कछवाहा वंश के महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय को जाता है। वे केवल कुशल शासक और कूटनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि गणित, खगोलशास्त्र, ज्योतिष और विज्ञान में गहरी रुचि रखने वाले विद्वान भी थे। विभिन्न देशों के वैज्ञानिकों और खगोलविदों के विचारों का अध्ययन उनकी बौद्धिक जिज्ञासा का प्रमाण था।

खगोलीय गणनाओं को अधिक सटीक बनाने के लिए उन्होंने दिल्ली, जयपुर, उज्जैन, मथुरा और वाराणसी में वेधशालाओं का निर्माण कराया। जयपुर का जंतर-मंतर आज भी उनकी वैज्ञानिक दृष्टि का जीवंत प्रमाण है।

आमेर की सीमाओं और बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए उन्होंने एक नई राजधानी बसाने का निर्णय लिया। उनकी कल्पना में ऐसा नगर था, जहां व्यापार, आवास, प्रशासन, सुरक्षा और धार्मिक गतिविधियों के लिए सुव्यवस्थित स्थान हों।

विद्याधर भट्टाचार्य ने कागज पर रचा गुलाबी नगरी का खाका - इस स्वप्न को साकार करने की जिम्मेदारी वास्तुकार विद्याधर भट्टाचार्य को सौंपी गई। बंगाल से आए विद्याधर ने भारतीय वास्तुशास्त्र, गणितीय सिद्धांतों और शिल्प परंपराओं का समन्वय कर जयपुर की रूपरेखा तैयार की। 18 नवंबर 1727 को जयपुर की स्थापना हुई। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि शहर को बसाने से पहले उसकी संपूर्ण योजना तैयार की गई। नगर को नौ चौकड़ियों में विभाजित किया गया। इनमें राजमहल और प्रशासनिक केंद्र के साथ आवासीय तथा व्यावसायिक गतिविधियों के लिए अलग-अलग क्षेत्र निर्धारित किए गए।

चौकड़ी सरहद, रामचंद्रजी, गंगापोल, तोपखाना हजूरी, घाट दरवाजा, विश्वेश्वरजी, मोदीखाना, तोपखाना देश और पुरानी बस्ती इस ऐतिहासिक व्यवस्था के प्रमुख हिस्से रहे। नगर के उत्तर में पहाड़ियों और दक्षिण में परकोटे तथा दरवाजों ने इसकी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया।

चौड़ी सड़कें, चौपड़ और बाजार : नियोजन का अनूठा उदाहरण - जयपुर की नगर योजना का सबसे आकर्षक पक्ष इसकी सड़क व्यवस्था है। मुख्य मार्गों की चौड़ाई लगभग 108 फीट और अन्य प्रमुख मार्गों की 54 फीट रखी गई। उस दौर में यह व्यवस्था अत्यंत दूरदर्शी थी, जब अधिकांश नगर संकरी और अनियोजित गलियों से पहचाने जाते थे। बड़ी चौपड़ और छोटी चौपड़ ने शहर को सामाजिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र दिए। इनके बीच फैले बाजारों में एक जैसी स्थापत्य शैली में बनी दुकानें, बरामदे, मेहराबदार द्वार और छज्जे जयपुर की अलग पहचान बन गए।

बाजारों के बरामदों का उद्देश्य लोगों को धूप और बारिश से बचाते हुए पैदल आवागमन को सहज बनाना था। वर्षा जल निकासी के लिए नालों की व्यवस्था और भवनों की ऊंचाई में एकरूपता भी नगर नियोजन की विशेषता थी। यानी शहर की सुंदरता के साथ नागरिक सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा गया था।

आस्था, राजसी वैभव और वैज्ञानिक विरासत - जयपुर की पहचान में धार्मिक आस्था और प्राकृतिक परिवेश का भी महत्वपूर्ण स्थान है। नाहरगढ़ की तलहटी में स्थित तालकटोरा और जयनिवास बाग का क्षेत्र महाराजा सवाई जयसिंह को विशेष प्रिय था। वृंदावन से लाए गए आराध्य देव गोविंद देवजी महाराज को जयनिवास परिसर में प्रतिष्ठित किया गया। आज गोविंद देवजी मंदिर जयपुर की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है। शहर के मध्य स्थित सिटी पैलेस राजसी स्थापत्य और प्रशासनिक व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण है। चंद्रमहल, मुबारक महल, दीवाने आम, दीवाने खास और त्रिपोलिया जैसे भवन तत्कालीन शासन व्यवस्था और शाही जीवनशैली की झलक प्रस्तुत करते हैं।

वहीं जंतर-मंतर में स्थापित सम्राट यंत्र, जयप्रकाश यंत्र और अन्य विशाल उपकरण बताते हैं कि उस दौर में पत्थरों से निर्मित यंत्रों के माध्यम से खगोलीय गणनाओं का कितना उन्नत कार्य किया जाता था। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल यह वेधशाला जयपुर की वैज्ञानिक चेतना का वैश्विक परिचय है।

हवा महल से राम चौक (अल्बर्ट हॉल) तक : स्थापत्य का विस्तार - सवाई जयसिंह के बाद भी जयपुर की स्थापत्य यात्रा आगे बढ़ती रही। महाराजा ईश्वरी सिंह ने ईसरलाट यानी सरगासूली का निर्माण कराया। इसके बाद महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने 1799 में हवा महल बनवाया। मधुमक्खी के छत्ते जैसी इसकी संरचना, असंख्य झरोखे और विशिष्ट खिड़कियां इसे विश्वभर में अलग पहचान देते हैं। शाही महिलाओं को पर्दा परंपरा का पालन करते हुए सार्वजनिक आयोजनों और बाजारों को देखने की सुविधा देना इसके निर्माण का प्रमुख उद्देश्य था।

राम निवास बाग और उसमें स्थित राम चौक यानी अल्बर्ट हॉल भी जयपुर की स्थापत्य विरासत के महत्वपूर्ण अध्याय हैं। आज यह संठाहालय राजस्थान की कला, संस्कृति और इतिहास की अनमोल धरोहरों को संजोए हुए है।

जैपर से लेकर आधुनिक जयपुर में रूपांतरण - समय के साथ जयपुर का विस्तार परकोटे से बाहर भी हुआ। महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय के शासनकाल में शिक्षा, चिकित्सा, आवास और सार्वजनिक सुविधाओं के विकास को गति मिली। महाराजा कॉलेज, महारानी कॉलेज, महारानी गायत्री देवी स्कूल और सवाई मानसिंह अस्पताल जैसी संस्थाओं ने आधुनिक जयपुर की आधारशिला मजबूत की। बनी पार्क, सी-स्कीम और न्यू कॉलोनी जैसे क्षेत्रों के विकास ने शहर के विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया। इस तरह जयपुर ने अपनी परंपरागत पहचान को बनाए रखते हुए आधुनिक महानगर बनने की यात्रा शुरू की।

विरासत के सामने नई चुनौतियां : क्या बचा पाएंगे शहर की मूल पहचान? - 299 वर्षों की यात्रा में जयपुर ने अनेक बदलाव देखे हैं। आज नई सड़कें, फ्लाईओवर, आवासीय कॉलोनियां और व्यावसायिक परिसर इसके विकास की कहानी कह रहे हैं, लेकिन इस विस्तार के बीच मूल नगर योजना और स्थापत्य विरासत का संरक्षण बड़ी चुनौती बन गया है। पुराने बाजारों के बरामदों पर अतिक्रमण, हवेलियों में मनमाने बदलाव, ऐतिहासिक भवनों के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ और सार्वजनिक स्थानों का संकुचन चिंता का विषय हैं। जिन बरामदों का निर्माण पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए हुआ था, वे कई स्थानों पर दुकानों के विस्तार तक सीमित हो गए हैं।

आवश्यकता है कि परकोटे के भीतर पारंपरिक स्थापत्य शैली और भवनों की एकरूपता बनाए रखी जाए। ऐतिहासिक हवेलियों, मंदिरों, चौपड़ों और दरवाजों का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण हो। पुरानी जल निकासी व्यवस्था की उपयोगिता को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाए तथा नए शहरी क्षेत्रों में हरियाली, खुली जगह और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता मिले। इसके साथ नागरिकों, व्यापारियों और युवा पीढ़ी को विरासत संरक्षण के अभियान से जोड़ना भी जरूरी है।

299 वर्षों की विरासत, भविष्य का संकल्प - जयपुर की महानता केवल इसके महलों, चौड़ी सड़कों और भव्य इमारतों में नहीं, बल्कि उस विचार में छिपी है, जिसने तीन शताब्दी पहले भविष्य की आवश्यकताओं को समझकर एक आदर्श नगर की कल्पना की थी। इसकी सड़कों में गणित है, चौपड़ों में सामाजिक जीवन का दर्शन, बाजारों में व्यापारिक दूरदर्शिता, मंदिरों में सांस्कृतिक चेतना और महलों में स्थापत्य कला का वैभव।

महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने भविष्य का सपना देखा और विद्याधर भट्टाचार्य ने उसे पत्थरों, सड़कों और इमारतों में जीवंत कर दिया। आज हमारी जिम्मेदारी है कि विकास की गति बनी रहे, लेकिन शहर की आत्मा न खोए। आधुनिकता का स्वागत हो, लेकिन इतिहास की पहचान धुंधली न पड़े। गुलाबी नगरी के 299वें स्थापना दिवस पर यही संकल्प होना चाहिए कि जयपुर को केवल बड़ा महानगर नहीं, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति, सुंदरता, हरियाली और सुव्यवस्थित नगर जीवन के साथ दुनिया का आदर्श शहर बनाया जाए।

–डॉ. गोरधन लाल शर्मा,
लेखक, समाजशास्त्री व वरिष्ठ अधिकारी।

कैंसर जागरूकता या भय का व्यापार?



प्रो. अशोक कुमार

आज विश्व भर में जब भी स्वास्थ्य और चिकित्सा की चर्चा होती है, एक वाक्य सबसे अधिक दोहराया जाता है–"कैंसर एक महामारी की तरह बहुत तेजी से फैल रहा है।" अस्पतालों के बड़े-बड़े होर्डिंग्स, अखबारों के पूरे पन्ने के विज्ञापन और टेलीविजन पर प्रसारित प्रचार सामग्री में अक्सर यह चेतावनी दी जाती है कि हर तीसरा या चौथा व्यक्ति कैंसर के जोखिम में है। इसके तुरंत बाद संदेश आता है कि हमारे अस्पताल में अमुक नई मशीन आ गई है, आइए और जांच कराइए।

इस प्रकार के प्रचार-प्रसार से आम जनमानस तक जागरूकता बाद में पहुँचती है, पहले भय घर कर जाता है। और जैसा कि चिकित्सा विज्ञान स्वयं मानता है–भय से उपजा तनाव शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को क्षीण कर देता है, जो अपने आप में कई दैहिक व मानसिक व्याधियों की मूल जड़ बन जाता है। जनस्वास्थ्य संवाद में फियर साइकोसिस के स्थान पर वैज्ञानिक समझ और विश्वास की आवश्यकता है !

यहाँ यह गंभीर प्रश्न उठता है कि क्या कैंसर के आंकड़ों और वास्तविकताओं को समाज के सामने सही वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में रखा जा रहा है, या फिर यह कॉर्पोरेट चिकित्सा तंत्र द्वारा खड़ा किया गया एक मनोवैज्ञानिक दबाव है?

चिकित्सा विज्ञान के इतिहास को यदि निष्पक्ष दृष्टि से देखा जाए, तो पिछले कुछ दशकों में आधुनिक चिकित्सा ने संक्रामक और जानलेवा बीमारियों पर अभूतपूर्व विजय प्राप्त की है। विज्ञान की तरक्की से जीवन प्रत्याशाबढ़ी है और असामयिक मृत्यु के सामान्य कारणकाफी सीमित हो गए हैं। यदि इसे सही परिप्रेक्ष्य में समझाया जाए, तो संदेश यह होना चाहिए: "विज्ञान की प्रगति से हमने अन्य जानलेवा रोगों को नियंत्रित कर लिया है। जीवन प्रत्याशा बढ़ने और डायग्नोस्टिक्स के अत्यंत उन्नत होने से अब कैंसर के मामलों की पहचान समय रहते हो रही है। आज यह बीमारी पहले की तरह असाध्य नहीं, बल्कि समय पर पहचान होने पर पूरी तरह साध्य है।" किंतु इसके विपरीत, कॉर्पोरेट अस्पताल और विपणन तंत्र इसे इस प्रकार पेश करते हैं मानो मानव जाति एक लाइलाज सुनामी की चपेट में है। उन्नत मशीनों का विज्ञापन यह भरोसा देने के लिए नहीं किया जाता कि "हम आपको स्वस्थ करेंगे", बल्कि यह अहसास कराने के लिए किया जाता है कि "आप संकट में हैं, इसलिए हमारे पास आना ही एकमात्र विकल्प है।"

चिकित्सा व्यवसाय का मूल ध्येय रोगी को संबल, संवेदनशीलता और आशा देना है। जब एक सामान्य नागरिक हर दिन ऐसे भयावह विज्ञापनों और चेतावनियों के संपर्क में आता है, तो उसमें कैंसर-फोबिया विकसित हो जाता है। किसी भी सामान्य गांठ या मामूली लक्षण पर व्यक्ति मौत के डर से कांप उठता है। यह भय स्वास्थ्य संवर्धन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के नाम पर आर्थिक और मानसिक दोहन का मार्ग प्रशस्त करता है।

जब भी कोई प्रबुद्ध व्यक्ति या वैज्ञानिक इस फियर साइकोसिस पर आपत्ति जताता है, तो अक्सर व्यावसायिक चिकित्सा जगत इसे अपनी आक्रामकता या नाराजगी से दबाने का प्रयास करता है। लेकिन सत्य यही है कि भय कभी भी स्वस्थ समाज की नींव नहीं बन सकता। इस दिशा में सुधार के लिए चिकित्सा जगत, कॉर्पोरेट सेक्टर और नीति-निर्माताओं को मिलकर एक आचार संहिता और सकारात्मक संवाद की दिशा तय करनी होगी:

चिकित्सा जगत और डॉक्टरों की नैतिक जिम्मेदारी है की संबल पहले, निदान बाद में: डॉक्टरों को यह समझना होगा कि क्लिनिकल प्रैक्टिस केवल दवाओं और रेडिएशन की नहीं, बल्कि रोगी के मनोबल की भी है। परामर्श के दौरान बीमारी को 'असाध्य हौव्वा' बनाने के बजाय "नियंत्रण योग्य स्थिति" के रूप में प्रस्तुत किया जाए।

सटीक सांख्यिकी का मानवीय रूप:मरीजों और समाज को यह बताया जाए कि आज कैंसर की शुरुआती पहचान से स्वस्थ होने की दर कई गुना बढ़ चुकी है।

वैज्ञानिक यथार्थवाद : डायग्नोस्टिक और स्क्रीनिंग टूल्स का उपयोग केवल भय दिखाकर फुल बॉडी चेकअप बेचने के लिए न हो, बल्कि वैज्ञानिक आवश्यकता के आधार पर हो।

कॉर्पोरेट सेक्टर और विज्ञापनों के लिए डूज़ और डोंट्स क्या न करें :अलार्म बजाने वाले आंकड़े: "हर चौथा व्यक्ति खतरे में है" जैसे सनसनीखेज नारों पर रोक लगे। मशीनों का अंधाधुंध महिमामंडन: मशीनों को चमत्कारी हथियार और मरीज को लाचार उपभोक्ता के रूप में चित्रित न किया जाए। भावनात्मक ब्लैकमेल: ऐसे दृश्य या शब्द जिनसे परिवार में दहशत पैदा हो, विज्ञापनों में पूरी तरह वर्जित हों।

क्या करें : निवारक जीवनशैली पर बल: विज्ञापनों का 80 प्रतिशत भाग खान-पान, शारीरिक सक्रियता, तंबाकू-शराब निषेध, और तनाव-मुक्ति पर केंद्रित होना चाहिए। सकारात्मक परिणाम साझा करें: बीमारी के भय के बजाय उन लोगों की कहानियाँ सामने लाएं जिन्होंने सामान्य जीवनशैली और समय पर उपचार से कैंसर को मात दी। स्पष्ट और सरल संकेत: शरीर के सामान्य चेतावनी संकेतों की शांत और निष्पक्ष जानकारी दी जाए, बिना यह कहे कि हर लक्षण कैंसर ही है।

आम जनता के लिए संदेश: भय छोड़ें, ज्ञान अपनाएं, भय तनाव देता है, ज्ञान सुरक्षा देता है: किसी भी बीमारी से बचाव का सबसे बड़ा हथियार भयभीत होना नहीं, बल्कि जागरूक और अनुशासित जीवन जीना है। संतुलित दिनचर्या:प्राकृतिक भोजन, नियमित व्यायाम, जैविक घड़ी के अनुसार निद्रा और सकारात्मक मानसिक दृष्टिकोण शरीर की स्वाभाविक रक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं।

निष्कर्ष : कैंसर एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती अवश्य है, किंतु यह मानव इतिहास की कोई ऐसी पहेली नहीं जिसका उत्तर विज्ञान के पास न हो। आज आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य संवाद का केंद्र "व्यावसायिक भय" से हटाकर "वैज्ञानिक विश्वास और जीवनशैली सुधार" पर केंद्रित किया जाए। चिकित्सा बिरादरी को स्वयं आगे आकर यह संदेश देना होगा कि हम मशीनों के व्यापारी नहीं, बल्कि जीवन के संरक्षक हैं। जब समाज को भय के बजाय भरोसे और ज्ञान की रोशनी मिलेगी, तभी हम एक स्वस्थ और तनावमुक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय

राशिफल रविवार 15 नवम्बर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत-2083, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 11:29 तक, गंड योग सोमवार प्रात: 7:16 तक, कौलव करण दिन 12:43 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मकर, मंगल-सिंह, बुध-तुला, गुरू-सिंह, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 11:29 तक है। रवियोग रात्रि 11:29 तक बना रहेगा। आज डाला छठ महापर्व पूर्ण और डाला छठ पर्व पर अस्तगामी सूर्य को अर्ध्य दिया जायेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 8:10 से 9:31 तक, लाभ-अमृत 9:31 से 12:11 तक, शुभ 1:32 से 2:52 तक।

राहुकाल– 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 5:32



मेष

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



सिंह

अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।



धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।



वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



कन्या

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।



मकर

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव दूर होगा।



मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।



तुला

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। अतिथियों का आगमन बना रहेगा।



कुंभ

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। मानसिक तनाव बना रहेगा।



कर्क

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्म

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 104 प्रभात जयपुर, रविवार 15 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



Changes In The Agniveer Scheme Will Benefit...

The first batch of Agniveers from the Navy was set to leave on 21 November, the first Air Force batch on 25 December and the Army on 31 December

A Reign Of Only Two Years

Promises Too Important To Break

सोनिया गांधी की किताब वाकई में उनकी व्याकुलता व निराशा की कहानी है

शिमला में आयोजित पार्टी के मंथन शिविर में उन्होंने अपने स्पष्ट इरादे जाहिर किये थे, कि उन्हें प्र.मंत्री बनना चाहिये क्योंकि वे उस पार्टी की नेता हैं, जिसके 272 सांसद जीत कर आये हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंग' उनके उस दर्द और टीस को दर्शाती है, जो उन्हें लंबे समय तक, भारत द्वारा पूरी तरह न अपनाए जाने की वजह से, महसूस हुई, जबकि उन्होंने भारत को अपना देश मान लिया था।

यह किताब उनके उस सफर को दिखाती है, जिसमें वे भारत का हिस्सा बनना चाहती थीं, और चाहती थीं कि लोग उन्हें स्वीकार कर लें।

पूरी पुस्तक में उनके आत्मसम्मान की भावना और उनकी उस गहरी इच्छा की झलक मिलती है कि उन्हें भारत के लोगों द्वारा स्वीकार किया जाए।

शिमला में हुई एक विचार-विमर्श बैठक में जब नेता इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि चुनाव में पार्टी का चेहरा कौन होगा, तब सोनिया गांधी ने कहा था, "मैं पार्टी की अध्यक्ष हूं, इसलिए चुनाव में पार्टी का चेहरा मैं ही रहूंगी।"

- पर उनके इस सोच को कोई समर्थन नहीं मिला था पार्टी में।
- उनको प्र.मंत्री पद नहीं मिलने की वजह, उनके बच्चे भी थे, जो उन्हें प्र.मंत्री के रुप में नहीं देखना चाहते थे, विशेषकर अपने पिता प्र.मंत्री राजीव गांधी के हत्या के बाद।
- फिर भी उनकी बची खुची इच्छा पूर्णतया उस समय खत्म हुई जब सुषमा स्वराज ने घोषणा की कि वे अपना सिर मुंडवा लेंगी और जमीन पर ही सोयेंगी, अगर सोनिया गांधी प्र.मंत्री बनीं।
- सोनिया गांधी को इस घटनाक्रम से लगा कि भारत ने उन्हें अपना नहीं माना, और स्वीकार नहीं किया और उनके मन में सदा व्याकुलता व निराशा बनी रही जो उनकी किताब में प्रतिबिंबित होता है।

लेकिन दिलचस्प बात यह थी कि उनके इस प्रस्ताव का समर्थन करने वाले बहुत कम लोग थे।

बाद में, जब उन्होंने घोषणा की कि सरकार बनाने के लिए उनके पास 272 सांसदों का समर्थन है, तो क्षेत्रीय दलों ने उनका साथ देने से इनकार कर दिया। यह कोशिश विफल रही और खुद सोनिया गांधी को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

इसके बाद 2004 में, जब कांग्रेस सरकार बनाने की स्थिति में थी, तो सोनिया गांधी ने कई कारणों से प्रधानमंत्री बनने से इनकार कर दिया। पहला कारण यह था कि उनके दोनों बच्चों ने उन्हें प्रधानमंत्री न बनने के लिए कहा था, क्योंकि उन्हें अपनी मां की जान को खतरा होने का डर था।

दूसरा कारण सुषमा स्वराज का यह बयान था कि यदि सोनिया गांधी प्रधानमंत्री बनती हैं, तो वे अपना सिर मुंडवा लेंगी और जमीन पर सोएंगी।

इस बयान ने राजनीतिक माहौल को हिला दिया तथा अनिश्चितता का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा सीटें 50 प्रतिशत बढ़ीं तो समर्थन दे सकते हैं

मुंबई, 14 नवंबर। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर बहस के बीच, एनसीपी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि अगर प्रस्तावित डिलिमिटेशन बिल के तहत लोकसभा सीटों की संख्या में 50 फीसदी की बढ़ोतरी की जाती है, तो उनकी पार्टी इसका समर्थन करने के लिए तैयार है।

- शरद पवार गुट की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने घोषणा की।

सुले का कहना है कि बढ़ती आबादी और विशाल होते निर्वाचन क्षेत्रों के कारण सांसदों के लिए जनता तक सीधे पहुंचना और विकास कार्यों की बराबर निगरानी करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है।

सुप्रिया सुले ने कहा कि छोटे संसदीय क्षेत्र लोकतंत्र को ज्यादा मजबूत बना सकते हैं। उनके मुताबिक, जब किसी सांसद के जिम्मे बहुत बड़ी आबादी और सैकड़ों गांवों का इलाका होता है, तब हर मतदाता तक पहुंचना और उसकी जरूरतों को समझना आसान नहीं रह जाता।

ऐसे में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से जनप्रतिनिधियों और जनता के बीच बेहतर तालमेल कायम हो सकेगा।

योगी ने पुरजोर ढंग से हिन्दू मतदाताओं का मुद्दा क्यों उठाया?

चर्चा है कि इस मुद्दे से योगी हिन्दू वोटों को लुभाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका मानना है, इससे उन्हें मोदी-शाह द्वय से राजनीतिक स्पर्धा में ताकत मिलेगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। एक ऐसे कदम से, जो भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के लिए शर्मिंदगी का कारण बन सकता है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वोट चोरी' के विवाद को और हवा दे दी है। उन्होंने दावा किया है कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद, 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब हो गए हैं।

- पर, उनका यह दावा कुछ ढीला पड़ गया, क्योंकि अखिलेश यादव ने यह सवाल उठाया कि योगी को कैसे मालूम कि जिन वोटर्स के नाम कटे हैं, वे हिन्दू हैं या मुसलमान। अखिलेश अप्रत्यक्ष रुप से कटाक्ष कर रहे हैं, कि चुनाव आयोग जानकारियाँ शेयर करने में पक्षपात कर रहा है। यह एक संगीन आरोप है तथा चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है।

जहां भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व ने पहले विपक्ष के आरोपों के खिलाफ पूरे देश में चल रहे एसआईआर का बचाव किया था, वहीं आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भाजपा इकाई ने एक महीने तक चलने वाला 'मतदाता जोड़ो अभियान' शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य फोकस उन वास्तविक मतदाताओं पर है, जिनके नाम सूची से गायब हैं। इसके अलावा, महिलाओं, युवाओं और दूसरे स्थानों पर रहने वाले प्रवासियों को भी इस अभियान में शामिल किया जा रहा है। राज्य के नेताओं का कहना है कि यह कोई पार्टी विरोधी गतिविधि नहीं है, बल्कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रह जाए।

आदित्यनाथ ने हाल ही में कहा कि इनमें से कई मतदाताओं के नाम पंचायत की सूचियों में या सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के रूप में दर्ज थे, और इनमें पहली बार मतदान करने वाले युवा भी शामिल थे, लेकिन उनके नाम चुनाव आयोग की विधानसभा मतदाता सूचियों से गायब हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा ने पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करने और अपात्र लोगों के नाम हटाने की मांग करते हुए चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपा है। साथ ही उन्होंने एसआईआर का बचाव करते हुए कहा कि मृत और दोहरे नामों वाले मतदाताओं की पहचान कर उन्हें हटाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत भी चाहता है पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना बंगलादेश लौटें

परंतु, बी.बी.सी. (बंगलादेश) की खबर के अनुसार, वापसी कुछ शर्तों की पूर्ती के बाद ही होनी चाहिये

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 नवंबर। बी. बी. सी. बांग्ला की रिपोर्ट के अनुसार, भारत चाहता है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना बांग्लादेश लौटें, लेकिन इसके लिए कुछ शर्तों का पूरा होना जरूरी है। नई दिल्ली चाहती है कि उनकी वापसी की देखरेख बांग्लादेश की सेना करे और ढाका उनकी निष्पक्ष सुनवाई की गारंटी दे।

दो साल से भी पहले, जब उग्र भीड़ ने ढाका स्थित उनके आवास पर धावा बोल दिया था, तब बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना एक सैन्य विमान से भारत पहुंची थीं। अब

- मुख्य शर्त है, कि सरकार शेख हसीना की सुरक्षा की गारंटी ले तथा शेख हसीना पर चलाये जा रहे मुकदमों में सही व न्यायोचित सुनवाई हो।

हसीना ने घोषणा की है कि वह दिसंबर में बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। बी. बी. सी. बांग्ला की रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली इस योजना से सहमत है, लेकिन चाहती है कि उनकी वापसी के साथ अवामी लीग प्रमुख की सुरक्षा की गारंटी हो और उन्हें निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिले।

इस समाचार आउटलैट ने भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) और सैन्य प्रतिष्ठान के कुछ अज्ञात सूत्रों का हवाला दिया है। हालांकि, शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इन खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बीबीसी बांग्ला की गुरुवार (12 नवंबर) को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, जिसका हवाला बांग्लादेश के लगभग एक दर्जन समाचार आउटलैट्स ने भी दिया है, नई दिल्ली पिछले कुछ समय से हसीना की वापसी के लिए एक व्यावहारिक रास्ता तैयार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस पर शुभकामनाएं दीं

जयपुर, 14 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर) की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। यह पहल जनजातीय समाज के राष्ट्र निर्माण में योगदान और गौरवशाली विरासत का सच्चा सम्मान है।

- भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रुप में मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने पूरे देश में जनक्रांति की लौ जलाई। उन्होंने समाज सुधारक के रूप में जनजातीय समाज को नशा एवं जातीय संघर्ष जैसी बुराइयों को त्यागने और लोगों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित किया।

चीन ने दूषित वायुमण्डल पर कैसे नियंत्रण किया?

जनवरी 2013, बीजिंग में एयर क्वालिटी इन्डैक्स 563 था, पहले तो इस प्रदूषण में 2017 तक, 25 प्रतिशत कमी करने का लक्ष्य रखा, और इस लक्ष्य को प्राप्त किया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 नवंबर। नई दिल्ली में "एयर क्वालिटी इन्डैक्स" (एक्यूआई) का औसत बढ़कर खतरनाक स्तर 563 तक पहुंच गया, जिससे लोगों का दम घुटने लगा और पूरा शहर घनी धुंध की चादर से ढक गया। वहीं, लगभग 3,780 किलोमीटर दूर बीजिंग में 13 नवंबर को एक्यूआई 170 से नीचे था। हालांकि, यह स्तर भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तो था, लेकिन उस शहर के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, जहां 2013-14 की सर्दियों में एक्यूआई का स्तर अक्सर 700 से ऊपर पहुंच जाता था।

बीजिंग ने हवा की गुणवत्ता में यह सुधार कुछ समय के लिए आपातकालीन बंदी (एमरजैंसी क्लोज़र) लागू करके नहीं, बल्कि कई

- भारत की तुलना में चेपा-चापी वाले, तुरंत प्रदूषण पर नियंत्रण करने का कोई प्रोग्राम नहीं बनाया। बल्कि दीर्घ कालीन प्रोग्राम बनाने का सोच रखा।
- क्योंकि सभी जानते तो हैं कि प्रदूषण कैसे कम होता है। पर, दीर्घ कालीन सोच रखने से सरकार के प्रदूषण हटाने के प्रवासों में शुरु से गंभीरता रही। प्रयास केवल नारेबाजी तक सीमित नहीं रहे।

वर्षों तक चले अरबों युआन के एक बड़े अभियान के जरिए हासिल किया। इसमें ऊर्जा की खपत, उद्योगों और परिवहन व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए।

कभी दुनिया में "साइकिलों का राजा" माना जाने वाला चीन, अपनी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण अब साइकिलों की जगह इंजन, कारखानों और हीटिंग सिस्टम पर निर्भर हो गया है।

जनवरी 2013 तक बीजिंग में धुंध इतनी गंभीर हो गई थी कि ऊंची इमारतें धुएं के घने बादलों के पीछे छिप जाती थीं। कई लोगों ने इस स्थिति के लिए "चीनी धुंध" (चाइनीज़ हेज़) शब्द का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। विश्व बैंक के अनुसार, बीजिंग में 24 घंटे के दौरान पीएम2.5 का स्तर 569 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया था। यह नवंबर 2017 में दिल्ली में दर्ज 576 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के स्तर के लगभग बराबर था।

शहर के लोगों को आंखों में जलन, दमा के दौरे और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। सितंबर 2013 में चीन की स्टेट काउंसिल ने वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए एक कार्ययोजना शुरू की। इसका उद्देश्य 2017 तक बीजिंग में पीएम2.5 के स्तर को 25 प्रतिशत तक कम करना और प्रदूषण की समस्या को घटाना था।

वायु गुणवत्ता में सुधार की सफलता के पीछे चार मुख्य कारण थे।

पहला, कोयले के इस्तेमाल और प्रदूषण फैलाने वाले अन्य व्यवसायों पर प्रतिबंध लगाया गया। गर्मी पैदा करने, बिजली बनाने और वस्तुओं के निर्माण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के मंत्री शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के लिए दिल्ली आयेंगे

नई दिल्ली, 14 नवंबर। नई दिल्ली में 20 से 22 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के पहले सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम में पाकिस्तान भी हिस्सा लेगा। पाकिस्तान सरकार ने इस

- ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह किसी भी पाकिस्तानी मंत्री की पहली भारत यात्रा है।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपने संघीय जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री डॉ. मुसादिक मसूद मलिक को नामित किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला ऐसा मौका है, जब कोई पाकिस्तानी मंत्री भारत आ रहा है।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्यक्रम एससीओ सदस्य देशों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाएगा, ताकि वे सभ्यताओं के बीच संवाद और सांस्कृतिक समझ से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार साझा कर सकें।

पाकिस्तान सरकार, एससीओ ढ ांचे के भीतर आपसी सम्मान की भावना के साथ, सभ्यताओं के बीच संवाद को बढ़ावा देने और लोगों के बीच आपसी संपर्क को मजबूत करने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सोनिया गांधी की पुस्तक में गोधरा कांड का उल्लेख, राजनीति से प्रेरत है।'

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 नवंबर। वर्ष 2002 में गोधरा ट्रेन अग्निकांड की जांच करने वाले सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना ने सोनिया गांधी की आत्मकथा, बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव, के एक अंश को खारिज कर दिया है। इस पुस्तक में आग लगने के कारण को "विवादास्पद" बताया गया है।

- सी.बी.आई. के उच्चाधिकारियों के अनुसार, जांच एक निष्पक्ष व सही तरीके से की गई है, जिस प्रकार किसी भी अपराध की होती है।
- अतः सोनिया गांधी का यह लिखना कि गोधरा जाने वाली रेल गाड़ी के डिब्बों में लगी आग का कारण "विवादित" है, केवल राजनीति से प्रेरित है, सच से परे है।

उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच पूरी हो चुकी है और फॉरेंसिक साक्ष्यों से आग लगने के कारण का पता चल गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के निष्कर्षों पर जो भी संदेह जताया जा रहा है, वह राजनीतिक कारणों से किया जा रहा है। अपनी आत्मकथा में सोनिया गांधी लिखती हैं, "दंगे तब भड़के, जब साबरमती एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लगा दी गई, जिसमें 59 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। यह ट्रेन हिंदू कारसेवकों को लेकर अयोध्या से राज्य की राजधानी अहमदाबाद लौट रही थी। और इसमें हिन्दू कारसेवक (राम मंदिर के लिए स्वयंसेवक) सवार थे। आग लगने का कारण अब भी विवादास्पद है, लेकिन इसके बाद जो हंगामा हुआ, राज्य के कई हिस्सों में फैल गया।"

इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अस्थाना ने कहा, "यह पूरी तरह गलत है। जांच प्रामाणिक है। इसे अदालत में साबित किया जा चुका है। अगर आज भी कोई इस पर संदेह पैदा कर रहा है, तो इसके पीछे राजनीतिक कारण है। इसकी कोई दूसरी वजह नहीं हो सकती।"

यह पूछे जाने पर कि क्या यह राजनीतिक कारण किसी खास वोट बैंक से जुड़ा है, उन्होंने कहा, "गोधरा में मरने वाले सभी लोग हिंदू थे। चाहे किसी की भी मौत हुई हो, चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, ईसाई हो या सिख, मौत तो मौत है, हत्या तो हत्या है। इसलिए हमने इस मामले की जांच एक आपराधिक घटना के रूप में की। लेकिन दुर्भाग्य से, इस मुद्दे को इस तरह पेश किया गया, मानो इस मामले की जांच मोदी को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य की गई।"

27 फरवरी 2002 को हिंदू कारसेवकों को लेकर जा रही साबरमती एक्सप्रेस के एक डिब्बे में भीड़ ने आग लगा दी थी। इस घटना में महिलाओं और बच्चों सहित, 59 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद पूरे गुजरात में सांप्रदायिक दंगे फैल गए, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए।

वर्ष 2011 में एक विशेष अदालत ने गोधरा ट्रेन अग्निकांड के मामले में 31 लोगों को दोषी ठहराया। इसके बाद 2014 में, गुजरात उच्च न्यायालय ने 11 लोगों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा, जबकि 20 अन्य लोगों को बरी कर दिया।

अंत में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा और गोधरा ट्रेन अग्निकांड के मामले में दोषियों की ओर से दायर अपीलों को खारिज कर दिया।

एक दिन भी नहीं उड़ी स्पाइसजेट की नई जयपुर- मुंबई फ्लाइट

जयपुर, 14 नवम्बर। जयपुर एयरपोर्ट से मुंबई के लिए स्पाइसजेट की नई उड़ान शुरू होने के सात दिन बाद भी, एक बार भी संचालित नहीं हो सकी। एयरलाइन ने 7 नवंबर से फ्लाइट संख्या एसजी-701 और एसजी-702 का संचालन शुरू करने की घोषणा करते हुए इसका शेड्यूल भी जारी किया था, लेकिन पिछले सात दिनों में एक भी दिन उड़ान नहीं हुई।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, फ्लाइट को मुंबई से शाम 8:30 बजे जयपुर पहुंचना था। इसके बाद रात 9:30 बजे जयपुर से मुंबई के लिए रवाना होना था। नई उड़ान शुरू होने

- एयरलाइन ने 7 नवम्बर से इस फ्लाइट की घोषणा की थी।

से जयपुर और मुंबई के बीच हवाई संपर्क बेहतर होने की उम्मीद थी, लेकिन लगातार संचालन नहीं होने से यात्रियों को निराशा का सामना करना पड़ रहा है। स्पाइसजेट की जयपुर-दुबई उड़ान का संचालन भी नियमित नहीं हो पा रहा है। इस रूट पर उड़ानें रद्द होने और देरी से संचालित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। मुंबई और दुबई जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर उड़ानों के प्रभावित होने से यात्रियों की परेशानी बढ़ रही है। लगातार बिगड़ते उड़ान कार्यक्रम के चलते एयरलाइन की परिचालन व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

''बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष करने की प्रेरणा देता है''

चौमूं/कालाडेरा । सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा में मंगलवार को जनजातीय गौरव एवं सांस्कृतिक विरासत पखवाड़ा कार्यक्रम के समापन समारोह तथा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती की पूर्व संध्या पर जनजातीय पखवाड़ा समिति, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समिति तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में ''बिरसा मुंडा व्यक्तित्व व कृतित्व : जनजातीय दशा'' विषय पर प्रसार वार्ता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जयभारत सिंह ने की, जबकि मुख्य संदर्भ वक्तव्य डॉ. जितेन्द्र लोढ़ा ने प्रस्तुत किया। अपने विस्तृत एवं विचारोत्तेजक व्याख्यान में डॉ. लोढ़ा ने भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व, कृतित्व, संघर्षशील जीवन और सामाजिक योगदान के विभिन्न सबल पक्षों को रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र में निहित शैक्षिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रेरणाओं से परिचित कराते हुए उनके विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा केवल एक आदिवासी जननायक अथवा स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता, जल-जंगल-जमीन पर अधिकार, धार्मिक सुधार और राजनीतिक प्रतिरोध के सशक्त प्रतीक थे। उनका संघर्ष अन्याय, शोषण और औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध स्वाभिमान एवं आत्मसम्मान की बुलंद आवाज था। डॉ. लोढ़ा ने जनजातीय समाज की ऐतिहासिक, सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनजातीय समुदाय की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं, जीवन मूल्यों और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की भावना को संरक्षित करना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। बिरसा मुंडा का जीवन हमें अपनी अस्मिता के प्रति सजग रहने, अधिकारों के लिए संघर्ष करने तथा सामाजिक परिवर्तन में सक्रिय भागीदारी निभाने की प्रेरणा देता है।

चिकित्सा क्षेत्र में अनुसंधान और नवीन तकनीक का प्रयोग जरूरी : राज्यपाल

अलवर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र के निरंतर विकास और आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अनुसंधान और नवीन तकनीकों का प्रयोग आवश्यक है। चिकित्सा सेवाओं में केवल क्लिनिकल दक्षता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि नए शोधों और आधुनिक तकनीक को भी अपनाना होगा। राज्यपाल शनिवार को टेल्को सर्किल स्थित हरीश हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में आयोजित हैरीकॉन-2026 के तीसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने चिकित्सा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय एआई का है।

इसके उपयोग से मरीजों के उपचार में सुगमता आई है, लेकिन मशीनें चिकित्सकों की जगह नहीं ले सकतीं। चिकित्सा परामर्श में मानवीय संवेदनाओं और भावनाओं का विशेष महत्व है।उन्होंने कहा कि अच्छे चिकित्सक में किताबी ज्ञान के साथ मरीज के प्रति संवेदनशीलता भी होनी चाहिए। इससे उपचार की गुणवत्ता बढ़ने के साथ मरीज का चिकित्सक और चिकित्सा व्यवस्था के प्रति विश्वास मजबूत होता है।

उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, योग और पारंपरिक भारतीय भोजन पद्धित को दिनचर्या में शामिल करने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने पुरातन भारतीय चिकित्सा पद्धित के महत्व का उल्लेख करते हुए टीबी मुक्त और नशा मुक्त राजस्थान के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. मनोज अग्रवाल, डॉ. डी.आर. राय, डॉ. हरीश गुप्ता, डॉ. के.के. गुप्ता, डॉ. इंदु सूद, डॉ. लवेश गुप्ता और डॉ. दीपेश गुप्ता सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए चिकित्साविद मौजूद रहे। इससे पूर्व राज्यपाल शनिवार को मिनी सचिवालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक की। राज्यपाल ने नशा मुक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए अवैध शराब की बिक्री और मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए संबंधित विभागों को समन्वित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों और महाविद्यालयों को नशा मुक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाए जाएं। युवाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया जाए। उन्होंने जिले में नशा मुक्ति अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग करने और जागरूकता गतिविधियां बढ़ाने पर भी जोर दिया।



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अलवर में हैरीकॉन-2026 के तीसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया।

- कहा- एआई उपचार में सहायक, लेकिन चिकित्सकों का विकल्प नहीं

सार-समाचार

अलवर में छात्रा ने आत्महत्या की

अलवर, (निंस)। शहर के बगड़ तिराहा थाना क्षेत्र में शनिवार शाम 13 वर्षीय छात्रा ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय बच्ची घर में अकेली थी। उसका भाई स्कूल से लौटा तो वह कमरे में फंदे पर लटकी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को फंदे से उतारकर ईएसआईसी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार बच्ची आठवीं कक्षा में पढ़ती थी और अलवर के एक छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। करीब दो माह पहले उसका अपेंडिक्स का ऑपरेशन हुआ था। इसके बाद से वह घर पर ही रह रही थी। शनिवार को उसके माता-पिता काम पर गए हुए थे। शाम करीब चार बजे भाई स्कूल से घर पहुंचा तो घटना का पता चला। उसने पड़ोसियों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। परिवार मूल रूप से डीग जिले का निवासी है और करीब तीन साल पहले रोजगार की तलाश में अलवर आया था। बच्ची के पिता मजदूरी करते हैं, जबकि मां एक कंपनी में काम करती हैं। परिजनों के अनुसार घर में किसी तरह का विवाद नहीं हुआ था। प्रारंभिक जांच में बच्ची के पिता के मोबाइल से इंस्टाग्राम चलाने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

डॉ.जसवंत सिंह यादव के निधन पर दिया कुमारी ने श्रद्धांजलि दी

अलवर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बहरोड़ विधायक एवं राजस्थान सरकार में पूर्व मंत्री डॉ. जसवंत सिंह यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उपमुख्यमंत्री आज अलवर स्थित डॉ. जसवंत सिंह यादव के निवास पहुंचीं, जहां उन्होंने उनके पार्थिव स्मृति चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान दिया कुमारी ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

टैक्स बार एसोसिएशन का स्टडी सर्किल और दीपावली मिलन समारोह आयोजित

अलवर। टैक्स बार एसोसिएशन, अलवर की ओर से शुक्रवार को द रिवाज रिसॉर्ट में स्टडी सर्किल मीटिंग एवं दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें एसोसिएशन के सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में व्यावसायिक विषयों पर ज्ञानवर्धन के साथ आपसी सौहार्द और भाईचारे का माहौल भी देखने को मिला। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में सीए महेश जैन ने जीएसटी के नवीनतम संशोधनों की विस्तार से जानकारी दी। वहीं सीए अजय सिंघल ने आयकर अधिनियम के तहत सर्च प्रकरणों में मूल्यांकन प्रक्रिया और उससे जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों पर प्रकाश डाला। दोनों विशेषज्ञों ने कानूनी एवं व्यावहारिक पहलुओं को समझाते हुए सदस्यों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। एसोसिएशन की ओर से अतिथि वक्ताओं, कार्यक्रम संयोजकों और मंच संचालकों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में कार्तिक एवं नितिन की लाइव म्यूजिक प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। संगीत और दीपावली के उल्लास के बीच सदस्यों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। इसके बाद हाई टी एवं स्नेह मिलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन नैंसी अठावाल एवं अर्पित अठावाल ने किया। आयोजन के संयोजक अधिवक्ता चैतन्य बाखरेड़िया एवं सीए अपूर्वा गोयल रहे। इस अवसर पर एसोसिएशन अध्यक्ष अधिवक्ता चंद्रप्रकाश गुप्ता, सचिव सीए विपिन जैन एवं कोषाध्यक्ष सीए प्रमोद कुमार गाबा सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। अंत में सचिव सीए विपिन जैन ने अतिथियों, वक्ताओं और आयोजन में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। समारोह ने व्यावसायिक ज्ञानवर्धन के साथ संगठनात्मक एकता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया।

कांग्रेसियों ने नेहरू जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया

टोंक। पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय स्थित नेहरू पार्क में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने पंडित नेहरू को नमन करते हुए कहा कि देश की आजादी से लेकर एक मजबूत, आधुनिक, लोकतांत्रिक एवं प्रगतिशील राष्ट्र की नींव रखने में योगदान देने वाले देश के प्रथम प्रधानमंत्री प. नेहरू आजादी के बाद देश के सामने अनेक चुनौतियां थीं, ऐसे कठिन दौर में नेहरू ने अपनी दूरदर्शी सोच, मजबूत नेतृत्व और अटूट संकल्प के साथ भारत के सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू लोकतंत्र, समानता, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण में गहरा विश्वास रखते थे। उन्होंने हमेशा ऐसे भारत का सपना देखा, जहां प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर मिले और सभी लोग एकता, भाईचारे एवं देशहित की भावना के साथ आगे बढ़ें इस अवसर पर अशोक महावर, कमलेश चावला, बरकात हसीन, जिला सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान, इम्तियाज खान, सीपी मेहता, रामदयाल गुनावत, नरेश बैरवा, राशन डीलर संघ से मोहम्मद शकील, आबिद मेव, एम. इस्लाम, नवीन बैरवा, इमरान पहलवान, सुरेंद्र रेगर, बासिद नूर, शाकिर खान, विक्रम बैरवा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी प्रकार देवली नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से शनिवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री और भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर नगर पालिका परिसर में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ जिंदल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारे लगाकर उन्हें याद किया।

'नेहरू की दूरदर्शी सोच पर खड़ा है आधुनिक भारत'

अलवर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि नेहरू की दूरदर्शी सोच और विकास की नीतियों पर ही आधुनिक भारत की मजबूत आधारशिला खड़ी हुई है। जूली ने कहा कि पंडित नेहरू ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के बाद देश के सामने संसाधनों की कमी और अनेक चुनौतियां थीं, लेकिन उन्होंने शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा और औद्योगिक विकास को प्राथमिकता देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किया। उन्होंने कहा कि आईआईटी और एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना, बड़े बांधों, औद्योगिक इकाइयों, पंचवर्षीय योजनाओं और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विकास की नींव रखने में नेहरू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलेक्टर और एसपी ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर देखी सुरक्षा व्यवस्था

खैरथल। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश और पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने चौथे चरण के चुनाव के मतदान के दिन ग्राम पंचायत मायापुर, ग्वालदा, मिठियावास, चौपानकी सहित विभिन्न मतदान केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और ड्यूटी पर अधिकारी कार्मिकों को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्र पर पहुंचकर जारी मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया तथा मतदान दलों से अब तक हुए मतदान, मतदाताओं की उपस्थिति एवं मतदान की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मतदान केंद्र पर उपस्थित मतदाताओं से संवाद कर मतदान व्यवस्थाओं एवं उन्हें उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया।

उन्होंने मतदान केंद्र पर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन करते हुए सुरक्षा में तैनात कार्मिकों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा मतदान प्रक्रिया के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान पूर्णत: स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न होना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्र पर पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की भी जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो तथा विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं महिलाओं को मतदान के दौरान आवश्यक सहयोग एवं सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं।



जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश और पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने चुनावी व्यवस्थाएं देखी।

- मतदाताओं से लिया फीडबैक , शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान कराने के लिए दिए आवश्यक दिशा निर्देश

हाड़ौता के शंकर लाल को पूर्व विधायक ने भेंट की स्कूटी

चौमूं/कालाडेरा । ''नर सेवा ही नारायण सेवा'' और अंत्योदय के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने सामाजिक सरोकार की एक और अनूठी मिसाल पेश की है। शर्मा ने ग्राम हाड़ौता स्थित शेरावतों की ढाणी निवासी वरिष्ठ दिव्यांग शंकर लाल शेरावत को स्कूटी भेंट कर उन्हें आत्मनिर्भरता का संबल प्रदान किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का ठाामवासियों द्वारा आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात शर्मा ने वरिष्ठ दिव्यांग नागरिक शंकर लाल शेरावत का माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें स्कूटी की चाबी सौंपी। जनसंवाद कार्यालय के आवेदन पर हुई त्वरित कार्यवाही स्कूटी मिलने पर भावुक व प्रसन्नचित्त हुए दिव्यांग शंकर लाल शेरावत ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का हृदय से आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने रामलाल शर्मा जी के जनसंवाद कार्यालय पर जाकर स्कूटी के लिए आवेदन किया था, जिस पर शर्मा जी ने उनकी पीड़ा को समझते हुए त्वरित संज्ञान लिया और आज उन्हें पूर्ण सम्मान के साथ स्कूटी भेंट की है। इस अवसर पर रामलाल शर्मा ने कहा कि शंकर जी दिव्यांगता के कारण चलने-फिरने और अपने रोजमर्रा के दैनिक कार्यों के लिए काफी असहनीय व संघर्षपूर्ण जीवन जीने को मजबूर थे। इस संबल से अब उनका जीवन सुगम हो सकेगा और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ सकेंगे। शर्मा ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि वरिष्ठ दिव्यांग शंकर लाल को स्कूटी भेंट करने के पश्चात उनके मुख पर जो खुशी दिखी, उससे मन को एक गहरी संतुष्टि की प्राप्ति हुई है।

होटल में कमरा नहीं देने की बात पर बदमशों ने हमला किया

कोटपूतली। कस्बे से होकर गुजर रहे दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम रघुनाथपुरा स्थित सरूण्ड थाना क्षेत्र के होटल हाईवे प्रिंस पर विगत गुरूवार व शुक्रवार की मध्य रात्रि को एक दर्जन से अधिक बदमाषों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान जहां बदमाषों ने होटल में घुसकर स्टॉफ से ना केवल मारपीट की, बल्कि पुरे होटल में शीषे, कम्प्यूटर, फर्नीचर आदि सामान को तोड़फोड़ करते हुए करीब 15 से 20 लाख रूपयों का नुकसान पहुंचा दिया। यही नहीं पार्किंग में खड़ी ग्राहकों की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों के शीषे भी फोड़ दिये। प्रबंधन का आरोप हैं कि बदमाष जाते वक्त गल्ले में रखी करीब 2.50 लाख रूपयों की नकदी भी निकाल ले गये। हालांकि पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए 07 आरोपित युवकों को गिरफ्तार कर लिया हैं, बाकी की तलाष में पुलिस टीमें जगह-जगह दबिष दे रही हैं। एसपी सतवीर सिंह ने कहा कि कानून व्यवस्था भंग करने वाले किसी भी आरोपी को बक्षा नहीं जायेगा।

इस सम्बंध में होटल के मैनेजर हनुमान सिंह ने मामला दर्ज करवाया हैं कि विगत 12 नवम्बर की रात्रि करीब 11.30 बजे एक बोलेरो गाड़ी जिस पर सरपंच लिखा हुआ था, उक्त बोलेरों में सवार होकर 04 युवक आये एवं कमरा लेने की बात की तो उनसे आईडी मांगी गई। इस पर वे नाराज होकर गाली गलौच करते हुए होटल बंद करवाने की धमकी देने लगे। साथ ही भोजन कर रहे अन्य ग्राहकों व महिलाओं से भी अभद्र व्यवहार किया। इस पर पुलिस को सूचना देने पर मौके पर पहुंची पुलिस दो युवकों को अपने साथ ले गई, जबकि अन्य दो युवक वहां से चले गये। इसके बाद रात्रि करीब 1.30 बजे भी एक गाड़ी में सवार होकर दो युवक होटल पर आये एवं होटल बंद करवाने की धमकी देने लगे।

इसके बाद शुक्रवार तड़के करीब 4.15 बजे गाड़ी में सवार होकर आये करीब एक दर्जन बदमाष हमलावरों ने पत्थर, डण्डों आदि से लैस होकर होटल पर हमला कर दिया। आते ही कर्मचारी रमेष बुनकर पर जानलेवा हमला करते हुए वार किया तो उसने नीचे झुक कर व भाग कर अपनी जान बचाई। उक्त हमलावरों ने होटल के समस्त कांच व कांच के गेट, कम्प्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर, बिलिंग प्रिन्टर, कैमरा डीवीआर व मषीन इत्यादि तोड़ दिये। साथ ही दो बड़े फ्रिज के कांच भी तोड़ते हुए उन्हें क्षितग्रस्त कर दिया एवं होटल में रूके पांच ग्राहकों की गाड़ियों के शीषे भी तोड़ दिये।

- स्टॉफ से मारपीट, जमकर की तोड़फोड़, 15 से 20 लाख रूपयों का किया नुकसान
- जयपुर-दिल्ली राजमार्ग स्थित होटल हाईवे प्रिंस पर एक दर्जन बदमाशों ने मचाया उत्पात

बीसलपुर-बांध से नहरों में पानी छोड़ने को लेकर दिया ज्ञापन

टोंक। रबी की फसलों की सिंचाई के लिए बीसलपुर बांध से नहरों में पानी छोड़ने को लेकर किसान महापंचायत के किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने टोंक कलेक्टर टीना डाबी से मुलाकात की तथा इस इस घ्मुलाकात के दौरान रामपाल जाट ने कहा कि क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी की सख्त आवश्यकता है। यदि समय रहते नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया, तो किसानों की फसलें प्रभावित होने की आशंका है। किसानों की मांग को गंभीरता से सुनने के बाद कलेक्टर टीना डाबी ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक आश्वासन दिया। कलेक्टर ने साफ किया कि इस वर्ष मानसून में बारिश कम होने के कारण बीसलपुर बांध अपनी पूर्ण भराव क्षमता तक नहीं भर पाया है। ऐसे में पेयजल और सिंचाई के बीच संतुलन बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस बैठक में बांध में उपलब्ध जलस्तर की समीक्षा कर यह तय किया जाएगा कि सिंचाई के लिए नहरों में कितना पानी छोड़ा जा सकता है।

मुनि सुभद्र सागर महाराज का पिच्छिका परिवर्तन समारोह सम्पन्न

अलवर,। श्री सम्भवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, शिवाजी पार्क के तत्वावधान में शनिवार को परम पूज्य 108 मुनि श्री सुभद्र सागर जी महाराज का नवीन पिच्छिका परिवर्तन एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम दोपहर एक बजे हसन खां मेवात नगर स्थित श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन पल्लीवाल महासभा भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सम्भवनाथ महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह की शुरुआत की। मुनि श्री का पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य ममता एवं मीतू जैन, काला कुआं निवासी परिवार को मिला, जबकि शास्त्र भेंट करने का पुण्य लाभ नरेन्द्र कुमार जैन परिवार, हसन खां मेवात नगर को प्राप्त हुआ। मुनि श्री को नवीन पिच्छिका भेंट करने का सौभाग्य श्रेष्ठी अशोक कुमार जैन, पूर्व अध्यक्ष आकाश कुमार जैन, राका, गरिमा, धैर्य एवं शौर्या जैन परिवार को मिला। वहीं पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य घनश्याम जैन परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आचार्य श्री एवं मुनि श्री की पूजा-अर्चना में स्थानीय जैन समाज के अध्यक्षों, सम्भवनाथ युवक मंडल, महिला मंडल, धर्म जागृति संस्था, खंडेलवाल जैन महिला मंडल, ज्ञान चेतना महिला मंडल, पल्लीवाल जैन महिला मंडल तथा गायत्री नगर जयपुर से आए श्रद्धालुओं ने विभिन्न द्रव्य एवं अर्घ्य समर्पित किए। मांगलिक क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य पं. विक्रम जैन अलवर ने सम्पन्न कराईं।मुनि श्री सुभद्र सागर जी महाराज ने मंगल आशीर्वचन में कहा कि यह उनका प्रथम चातुर्मास था। इससे पूर्व उनके सभी चातुर्मास आचार्यों के सान्निध्य में हुए। समाज के सहयोग और धर्म प्रभावना से यह चातुर्मास सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उन्होंने सभी श्रावक-श्राविकाओं को इसी प्रकार धर्म आराधना करते रहने का आशीर्वाद दिया। समारोह में सभी अतिथियों, श्रेष्ठीजनों, पुण्यार्जक परिवारों तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले लोगों का चातुर्मास समिति एवं श्री सम्भवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। सम्मान करने वालों में मंदिर अध्यक्ष घनश्याम जैन, मंत्री नवीन जैन, अशोक जैन सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि समारोह में समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

- कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, जयकारों और भजनों से गुंजायमान हुआ कस्बा, 22 नवंबर को होगा विशाल भंडारा

भव्य कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

पावटा। कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर की पावन धरा पर शनिवार को भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अनूग्र संगम देखने को मिला। आयोजक केशव आशीष गर्ग व संयोजक बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर कमेटी द्वारा आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर पावटा कस्बा सुभाष चौक स्थित केशव सागर धर्मशाला से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण किए महिलाओं की कतारों और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उग्रा। जहां सिर पर पवित्र कलश और कथा के मुख्य यजमान केशव गर्ग सपत्नीक सिर पर श्रीमद्भागवत ग्रंथ (पोथी) लेकर नंगे पांव यात्रा में आगे आगे चल रहे थे। वही पीछे बाबा भरतदास टोरडा धाम मंदिर महंत मंगलदास महाराज, बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर महंत जयराम दास त्यागी महाराज, कांकरिया धाम देवदत्त महाराज, वृंदावन धाम से पधारे कथा वाचक बृजेश कुमार पाठक रथ मे सवार होकर चल रहे थे। कलश यात्रा के दौरान पावटा प्रागपुरा नगरपालिका अध्यक्ष मीना अजय सैनी, भाजपा नेता जगन चौधरी, पार्षद प्रतिनिधि गोपाल अग्रवाल, पार्षद सुरेश मीणा, मंगल चंद गर्ग, मनोज मित्तल, पावटा अग्रवाल महासभा अध्यक्ष बलदेव गोयल, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल, पूर्व पार्षद विजय गुप्ता, विमल गर्ग, रिजवान कुरैशी, मंदिर कमेटी संरक्षक दिनेश शर्मा, रामोतार शर्मा, किशन लाल शर्मा, मामराज भंडारी, बंटी शर्मा, अध्यक्ष विकास शर्मा, विनीत शर्मा, लोकेश टांक, प्रदीप टांक, धर्मेंद्र बटवाल, अमित बटवाल, गर्ग परिवार सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्ति व श्रद्धालु भगवान के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और मधुर भजनों की धुन पर श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। यात्रा के मंदिर परिसर पहुंचने पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिन वृंदावन धाम से पधारे कथा वाचक बृजेश कुमार पाठक ने कथा का वाचन करते हुए बताया कि भागवत केवल एक पुस्तक ही नहीं है, अपितु साक्षात भगवान श्रीकृष्ण का ही स्वरूप है। यह बात स्वयं नारायण भगवान भागवत के 11 वें स्कंद में स्वीकार करते है। श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से कलियुग में सभी प्रकार के कष्टों का नाश होता है। वहीं पितरों को मुक्ति भी मिलती है।

आयोजन के तहत 14 नवंबर से 22 नवंबर तक प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया जाएगा, जिसमें कथा व्यास द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति, ध्रुव चरित्र एवं भागवत महात्म्य सहित विभिन्न धार्मिक प्रसंगों का वर्णन कर श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और संस्कारों का संदेश दिया जाएगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। कथा के समापन अवसर पर 22 नवंबर को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।



पावटा कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर में नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ।

फरीदाबाद में गजल पाठ करेंगे अलवर के रामचरण

अलवर। अलवर के वरिष्ठ गजलकार एवं साहित्यिक संस्था सृजक के संस्थापक सचिव रामचरण राग 15 नवंबर को फरीदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय गजल समारोह में अपनी गजलों का पाठ करेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर गजल विधा के लिए कार्यरत संस्था परवाज-ए-गजल की ओर से फरीदाबाद के एनआईटी परिसर स्थित केएल मेहता दयानंद कॉलेज के सभागार में गजल-कुंभ का आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता विख्यात शायर हसन फतेहपुरी करेंगे, जबकि वरिष्ठ शायर नोमान शौक मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। समारोह में आकाशवाणी के पूर्व निदेशक डॉ. लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, मासूम गाजियाबादी, दीक्षित दनकौरी, विज्ञान व्रत, ओमप्रकाश यति और अलीना इसरत आदि मौजूद रहेंगे।



सर्विसेज

''एवरकूल रेफ्रिजरेशन''- फ्रिज, वाशिंग मशीन, एयरकंडीशन, गीजर, माइक्रोवेव, टीवी, डीफ्रिज इत्यादि की सर्विसेज हेतु संपर्क करें- 9828559916, 22 गोदाम जयपुर

NAME CHANGE

I have changed my name from Sushil Kumar Sharma to Sushil Sharma R/o 285 South Gate No-9 Gandhi Path Vijay Dwar Vaishali Nagar Jaipur

खोया पाया

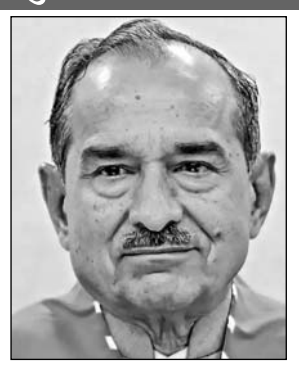
भूखंड संख्या 20, तेजाजी नगर, नारदपुरा, साईपुरा, रामगढ़रोड, जयपुर का भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर द्वारा जारी पट्टा, रसीद, साइट प्लान दिनांक 02.06.2026 को जयपुर में गुम हो गए। राजस्थान पुलिस रिपोर्ट नं. 3247304/2026 (13.08.2026) है। मिलने पर कृपया घनश्याम मेहरा को mehraghanshyam50@gmail.com पर सूचित करें।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दलपतपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर द्वारा आसोलाई विहार आ

बीते 34 माह में कांग्रेस के 5 साल से ज्यादा विकास कार्य हुए : राठौड़

पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में कृषि, शिक्षा, सड़क और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में 2 से 4 गुना तक काम का दावा किया भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष और वर्तमान भजनलाल सरकार के 34 माह के कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि विकास के हर क्षेत्र में भाजपा सरकार ने कांग्रेस से अधिक काम किया है। कई क्षेत्रों में तो 34 माह में दो से चार गुना तक उपलब्धियां हासिल की गई हैं। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि बहस करनी है तो आंकड़ों के आधार पर विधानसभा में करें, कोरी बयानबाजी नहीं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सदन में चर्चा के लिए सदैव तैयार हैं।



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़

राठौड़ ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण के क्षेत्र में कांग्रेस सरकार ने पांच वर्ष में 52,182 हेक्टेयर सिंचाई सुविधा विकसित की, जबकि वर्तमान सरकार ने 34 माह में 1,42,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई। पाइपलाइन अनुदान योजना में कांग्रेस के पांच वर्ष में 91,582 किसानों को लाभ मिला, जबकि भाजपा सरकार ने 98,753 किसानों को लाभान्वित किया। खेत तलाई निर्माण में कांग्रेस ने 29,430 कार्य करवाए, जबकि वर्तमान सरकार ने 35,893 कार्य करवाए।

> ■ मदन राठौड़ ने कहा कि, ''कांग्रेस के नेता सदन में आंकड़ों के आधार पर बहस करें''

उन्होंने बताया कि फार्म पॉन्ड निर्माण के लिए कांग्रेस ने पांच वर्ष में 202 करोड़ रुपए का अनुदान दिया, जबकि भाजपा सरकार ने 369 करोड़ रुपए दिए। खेतों की तारबंदी में कांग्रेस के 113 लाख मीटर के मुकाबले भाजपा सरकार ने 445 लाख मीटर तारबंदी करवाई। इसके लिए अनुदान राशि भी 113 करोड़ से बढ़ाकर 511 करोड़ रुपए की गई। ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर संयंत्रों से कांग्रेस ने 1.83 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया था, जबकि वर्तमान सरकार ने 3.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सुविधा उपलब्ध कराई। इन पर 1304 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया, जबकि कांग्रेस ने 842 करोड़ रुपए दिए थे। शेडनेट हाउस निर्माण में भी भाजपा सरकार ने 10.91 लाख वर्गमीटर कार्य करवाया, जबकि कांग्रेस के कार्यकाल में यह 8.60 लाख वर्गमीटर था। सोलर पंप सेट स्थापना में कांग्रेस के 63,140 के मुकाबले भाजपा सरकार ने 67,408 सोलर पंप लगाए।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में विद्यार्थियों को एक भी लैपटॉप या टैबलेट नहीं दिया गया, जबकि भाजपा सरकार ने 34 माह में 88,724 विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए। महाविद्यालय भवन निर्माण में कांग्रेस के 57 भवनों के मुकाबले वर्तमान सरकार ने 229 भवनों का निर्माण करवाया। पॉलिटेक्निक कॉलेजों के मामले में कांग्रेस के पांच के मुकाबले भाजपा सरकार ने 21 कॉलेजों का कार्य किया। संस्कृत महाविद्यालयों में भी तीन के मुकाबले 17 महाविद्यालयों का कार्य हुआ। प्रधानमंत्री आवास योजना में कांग्रेस ने 5 वर्ष में 77,950 नवीन स्वीकृतियां जारी की थीं, जबकि वर्तमान सरकार ने 1.25 लाख स्वीकृतियां जारी कीं। सड़क निर्माण में कांग्रेस के 13,160 किलोमीटर के मुकाबले भाजपा सरकार ने 18,917 किलोमीटर नई सड़कें बनवाईं। गांवों को सड़क संपर्क से जोड़ने में कांग्रेस के 1104 गांवों की तुलना में भाजपा सरकार ने 1707 गांव जोड़े। मिसिंग लिंक सड़कों के निर्माण में भी 6614 किलोमीटर के मुकाबले 10030 किलोमीटर कार्य करवाया। बिजली उत्पादन क्षमता में कांग्रेस ने पांच वर्ष में 3952 मेगावाट वृद्धि की, जबकि भजनलाल सरकार ने 34 माह में 10920 मेगावाट की वृद्धि की। सौर ऊर्जा क्षमता में 28303 मेगावाट क्षमता विकसित की, 400 केवी के 2 सब स्टेशन निर्माण कराया।

गैस बिल अपडेट करने के नाम पर महिला से 4.44 लाख रुपए ठगे

जयपुर। विद्याधर नगर इलाके में टोरेंट गैस का बिल अपडेट करने का झांसा देकर 58 वर्षीय महिला से 4 लाख 44 हजार 207 रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने मोबाइल पर व्हाट्सएप मैसेज भेजकर गैस कनेक्शन काटने की धमकी दी। इसके बाद बिल अपडेट कराने के नाम पर लिंक भेजकर एक ऐप डाउनलोड करवाया। ऐप डाउनलोड करते ही महिला के बैंक खाते से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन होने लगे और अलग-अलग लेन-देन में पूरी रकम निकाल ली गई। पीड़िता की शिकायत पर विद्याधर नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एएसआई देवीलाल ने बताया कि विद्याधर नगर सेक्टर-6 निवासी शकुन्तला रानी (58) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 1 नवंबर को उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप मैसेज आया। इसमें लिखा था कि टोरेंट गैस का बिल अपडेट करवाने के लिए दिए गए मोबाइल नंबर पर मिस्टर राकेश मिश्रा से संपर्क करें, अन्यथा उनका गैस कनेक्शन हटा दिया जाएगा। मैसेज देखकर महिला ने अगले दिन शाम दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। बातचीत के दौरान सामने वाले व्यक्ति ने टोरेंट गैस का बिल अपडेट करने की बात कहकर ऐप का लिंक भेजा और उसे डाउनलोड करने के लिए कहा। एप डाउनलोड करते ही महिला के मोबाइल पर बैंक खाते से रुपए निकलने के ट्रांजेक्शन मैसेज आने लगे।

जयपुर-दिल्ली हाईवे हादसे में तीसरे मृतक की पहचान हुई

परिवार का इकलौता सहारा था मृतक देवी सिंह

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले तीसरे व्यक्ति की पहचान अजमेर जिले के नसीराबाद क्षेत्र के धोलादाता गांव निवासी देवी सिंह रावत (48) के रूप में हुई है। शनिवार को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। देवी सिंह परिवार में इकलौते कमाने वाले थे। उनके पीछे पत्नी व 4 छोटे बच्चे हैं।

> ■ इस हादसे में जिस ट्रेलर की टक्कर से तीन लोगों की मौत हुई, उसके खिलाफ 4 राज्यों में यातायात नियमों के उल्लंघन के 12 चालान

मृतक देवी सिंह के भतीजे नरसिंह रावत ने बताया कि वह तेजाब की गाड़ी चलाते थे। परिवार में पत्नी सेठा देवी, बेटा मनीष (16) और तीन बेटियां प्रियंका (13), आरती (12) व रवीना (10) हैं। चारों बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे देवी सिंह धोलादाता गांव से लोहा मंडी में गाड़ी खाली करने के लिए निकले थे। हादसे ने परिवार का इकलौता आर्थिक सहारा छीन लिया।

ओवरस्पीड ट्रेलर पहले इको कार से टकराया था

मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रोला जब्त कर लिया है। आरोपी चालक सुमन कुमार ने पूछताछ में बताया कि तेज रफ्तार के कारण उसे कट दिखाई नहीं दिया। उसने पहले इको कार को टक्कर मारी। इसके बाद ट्रेलर के स्टेयरिंग से नियंत्रण खो गया और वह सर्विस लेन पर उतरकर दुकानों में जा घुसा। इस दौरान रास्ते में कई वाहनों और लोगों को चपेट में ले लिया।

चार राज्यों में 12 चालान, फिर भी वैध थे दस्तावेज

हादसे में शामिल नागालैंड के कोहिमा आरटीओ में पंजीकृत कमर्शियल मल्टी एक्सल ट्रेलर (एनएल-01-एच-6175) के खिलाफ राजस्थान सहित चार राज्यों में यातायात नियमों के उल्लंघन के 12 चालान दर्ज हैं। रिकॉर्ड में ओवरलोडिंग, गलत लेन में वाहन चलाने, खतरनाक ड्राइविंग और सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसे मामले सामने आए हैं। हरियाणा, बिहार और मध्य प्रदेश में भी इस वाहन के चालान काटे गए थे। केएम ट्रांस लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पंजीकृत ट्रेलर का रजिस्ट्रेशन, नेशनल परमिट और फिटनेस प्रमाण पत्र वैध हैं। इसके बावजूद वाहन के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में नियमों के उल्लंघन की कार्रवाई हुई थी। चालानों में अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार पेटी और रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप की कमी जैसी खामियां भी दर्ज हैं।

रायपुर से गार्डर लेकर आया था ट्रेलर

जिस ट्रेलर से हादसा हुआ, उसका ड्राईवर रायपुर से लोहे के गार्डर लेकर जयपुर आया था। झोटवाड़ा स्थित फैक्ट्री में गार्डर खाली करने के बाद वह दौलतपुरा टोल रोड होते हुए दूदू जा रहा था। इसी दौरान मुरलीपुरा थाना क्षेत्र में रोड नंबर-14 स्थित अनाज मंडी के पीछे गेट के सामने यह भीषण हादसा हो गया।

डोटासरा ने कानून व्यवस्था और प्रसूताओं की मौत पर राज्य सरकार को घेरा

पीसीसी अध्यक्ष ने पंचायत चुनाव के बाद प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था और प्रसूताओं की मौत पर राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान में मंत्रियों की अधिकारी नहीं सुन रहे, जनता के काम अटके हुए हैं, जयपुर में गैंगस्टर खुलेआम धमकियां दे रहे हैं, जबकि सचिवालय में कामकाज प्रभावित है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी या तो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या फिर भय के कारण जायज काम करने से भी बच रहे हैं। प्रदेश में बेरोजगार परेशान हैं।

शिखर अग्रवाल मामले को लेकर डोटासरा ने कहा कि अशोक गहलोत सहित कई नेता और मीडिया, मुख्यमंत्री से सवाल कर चुके हैं कि उनकी सहमति से मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी ने फाइल किस आधार पर चलाई। इसमें कितने लोग निर्धारित मापदंडों पर खरे उतरे और इसके बदले क्या-क्या लिया गया? मुख्यमंत्री को सामने आकर जवाब देना चाहिए। उन्होंने भाजपा नेताओ पर भ्रष्टाचार में डूबे होने का आरोप लगाया।

प्रदेश में प्रसूताओं की मौत के मामलों में एम्स की रिपोर्ट का हवाला देते हुए डोटासरा ने कहा कि यह रिपोर्ट प्रदेश सरकार के कुशासन पर धब्बा है। अस्पताल में लोग स्वस्थ होने की उम्मीद से आते हैं, लेकिन उन्हें शव बनकर घर लौटना पड़ रहा है। प्रसूताएं नई जिंदगी को जन्म देने अस्पताल पहुंचती हैं, लेकिन बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के कारण उनकी जान जा रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि पंचायत चुनाव के परिणाम के बाद बिगड़ती कानून व्यवस्था और प्रसूताओं की मौत के मामलों को लेकर कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। डोटासरा ने दावा किया कि इस बार पंचायत चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से जनप्रतिनिधियों को पकड़ने और बाड़बंदी करने के निर्देश दिए जा रहे हैं तथा पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा है। सरकार को शिक्षा, युवाओं की भर्ती, अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता और किसानों को राहत देने की चिंता नहीं है। डोटासरा ने भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ के कलमा पढ़ने के मामले पर भी टिप्पणी की। उन्होंने भाजपा नेताओं की कथनी और करनी में अंतर बताते हुए कहा कि बाहर सनातनी होने और मुस्लिमों को टिकट नहीं देने की बात करते हैं, लेकिन जब अपने बेटे और बहू की बात आती है तो मस्जिद भी जाते हैं, कलमा भी पढ़ते हैं और ईद पर गले भी मिलते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस में राजेंद्र राठौड़ की कोई जरूरत नहीं है। पढ़ी हुई किताबों को कौन पढ़ेगा, बाजार में नई किताब आ चुकी है।

शादी समारोह में पानी की बोतल फेंकने पर रिश्तेदारों में खूनी संघर्ष

जयपुर। सुभाष चौक थाना क्षेत्र के पन्नीगरान इलाके में शुक्रवार रात शादी समारोह के दौरान पानी की बोतल फेंकने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया। इस दौरान एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के युवक पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में तनवीर के सिर में चोट आई। खास बात यह है कि झगड़ा करने वाले दोनों पक्ष आपस में रिश्तेदार हैं।

थानाधिकारी भरत लाल मीणा ने बताया कि पन्नीगरान इलाके में शादी समारोह के दौरान दावत चल रही थी। इसी दौरान पानी की बोतल फेंकने की बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने हो गए और जमकर मारपीट हुई। आरोप है कि इसी दौरान एक युवक ने तनवीर के सिर पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। वहीं इस घटना के बाद दोनों पक्षों के लोग सुभाष चौक थाने पहुंच गए। यहां दोनों पक्षों के लोग अपने चेहरे छिपाते नजर आए। पुलिस ने घायल तनवीर को मेडिकल जांच के लिए भेजा। वहीं दूसरे पक्ष के सतार और उसके बेटे को भी चोटें आई हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों का मेडिकल परीक्षण करवाया। थानाधिकारी ने बताया कि जुनैद अहमद की ओर से रिपोर्ट दी गई है कि उसके भाई के साथ सतार और उसके बेटों ने मारपीट की। इस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से भी जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों को पाबंद करने की कार्रवाई के तहत हिरासत में लिया है। फिलहाल दोनों पक्षों पर मुकदमे दर्ज हुए है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जवाहर सर्किल पर आमजन के साथ मॉर्निंग वॉक की

उन्होंने बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं से संवाद किया, समस्याएं सुनी एवं सुझाव भी लिए



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार सुबह जब जवाहर सर्किल पर मॉर्निंग वॉक पर पहुंचे तो वहां मौजूद शहरवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अभिवादन स्वीकार करते हुए उनसे संवाद किया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के जवाहर सर्किल में आमजन के साथ मॉर्निंग वॉक की। उन्होंने प्रात: भ्रमण कर रहे बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं से आत्मीय मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया और विभिन्न विषयों पर संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं एवं सुझाव भी लिए।

> ■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री के ''फिट इंडिया'' अभियान को स्वस्थ एवं सशक्त भारत का आधार बताया

मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनकी शिक्षा एवं दिनचर्या की जानकारी लेते हुए स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित किया और उन्हें चॉकलेट भी वितरित की। मॉर्निंग वॉक के दौरान उन्होंने मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख, समृद्धि शांति और खुशहाली के लिए कामना की। मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ छाछ पीकर स्वस्थ खान-पान अपनाने एवं स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर 'वोकल फॉर लोकल' अभियान में भागीदारी निभाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फिट इंडिया अभियान स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण का आधार है। जब हम शारीरिक रूप से स्वस्थ होंगे, तो हमारी कार्यक्षमता बढ़ेगी और हम अपने कार्यों को अधिक ऊर्जा एवं उत्साह के साथ कर सकेंगे। साथ ही, उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपने आसपास गंदगी नहीं होने देने तथा कहीं भी गंदगी दिखाई देने पर प्रशासन को सूचित कर अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान किया।

उन्होंने आमजन से नियमित व्यायाम, योगाभ्यास एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर मॉर्निंग वॉकर्स में भी काफी उत्साह देखने को मिला एवं उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सार-समाचार

'13 लाख नल कनेक्शन भी नहीं दे सके'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जल जीवन मिशन में भाजपा सरकार के प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि, भाजपा सरकार ने अपने दो बजट में 45 लाख नल कनेक्शन देने की घोषणा की थी, लेकिन अब तक 13 लाख कनेक्शन भी नहीं दे पाई। वहीं, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में ही 13 लाख 88 हजार 472 नल कनेक्शन दिए थे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के दावों के बावजूद प्रदेश के करीब 44 लाख परिवार आज भी नल से जल मिलने का इंतजार कर रहे हैं, जबकि देश में जल जीवन मिशन का औसत कवरेज लगभग 80 प्रतिशत से अधिक पहुंच चुका है।

'नशे के दबाव में दोस्तों को ''ना'' कहें'

जयपुर। केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान के तहत मानसरोवर स्थित इंडिया इंटरनेशनल स्कूल में 'फिट यूथ-एडिक्शन फ्री यूथ' विषय पर जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। रोटरी क्लब के सहयोग से हुए इस कार्यक्रम में 400 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ. रमेश गांधी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए दोस्तों के दबाव में नशे से दूर रहने और आत्मविश्वास के साथ 'ना' कहने की सीख दी। उन्होंने सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली का उदाहरण देते हुए बताया कि प्रतिभा के साथ अनुशासन भी सफलता के लिए जरूरी है। प्रधानाचार्य निधि मिश्रा ने डॉ. गांधी को आमंत्रित किया तथा उपप्राचार्य निधि जोधा ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर राजस्थान में रोटरी क्लब की पर्यावरण एवं स्वास्थ्य देखभाल समिति के अध्यक्ष राजकुमार बाफना भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने जीवनभर नशे से दूर रहने की शपथ ली।

सड़क हादसों के दिवंगतों को श्रद्धांजलि आज

जयपुर। सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति में 15 नवंबर को विश्व सड़क दुर्घटना पीड़ित स्मृति दिवस (वर्ल्ड डे ऑफ रिमेम्ब्रेंस) मनाया जाएगा। इस अवसर पर जयपुर के जवाहर कला केंद्र में 20 स्कूलों के करीब 350 बच्चे अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सड़क हादसों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देंगे। संयुक्त राष्ट्र की ओर से हर साल नवंबर के तीसरे रविवार को यह दिवस मनाया जाता है। राजस्थान की राजधानी में सड़क सुरक्षा और यातायात के क्षेत्र में पिछले 25 वर्षों से अग्रणी भूमिका निभा रही संस्था स्माइल फाउंडेशन की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र, कलाकार और शिक्षक भाग लेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों को याद करने के साथ आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में बच्चे गीत, रैप संगीत, थिएटर, संवाद और चित्रकला के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश देंगे। आयोजकों का मानना है कि यह दिन नीति-निर्माताओं और वाहन चालकों दोनों को यातायात नियमों के पालन की जिम्मेदारी याद दिलाने का अवसर है। यातायात नियमों का पालन कर भविष्य में होने वाली अनमोल जिंदगियों की क्षति और परिवारों की पीड़ा को रोका जा सकता है।

पंचायत चुनाव के अंतिम चरण में जयपुर में 71.81 प्रतिशत मतदान

चार पंचायत समितियों में 4.07 लाख में से 2.92 लाख लोगों ने वोट डाले

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले में चतुर्थ एवं अंतिम चरण में शनिवार को बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ और आंधी पंचायत समितियों में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। चारों पंचायत समितियों के 82 पंचायत समिति निर्वाचन क्षेत्रों तथा जिला परिषद के 13 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 71.81 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इनमें तूंगा में सर्वाधिक 72.77 प्रतिशत और आंधी में सबसे कम 70.12 प्रतिशत मतदान हुआ।



जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने शनिवार को दिनभर जिले के कई मतदान केन्द्रों पर जाकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर संदेश नायक ने दिनभर चारों पंचायत समितियों के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदान व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने खोखावाला, भांगड कला सहित विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा मतदान कार्मिकों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं, मतदान प्रक्रिया के संचालन और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पालना का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चारों पंचायत समितियों एवं जिला परिषद के संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 4 लाख 7 हजार 280 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 2 लाख 92 हजार 452 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पंचायत समिति वार आंकडों के अनुसार आंधी में 91 हजार 16 में से 63 हजार 817 (70.12 प्रतिशत), बस्सी में 1 लाख 29 हजार 159 में से 93 हजार 462 (72.36 प्रतिशत), जमवारामगढ में 1 लाख 22 हजार 890 में से 88 हजार 444 (71.97 प्रतिशत) तथा तूंगा में 64 हजार 215 में से 46 हजार 729 मतदाताओं ने मतदान किया। समयवार आंकड़ों के अनुसार सुबह 10 बजे तक 15.25 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 34.56 प्रतिशत और शाम 6 बजे तक 70.60 प्रतिशत मतदान हुआ। अंतिम आंकड़ों में मतदान प्रतिशत बढ़कर 71.81 हो गया। चारों पंचायत समितियों में पंच एवं सरपंच पदों के लिए 15 नवंबर को सुबह 8 से 11 बजे तक नामांकन होंगे। इन पदों के लिए 16 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी। उपसरपंच का चुनाव 17 नवंबर को कराया जाएगा। वहीं, सभी चरणों के जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों की मतगणना 20 नवंबर को सुबह 8 बजे से होगी।

सीकर रोड सड़क हादसे पर उपमुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

जयपुर। जयपुर-सीकर रोड पर 14 नंबर स्थित अनाज मंडी रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे को लेकर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी गंभीर नजर आई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हादसे पर संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। निर्देशों के बाद आज नेशनल हाईवे, पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और हादसे से जुड़े हालात को समझते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लापरवाही नहीं होनी चाहिए और हादसों की रोकथाम के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से उचित कार्रवाई करें। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक, यातायात निरीक्षक , जिला परिवहन अधिकारी और जयपुर विकास प्राधिकरण, जोन-बी के उपायुक्त मौजूद रहे ।

पं. नेहरू के योगदान को षड्यंत्र से भुलाया नहीं जा सकता : डोटासरा

जयपुर। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा सहित प्रदेश पदाधिकारियों, विधायकों, विधायक प्रत्याशियों तथा जयपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों और कांग्रेसजनों ने नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।



देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की।

डोटासरा ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश की आजादी के लिए लगभग 10 वर्ष जेल में बिताए और सम्पन्न परिवार से होने के बावजूद सब कुछ त्यागकर स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया। आजादी के समय देश में बुनियादी सुविधाओं और औद्योगिक ढांचे का अभाव था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कल-कारखानों और आधारभूत सुविधाओं के विकास की मजबूत नींव रखी। आईआईटी, एम्स, भाखड़ा बांध और बड़े औद्योगिक संस्थान उनके दूरदर्शी प्रयासों के उदाहरण हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में प्रधानमंत्री और भाजपा पंडित नेहरू तथा उनके कार्यों की आलोचना कर उनके योगदान को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि देश के विकास में उनके योगदान की अमिट छाप है। कांग्रेस कार्यकर्ता पंडित नेहरू और महात्मा गांधी के दिखाए मार्ग पर चलकर उनके सपनों को साकार करने के लिए काम करते रहेंगे। डोटासरा ने कहा कि केंद्र में जब कांग्रेस सरकार थी तब, किसानों का 72 हजार करोड़ रुपए का ऋण माफ किया, जबकि राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने 14 हजार करोड़ रुपए का किसान ऋण माफ किया था। डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने देश के प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की नीति बनाई थी।

ARBiT
it happens here...



National Recycling Day: Promoting a Sustainable Future

National Recycling Day, observed annually on November 15, highlights the importance of recycling in preserving our planet's resources and reducing waste. It encourages individuals, communities, and industries to rethink consumption patterns, segregate waste, and reuse materials wherever possible. Recycling helps lower pollution, conserve energy, and reduce landfill dependence, contributing to a cleaner, greener environment. Schools, businesses, and local governments often organise awareness campaigns, workshops, and collection drives to inspire eco-friendly practices. On this day, everyone is urged to make small, sustainable choices, from recycling paper, plastics, and metals to supporting products made from recycled materials, shaping a healthier planet for future generations.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
15 November 2026
A-B

#MAHARAJA SHER SINGH

A Reign Of Only Two Years

Historical records and other portraits frequently show him wearing legendary jewels, including the Koh-i-Noor diamond (on his arm) and the Timur Ruby





This is a 19th-century portrait of Maharaja Sher Singh (reigned 1841-1843), the fourth ruler of the Sikh Empire.

The painting is attributed to the Company School or Punjab/Sikh Painting School, and it depicts the Maharaja in a standing pose, holding a traditional sword or talwar. It is executed in opaque pigments on paper, with significant details highlighted in gold (opaque pigments heightened with gold).

Historical Context of Maharaja Sher Singh

Lineage: He was the second son of Maharaja Ranjit Singh, the founder of the Sikh Empire, and Maharani Mehtab Kaur.

Reign: His rule lasted only two years (January 1841 - September 1843). He ascended to the throne after a period of political instability following the deaths of Maharaja Kharak Singh and Nau Nihal Singh.

Reputation: Sher Singh was known for his "soldierly mien," fashionable dress, and love for lavish jewelry. He was popular with the army and showed an interest in European hobbies and culture.

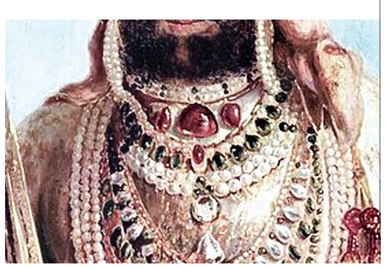
Tragic End: He was assassinated on September 15, 1843, by Ajit Singh Sandhawalia during a troop inspection. His 12-year-old son, Pratap Singh, was also killed shortly after.

Artistic Details of the Portrait

Subject: Maharaja Sher Singh is shown standing, wearing an intricate sarpech (turban ornament) and holding a sword.

Visual Symbols: He is often depicted in art with his signature tied beard, a style he popularized at the royal court.

Royal Regalia: Historical records and other portraits frequently show him wearing legendary jewels, including the Koh-i-Noor diamond (on his arm) and the Timur Ruby.





The extension includes higher remuneration, an enhanced Seva Nidhi package and cumulative seniority benefits. There are issues that need clarity which include the seniority and pensionable service of those retained after extension and the earlier order that no Agniveer can get marred till he is permanent. These will no doubt be addressed.

Changes In The Agniveer Scheme Will Benefit Readiness





Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

On 04 November, the Chief of Defence Staff General N. S. Raja Subramani has announced a major update to the Agnipath scheme. The Union Cabinet approved a two-year extension, termed the 'Second Tour of Duty,' for Agniveers recruited under the Agnipath scheme, extending the service tenure of Agniveers by two additional years.

General Subramani stated that the first batch of Agniveers was nearing the completion of its four-year term and reported positive feedback on their performance. He said, "The Cabinet has created a pathway for all Agniveers to be absorbed into the Indian Defence Forces," adding that the scheme would continue in its existing form and the additional engagement period followed continuous reviews and recommendations from the three Services.

The changes have been announced as the initial batch of 24,400 Agniveers is nearing the end of its four-year service term, with as many as 75% of the batch, or 18,300 personnel, set to leave the three-Armed Forces. The first batch of Agniveers from the Navy was set to leave on 21 November, the first Air Force batch on 25 December and the Army on 31 December.

This decision provides outgoing personnel with an extended timeline to showcase their performance, gain specialized skills and pursue permanent enrolment in the regular cadre based on merit. This follows the Armed Forces' recommendations after they assessed how the scheme performed in its first four years.

The Scheme

The Agnipath scheme, launched on June 2022, initially recruited personnel for a four-year term with 25 per cent retention eligibility based on merit. It faced criticism for the short service duration and employment uncertainty.

Under the revised changes, 25 per cent of Agniveers will be enrolled into the regular Armed Forces on merit after their initial four-year tenure. The remaining 75 per cent will have the option of extending their service by two years

#CORRECTION





on a voluntary basis. At the end of six years, all Agniveers will be offered the chance to enroll as regular soldiers, subject to their willingness and the prescribed selection criteria laid down by the Services. The criteria will probably include medical, physical fitness, professional competence and discipline.

The extension includes higher remuneration, an enhanced Seva Nidhi package and cumulative seniority benefits. There are issues that need clarity which include the seniority and pensionable service of those retained after extension and the earlier order that no Agniveer can get marred till he is permanent. These will no doubt be addressed.

The revamped model will undergo a financial review, with higher salaries and future pension and gratuity payouts. The higher outgo is expected to be partly offset by savings in training costs.

The modifications to the scheme will no doubt address 'career uncertainties' at the individual level as well as ensure that the sudden shortfall of trained manpower at a unit level will not take place. This will benefit unit cohesion and operational readiness.

Changing Character of War

There is no doubt that the character of modern warfare is undergoing a fundamental transformation, driven by rapid technological advancements and the increasing convergence of operations across land, air, maritime, space, cyber and cognitive domains.

Future conflicts will demand not merely the possession of advanced military technologies but the ability to rapidly absorb, integrate and effectively employ them in a complex and contested operational environment. In this context, the Agnipath Scheme presents both opportunities and challenges for the Indian Army's technological transformation and preparedness for Multi-Domain Operations (MDO).

The induction of a younger, digitally aware and technologically adaptable generation of Agniveers provides an important human resource advantage in an era where technology is becoming central to battlefield effectiveness. Their familiarity with digital platforms, interconnected systems and emerging technologies can facilitate faster learning and adaptation. This assumes particular significance as the Indian Army progressively inducts unmanned and autonomous systems, artificial intelligence, advanced surveillance equipment, electronic warfare capabilities and network-enabled command and control systems.

The successful conduct of MDO will require soldiers at every level to understand the interdependence of different operational domains and effectively integrate sensors, communication networks, information systems and weapon platforms to achieve operational superiority.

However, the retention of only 25 per cent of Agniveers after their initial engagement, with the remaining 75 per cent exiting, presented a significant challenge to sustaining technological proficiency and combat effectiveness in an MDO environment. Military skills today require proficiency in emerging technologies as a result of continuous training, practical experience and progressive specialisation.

The departure of a substantial proportion of trained Agniveers risked the recurring loss of technological expertise, institutional knowledge and operational experience acquired during their service. This challenge is particularly pronounced in specialised functions such as drone operations, electronic warfare, cyber defence, battlefield surveillance and network-centric operations, where competence develops progressively through repeated employment, collective training and operational experience. Frequent turnover disrupts the continuity of technically proficient teams, weakens collective expertise and places additional training responsibilities on experienced personnel.

In an MDO environment, where operational effectiveness depends upon seamless integration, established team cohesion and the ability to make rapid decisions across interconnected domains, such discontinuity could directly affect combat readiness and the ability to exploit technological capabilities effectively. The relatively short engagement period further compresses the time available for an Agniveer to progress from basic technological familiarity to genuine operational proficiency.

The challenge, therefore, is to balance the advantages of a younger, technologically adaptable force with the requirement for sustained expertise, experienced personnel and operational continuity. This calls for early identification of technological aptitude, accelerated skill development, structured knowledge transfer and retention of personnel possessing critical technical competencies.

Ultimately, the success of Agnipath in an MDO environment must be measured not merely by the speed of technology absorption but by the Army's ability to retain, institutionalise and employ technological expertise over time. A technologically aware soldier may be trained relatively quickly, but developing an experienced multi-domain warfighter requires sustained investment, collective training and operational exposure.

Agniveers spend four years learning to handle weapons, equipment and communication systems. If three-quarters of them go, the Services lose people they've already trained, then have to start over with new recruits.

The decision to offer an additional two-year engagement to the remaining 75 per cent of Agniveers, followed by an opportunity for regular enrolment subject to willingness and selection criteria, directly addresses part of this concern.

The Raksha Mantri Shri Rajnath Singh described the decision as part of long-term structural reforms aimed at building a younger, fitter and technologically equipped military. He said, "It is not merely a recruitment policy; it is a way forward to prepare India's military for the changing character of warfare."

The Agniveer scheme was apparently top down driven by fiscal considerations, though, of course, an advantage given was a pool of younger profile technology savvy youth. It was a retrograde step, and even though there were many voices of dissent, the scheme was pushed though.

The Armed Forces have the ability to make any scheme work and had harnessed it well, but it all comes at a cost. Therefore, based on the feedback from units and a thorough evaluation, the modifications to the scheme, which were recommended and pursued by the senior hierarchy, have now been approved.

This will ensure that the benefits of youthful induction translate into enduring combat capabilities rather than recurring cycles of training and loss of expertise. The priority must always be organizational effectiveness.

rajeshsharma1049@gmail.com



#ENDURING

Promises Too Important To Break

"Tommy, tomorrow, I will come earlier. I promise."





For years, the people of the village believed that Henry Davis had lost his mind. After his wife died, the elderly man developed a strange routine. Every morning at exactly 4:17 a.m., regardless of weather, season, or illness, he would leave his small hut and make the long walk to the old train crossing near the station. There, he would sit quietly and feed a hedgehog he called Tommy.

Neighbours whispered. Family members worried.

His own niece was embarrassed by him.

"He's become obsessed with an animal," she would tell people. Yet, Henry never missed a morning.

In summer, he carried milk for Tommy in a worn metal thermos. During winter, he wrapped himself in layers of old coats and continued the journey. Even when he broke his hip at the age of 75, he adapted his schedule instead of abandoning it. He began waking at 3:40 a.m. so that he would still arrive on time.

His granddaughter was less charitable.

"He's just an animal," she said once. "Grandpa cares more about that hedgehog than about people."

Still, Henry remained faithful to his ritual.

Then, in March 2024, villagers became concerned when they had not seen him for several days. They found him in his hut, where he had quietly passed away in his sleep.

Beside his bed stood the familiar thermos.

It had already been filled with milk for Tommy.

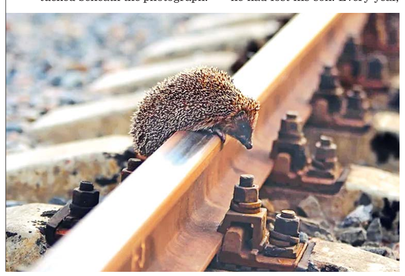
As relatives sorted through his few belongings, Henry's daughter volunteered to clean the hut. While sweeping beneath an old wooden table, she discovered a rusted tin box.

Inside were forty-one dried oak leaves.

Each leaf was carefully labeled with a date.

There was also a faded photograph.

In it stood a young Henry in army uniform. Beside him was a smiling four-year-old boy holding a hedgehog. The discovery puzzled everyone until they unfolded a yellowed document tucked beneath the photograph.



The truth stunned the family. The boy in the picture had been Henry's son.

He had died on April 18, 1983, at exactly 4:17 a.m. after a tragic accident at the same train crossing that Henry would visit every morning for the next forty-one years.

The hedgehog in the photograph had belonged to the child.

And "Tommy" had been the boy's name.

Suddenly, decades of strange behaviour took on an entirely different meaning.

The oak leaves represented the years Henry had spent keeping vigil at the crossing where he had lost his son. Every year, he collected one leaf as a silent marker of remembrance.

The final leaf in the box bore the date of the day before Henry died.

On its underside, written in shaky handwriting, were the words: "Tommy, tomorrow, I will come earlier. I promise."

At Henry's funeral, family members spoke quietly about the discovery. Many wept as they realized how deeply he had carried his grief.

Then, as the coffin was being lowered and the ceremony drew to a close, something unexpected happened.

A hedgehog appeared near the edge of the cemetery.

Without fear, it slowly walked towards the grave.

The small creature paused for a moment beside the fresh earth, then disappeared into the nearby grass.

No one spoke.

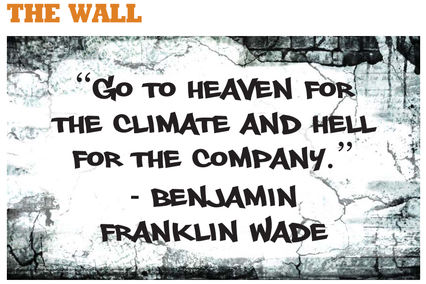
No one needed to. Today, Henry's daughter visits the crossing from time to time. She leaves a small saucer of milk where her father once sat. She no longer feels ashamed.

Instead, she understands.

What others mistook for madness was, in truth, a father's enduring love, a love that survived loss, loneliness, and forty-one years of waiting.

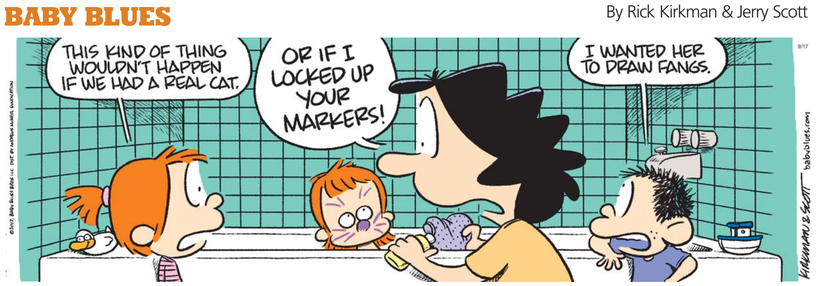
Some promises are too important to break. And some hearts never stop keeping them.

THE WALL



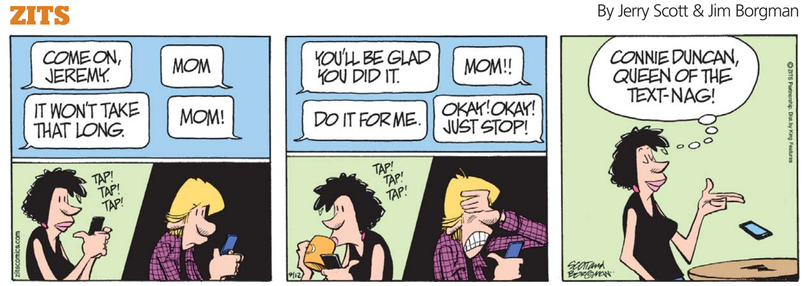
BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

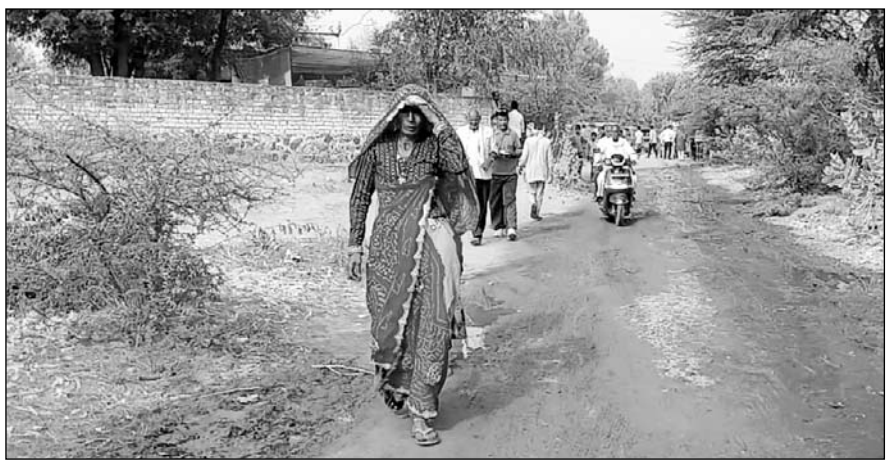


चूरू के ग्राम मेघसर में मतदान केन्द्र के सामने भरा गंदा पानी, मतदाता परेशान हुये

सड़क-नाली से लेकर स्कूल और अस्पताल तक बदहाल व्यवस्था पर ग्रामीणों में रोष

चूरू, (निसं)। जिले की पंचायत समिति चूरू की ग्राम पंचायतों जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों के लिए शनिवार प्रातः सात बजे से मतदान शुरु हो गया। मतदान के दौरान ग्राम पंचायत मेघसर में मतदान केन्द्र के सामने मुख्य रास्ते पर भरे गंदे पानी से मतदाताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मतदाता गंदे पानी से होकर मतदान केंद्र जाने को मजबूर हैं।

इन समस्याओं को लेकर जब ग्रामीणों से वार्ता की तो उन्होंने गांव की मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक किसी भी सरपंच और जन प्रतिनिधि ने गांव के विकास पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। गांव में न तो पानी निकासी की समुचित व्यवस्था है और न ही सड़क, नाली, शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसी क्रम में पंचायत के गांव ढाणी लालसिंह पुरा के रामेश्वर कटारिया ने बताया कि गांव में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है और शिक्षा के क्षेत्र में भी काफी कमियां हैं। वहीं मेघसर निवासी मुस्ताक खान ने आरोप लगाया कि पूर्व सरपंच ने गांव में कोई विशेष विकास कार्य नहीं करवाया। उनका कहना है कि थोड़ा-बहुत काम करवाकर ही पूरे पैसे उठा लिए गए। ग्रामीण अजीज खान ने बताया कि सरपंच ने कभी गांव में आकर समस्याओं को देखने तक की जहमत नहीं उठाई। गांव में पानी निकासी की समस्या और स्कूल में शिक्षकों की कमी वर्षों से बनी हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले जनप्रतिनिधि इन समस्याओं का समाधान करवाएंगे।



मतदाताओं को मुख्य रास्ते पर भरे गंदे पानी से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

- जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव में मतदान के बीच ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी के मुद्दे उठाए

वहीं गांव के ओमसिंह शेखावत ने बताया कि गांव की प्रमुख मांग पंचायत भवन का निर्माण, पानी निकासी की उचित व्यवस्था और पीएचसी में डॉक्टर की नियुक्ति है। उन्होंने कहा कि गांव में न सड़क की समुचित सुविधा है और न ही नालियां बनी हुई हैं। ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने आने वाले जनप्रतिनिधियों से इन समस्याओं को प्राथमिकता से दूर करने की मांग की।

वहीं युवा समीर खान ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने वोट की अहमियत समझें और जात-पात तथा परिवारवाद से ऊपर उठकर मतदान करें। उन्होंने कहा कि इस बार ऐसा जनप्रतिनिधि चुनें जो पढ़ा-लिखा, समझदार हो, ग्रामीणों की समस्याओं को सुने और गांव में विकास कार्य करवाने के लिए गंभीरता से प्रयास करें।

सिंघाना के ज्वैलर्स को पिस्तौल दिखाकर लूटने का प्रयास, गहने छोड़ भागा बदमाश

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना कस्बे के पुराने बाजार में शनिवार शाम एक ज्वैलर्स की दुकान पर लूट की कोशिश से व्यापारियों में हड़कंप मच गया। हेलमेट पहनकर दुकान में पहुंचे एक युवक ने गहने दिखाने के बहाने दुकानदार से आभूषण लिए और उन्हें लेकर फरार होने का प्रयास किया। दुकानदार के विरोध करने और शोर मचाने पर बदमाश ने थैले से पिस्तौल निकालकर उसे डराने की कोशिश की। हालांकि, बाजार में भीड़ और लोगों के शोर-शराबे के चलते वह गहने छोड़कर मौके से फरार हो गया।

- गहने दिखाने के बहाने दुकान में हेलमेटधारी युवक घुसा, विरोध करने पर पिस्तौल निकाली
- सूचना मिलते ही सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई

जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब छह बजे सिंघाना के मुख्य बाजार स्थित बंशीधर सुशील कुमार ज्वैलर्स की दुकान पर हेलमेट पहने एक युवक पहुंचा। उसने दुकान मालिक सुशील कुमार से आभूषण दिखाने को कहा। सुशील कुमार जब उसे गहने दिखाने लगे तो युवक ने आभूषण अपने कब्जे में ले लिए और दुकान से भागने का प्रयास किया। यह देखकर दुकानदार ने उसे रोकने की कोशिश की और शोर मचाया। इस पर युवक ने अपने थैले से पिस्तौल निकालकर दुकानदार को डराने का प्रयास किया। अचानक हुई इस घटना से दुकान और आसपास के बाजार में अफरा-तफरी मच गई। मुख्य बाजार में लोगों की आवाजाही और शोर-शराबा बढ़ता देख बदमाश गहने छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय लोग एकत्रित हो गए तथा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर दुकानदार एवं प्रत्यक्षदर्शियों से घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान और तलाश शुरू कर दी है।

मुख्य बाजार में ज्वैलर्स की दुकान को निशाना बनाने की इस कोशिश से व्यापारियों में चिंता और रोष है। व्यापारियों का कहना है कि पूर्व में भी इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन बदमाशों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से व्यापारियों में असुरक्षा और भय का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बाजार में पुलिस गश्त बढ़ाने, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और ऐसी वारदातों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है।

इस संबंध में एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश के बारे में जानकारी जुटा रही है। आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही वारदात में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिगों से छेड़छाड़ के बाद फायरिंग करने के दो आरोपी गिरफ्त में

जोधपुर, (कासं)। जिले के पीपाड़ शहर थाना क्षेत्र के एक गांव में छात्राओं से छेड़छाड़ के उलाहने पर फायरिंग व डंपर चढ़ाकर जानलेवा हमला करने के मामले में डीएसटी ने दो नामजद आरोपियों को पाली से पकड़ा है। पुलिस ने वारदात में उपयोग लिया गया बिना नंबर का डंपर भी जब्त कर लिया है।

जानकारी के अनुसार जाटियावास निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी थी कि रवि, भजनलाल उर्फ रोहित, कालू उर्फ सुरेंद्र, सोनू, अरविंद व विष्णु सहित अन्य आरोपी गांव की छात्राओं का स्कूल आते-जाते समय पीछा कर अभद्र टिप्पणियां करते थे। इसका

- दोनों आरोपी कर्नाटक भागने की फिराक में थे, पाली में पकड़े गए

उलाहना देने पर 11 नवंबर को गौशाला के पास आरोपियों ने उससे मारपीट की। परिवादी का आरोप है कि इसके बाद आरोपी बिना नंबर का डंपर लेकर उसके मोहल्ले पहुंचे और अवैध हथियार लहराते हुए हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाई। आरोपियों ने परिवादी व परिजनों पर डंपर चढ़ाने का प्रयास भी किया, जिससे वहां खड़ी एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गई।

एसपी पंकज यादव के निर्देश पर थानाधिकारी सीताराम खोजा व डीएसटी प्रभारी शंकरलाल कड़वा की टीम ने तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर डीएसटी ने घेराबंदी कर पाली शहर में रिश्तेदार के यहां छिपे मुख्य आरोपी रवि पुत्र बीरबल राम और कालू उर्फ सुरेंद्र पुत्र हड़मान राम को पकड़ लिया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों कर्नाटक भागने की तैयारी में थे, लेकिन किराये के पैसे नहीं होने के कारण पाली में रुक गए थे। पुलिस शेष आरोपियों की तलाश कर रही है।

दुकान में आग लगाने का आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के विवेक विहार थाना क्षेत्र में सात नवंबर को किराना दुकान पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने और दुकान के ताले तोड़ने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद स्विफ्ट कार में बैठकर फरार हो गया था। पूरी घटना दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी जब्त की है।

विवेक विहार थाना पुलिस के अनुसार सात नवंबर को धीमाराम खावा पुत्र बाबूलाल निवासी गुड़ा विश्नोइयान ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी पूजा किराणा स्टोर नाम से दुकान पूनिया भवन, गुड़ा विश्नोइयान में स्थित है। सात नवंबर की रात करीब 1.30 बजे बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट कार दुकान के पास आकर रुकी। कार से उतरे व्यक्ति ने दुकान के शटर पर पेट्रोल छिडक़कर आग लगा दी और फिर हथौड़े से ताले तोड़ने लगा। इसी दौरान दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हो गई। दुकान में आग लगने से करीब 40 से 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ। विवेक विहार थाना पुलिस ने गठित टीम ने आरोपी विकास उर्फ विक्रांत पुत्र पपाराम को गिरफ्तार किया।

सस्ती स्कूटी बेचने का झांसा देकर ठगी

जोधपुर, (कासं)। फेसबुक पर सस्ती स्कूटी खरीदने का विज्ञापन देखकर संपर्क करना एक महिला को महंगा पड़ गया। साइबर ठग ने स्कूटी बेचने के नाम पर महिला से अलग-अलग किस्तों में 1 लाख 300 रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद भी स्कूटी नहीं मिलने पर महिला ने थाने में मामला दर्ज करवाया है।

सूरसागर पुलिस ने बताया कि मूलतः शुभदंड लूणी हाल भैरू चौक, कालूराम की बावड़ी एरिया में रहने वाली सरोज पत्नी कानगिरी गोस्वामी ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसने 6 नवंबर को फेसबुक पर 16 हजार रुपए में स्कूटी बेचने का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर आरोपी ने पहले 1500 रुपए फोन-पे से भेजने को कहा। इसके बाद 7 नवंबर को स्कूटी पार्सल करने के फोटो भेजकर 11,500 रुपए और मांगे। फिर स्कूटी के दस्तावेजों के नाम पर 6150 रुपए जमा करवाए।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

खेतड़ी, (निसं)। कस्बे के धोबी घाट के पास शनिवार दोपहर एक गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को राजकीय उप जिला अस्पताल खेतड़ी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उन्हें झुंझुनूं जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार खेतड़ी के वार्ड नंबर 3 निवासी पंकज पुत्र कैलाश और अनिल पुत्र राजेश कुमार शनिवार दोपहर करीब एक बजे बाइक पर सवार होकर घरेलू कार्य से कोलिहान नगर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान धोबी घाट के पास सामने से आई एक गाड़ी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और घायलों को संभाला। हादसे की सूचना पर 108 एंबुलेंस के पायलट अजीत सिंह निर्वाण और सुदेश लांबा मौके पर पहुंचे तथा दोनों घायलों को उपचार के लिए खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल लेकर आए। यहां चिकित्सकों की टीम ने उनका प्राथमिक उपचार किया। दोनों की हालत गंभीर होने के चलते चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए झुंझुनूं जिला अस्पताल रैफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंचे। परिजनों के अनुसार पंकज और अनिल घरेलू काम से कोलिहान नगर जा रहे थे, तभी रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। इधर, घटना की सूचना पर खेतड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

टायर फटने से सीमेंट से भरा तेज रफ्तार ट्रक पलटा

उदयपुर, (कास)। उदयपुर शहर के प्रतापनगर-एकलिंगपुरा बाइपास रोड पर शनिवार को तेज रफ्तार सीमेंट से भरा एक मिनी ट्रक अचानक पलट गया। चलते वाहन का टायर पंचर होने से संतुलन बिगड़ा और ट्रक सड़क पर पलट गया। बीच सड़क पर सीमेंट के कट्टे भी बिखर गए। गनीमत रही कि हादसे के दौरान व्यस्त सड़क से गुजर रहे दूसरे वाहन इसकी चपेट में आने से बच गए। बाद में क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क से हटवाया गया।

जानकारी के अनुसार मिनी ट्रक में सीमेंट के कट्टे भरे हुए थे। यह ट्रक प्रतापनगर से एकलिंगपुरा की ओर जा रहा था। रास्ते में चलते समय अचानक मिनी ट्रक का टायर पंचर हो गया। गाड़ी में सीमेंट का वजन ज्यादा होने और अचानक टायर पंचर होने से ड्राइवर स्टेयरिंग पर अपना संतुलन नहीं रख पाया। देखते ही देखते ट्रक लहराते हुए मुख्य सड़क पर ही पलट गया। ट्रक के पलटते ही उसमें भरे सीमेंट के कट्टे भी सड़क पर गिरकर फट गए। हाईवे के बीचों-बीच ट्रक पलटने की तेज आवाज

- गनीमत रही कि हादसे के दौरान व्यस्त सड़क से गुजर रहे दूसरे वाहन इसकी चपेट में आने से बच गए

सुनकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। लोगों ने केबिन में फंसे ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला। सड़क के बीच में ट्रक आड़ा गिरने और सीमेंट के कट्टे फैलने से प्रतापनगर से एकलिंगपुरा जाने वाले रास्ते पर यातायात बाधित हो गया। कुछ ही देर में सड़क पर वाहनों की कतार लग गई और लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर क्रेन बुलवाई गई। क्रेन की मदद से काफी मशक्कत के बाद पलटे हुए मिनी ट्रक को सीधा कर सड़क के एक किनारे करवाया गया। सड़क से ट्रक और बिखरे सामान को हटाने के बाद हाईवे पर रुके हुए ट्रैफिक को फिर से सुचारू रूप से चालू कर दिया गया।

उदयपुर में अरावली वाटिका पार्क में लोहे की रेलिंग पुलिया से उखड़कर नीचे की ओर झुकी

रेलिंग टूटने से पर्यटकों का संतुलन बिगड़ गया और वे करीब 15 फीट नीचे चट्टानों पर गिरने से बाल-बाल बच गए

उदयपुर, (कास)। पर्यटन नगरी उदयपुर में शनिवार को फतहसागर झील के पास स्थित अरावली वाटिका पार्क में लोहे की रेलिंग अचानक पुलिया से उखड़कर नीचे की ओर झुक गई। उस समय रेलिंग पकड़कर खड़े पर्यटक फोटो खिंचवा रहे थे। रेलिंग टूटने से पर्यटकों का संतुलन बिगड़ गया और वे करीब 15 फीट नीचे चट्टानों पर गिरने से बाल-बाल बच गए। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने तुरंत रेलिंग को संभालकर पर्यटकों को बचा लिया।

जानकारी के अनुसार पुलिया के किनारे सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की रेलिंग पिछले कई महीनों से कमजोर थी और अपने फाउंडेशन से हिल रही थी। शनिवार को कुछ पर्यटक इसी रेलिंग के सहारे खड़े होकर फोटो खिंचवा रहे थे। इसी दौरान रेलिंग अचानक उखड़कर नीचे की ओर झुक गई। इससे

- पुलिया के किनारे सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की रेलिंग पिछले कई महीनों से कमजोर थी और अपने फाउंडेशन से हिल रही थी
- अरावली वाटिका पार्क की इसी कमजोर रेलिंग के कारण जून महीने में भी दो पर्यटक नीचे गिरते-गिरते बचे थे, उस समय भी घटना की तस्वीरों के साथ नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को मौके की स्थिति से अवगत कराया गया था

वहां मौजूद पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि पास खड़े लोगों ने तत्काल मदद की और पर्यटकों को करीब 15 फीट नीचे चट्टानों पर गिरने से बचा लिया।

जानकारी के अनुसार अरावली वाटिका पार्क की इसी कमजोर रेलिंग के कारण जून महीने में भी दो पर्यटक नीचे गिरते-गिरते बचे थे। उस समय भी घटना की तस्वीरों के साथ नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को मौके की स्थिति से अवगत कराया गया था। इसके बावजूद रेलिंग की मरम्मत और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए। अब शनिवार को एक बार फिर उसी रेलिंग के टूटने से बड़ा हादसा टल गया। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के बाद नगर निगम की निगरानी और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। फतहसागर झील घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए अरावली वाटिका पार्क भी प्रमुख आकर्षण है। यहां बने झरने और फाउंटेन का सुंदर नजारा देखने के लिए दिनभर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। पार्क में बनी पुलिया से झरने और फाउंटेन का दृश्य दिखाई देता है। इसी वजह से पर्यटक यहां फोटो और सेल्फी लेने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे सार्वजनिक पर्यटन स्थलों पर रेलिंग,पुलिया और अन्य सुरक्षा इंतजामों की नियमित जांच जरूरी है। खासकर उन स्थानों पर जहां से नीचे गहरी चट्टानें या ढलान हैं। पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर नगर निगम को कमजोर रेलिंग की तत्काल मरम्मत कराने और पार्क की अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने की जरूरत है।

महिला की चेन झपटने के आरोपी गिरफ्तार

सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद

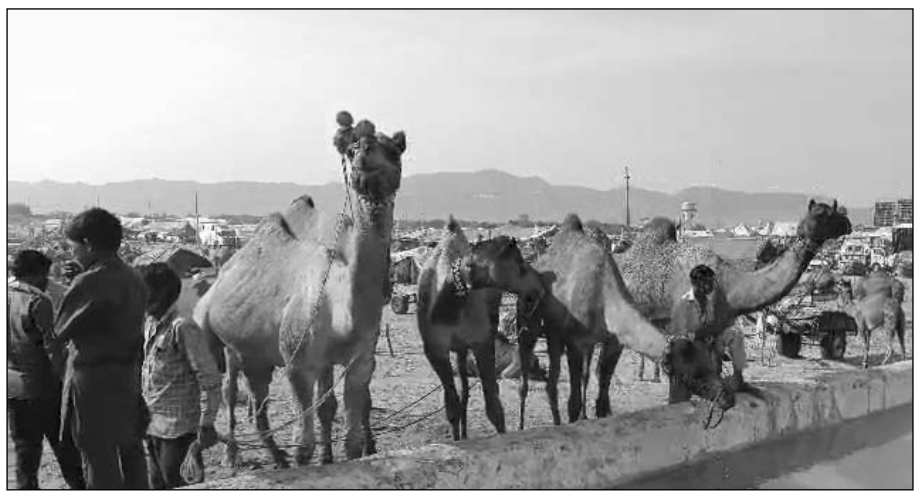
डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने किराना दुकान पर बैठी महिला के गले से सोने की चेन झपटने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने साथी के साथ सुपारी खरीदने के बहाने वारदात की थी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चेन और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। दूसरा आरोपी फिलहाल न्यायिक अभिरक्षा में है।

कोतवाली थानाधिकारी हिमांशु सिंह ने बताया कि भोईवाडा निवासी माया पत्नी नरेश भोई की मुरला गणेश रोड पर किराना दुकान है। 10 सितंबर को वह अपनी बहू और पड़ौस में रहने वाली आशा बाई के साथ दुकान पर बैठी थीं। इसी दौरान बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर दो युवक वहां पहुंचे। एक युवक बाइक पर बैठा रहा और दूसरा दुकान पर सुपारी मांगने आया। माया काउंटर से सुपारी देने लगी, तभी युवक उनके गले से सोने की चेन झपटकर साथी के साथ बाइक पर फरार हो गया। थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत के नेतृत्व में टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी संसाधनों की मदद ली। जांच में पुंजपुर निवासी सुनील उर्फ लक्की उर्फ लखन मीणा का नाम सामने आया। पुलिस ने उसे पुंजपुर गांव के जंगल से पकड़ा। पूछताछ में उसने साथियों के साथ वारदात करना कबूल किया। पुलिस ने सुनील उर्फ लक्की उर्फ लखन पुत्र मनोहरलाल मीणा, निवासी पुंजपुर, थाना आसपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी चेन झपटने के साथ सूने मकानों में चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहा है। वारदात में शामिल दूसरा आरोपी श्रीनाथ बैंगलोज में हुई चोरी के मामले में पहले से जिला कारागृह में न्यायिक अभिरक्षा में है।

पुष्कर मेले में आकर्षण का केन्द्र बना 21 करोड का "गोल्डन किंग घोडा"

पुष्कर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेले में देशभर से आकर्षक नस्लों के ऊंट, बैल, गाय, सांड, घोड़े और घोड़ियां पहुंच रहे हैं। मेले में पशुओं की कद-काठी, नस्ल और खूबसूरती पशुप्रेमियों का ध्यान आकर्षित कर रही है। इसी बीच मारवाड़ी नस्ल का सुनहरे रंग वाला अनूठा घोड़ा "गोल्डन किंग" विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसकी मनमोहक रंगत, आकर्षक कद-काठी और शाही अंदाज को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

"गोल्डन किंग" के मालिक गुजरात के सूरत निवासी डॉ. विजयदार पारीक ने बताया कि घोड़े के विशेष सुनहरे रंग के कारण इसका नाम "गोल्डन किंग" रखा गया है। उनके अनुसार मारवाड़ी नस्ल में इस तरह के सुनहरे रंग का यह दुनिया में अपनी तरह का अनूठा घोड़ा है। खास बात यह है कि इसके माता-पिता दोनों काले रंग के हैं, लेकिन ईश्वर की कृपा से "गोल्डन किंग" का रंग सुनहरा है। उन्होंने बताया कि साढ़े चार वर्ष की उम्र वाले इस घोड़े की ऊंचाई करीब 65 इंच है। इसकी वंशावली भी खास है। यह प्रसिद्ध घोड़े



पुष्कर पशु मेले में बड़ी संख्या में ऊंट पहुंच चुके हैं।

परमहंस का पोता तथा नामी घोड़े शिवराज का बेटा है, जबकि इसकी मां अली रतनाकर नस्ल की है।

डॉ. पारीक ने बताया कि "गोल्डन किंग" की कीमत करीब 21 करोड़ रुपये तक लग चुकी है, लेकिन वे इसे बेचने के इच्छुक नहीं हैं। उनके लिए यह केवल एक घोड़ा नहीं, बल्कि खास पहचान और गौरव का विषय है। वे इसे पुष्कर मेले में प्रदर्शन के लिए लेकर आए हैं। "गोल्डन किंग" की सुंदरता और आकर्षक शारीरिक बनावट के पीछे उसकी विशेष देखभाल एवं खान-पान की अहम भूमिका है। इसे देसी गाय का दूध, घी, मुरब्बा तथा चना-चूरी सहित विशेष पौष्टिक आहार दिया जाता है। नियमित देखभाल और विशेष खान-पान के चलते इसकी चमकदार रंगत और आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को अपनी ओर खींच रहा है।

पुष्कर मेले में घोड़ों की कीमतों को लेकर सोशल मीडिया पर भी चर्चाएं चल रही हैं। कई पशुपालक अपने घोड़ों

- मारवाड़ी नस्ल के सुनहरे रंग के घोड़े को देखने भीड़ उमड़ रही है
- पशु मेले में देशभर से आकर्षक नस्लों के ऊंट, बैल, गाय, सांड, घोड़े और घोड़ियां पहुंच रहे हैं

को चर्चित कराने के लिए सोशल मीडिया और वीडियो मंचों पर उनका प्रचार करवा रहे हैं। इसमें घोड़ों की कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है, जिसको लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

पशुपालक आशु पंडित ने बताया कि कुछ पशुपालक अपने घोड़ों को प्रसिद्ध कराने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करवा रहे हैं। उनके अनुसार सोशल मीडिया पर दिखाई जा रही कीमतों और वास्तविकता में अंतर हो सकता है। इधर, मेले में ऊंटों और घोड़ों की आवक लगातार बढ़ रही है तथा हजारों की संख्या में ऊंट पहुंच चुके हैं।

कोटा मेडिकल कॉलेज में एक और प्रसूता की मौत

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में प्रसूताओं की मौत के मामले थम नहीं रहे हैं। अब एक और प्रसूता की मौत का मामला सामने आया है जिसकी मौत 12 नवंबर को हुई है। यह महिला भी बारां जिले से रेफर होकर आई थी और स्क्रब टाईफस व डेंगू की संदिग्ध मानकर उसका उपचार चल रहा था। यह एक माह में ही 7वीं मौत है। दूसरी तरफ, यह प्रकरण सामने आने के बाद दूसरे फेज में औषधि नियंत्रण अधिकारियों ने 13 दवाईयों और इंजेक्शन के 14 नमूने लिए थे, जिनमें फ्लूइड, एंटीबायोटिक, एंटीऑक्सीडेंट और सिजेरियन डिलीवरी के बाद उपयोग में आने वाली दवाईयां शामिल थीं। ये सभी नमूने जांच में पास हो गए हैं।

मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. नेहा सीहरा ने बताया कि 12 नवंबर को शाम के समय बारां जिले के मुसाई गुजरान निवासी 31 वर्षीय फूलाबाई मेहता मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल पहुंची थी। वह 6 महीने की गर्भवती थी। अस्पताल में लाते समय उसकी स्थिति काफी क्रिटिकल थी और वह कोमा व शॉक में थी। इमरजेंसी में ही उसे इंट्यूबेट किया गया था। आईसीयू में उसे कार्डियक अरेस्ट आ गया, जिसके बाद सीपीआर दिया गया और शाम करीब 7 बजे के आसपास उसकी मौत हो गई। डॉ.सीहरा के अनुसार मरीज को लंबे समय से बुखार था, जब वह अस्पताल पहुंची थी, तब उसका गर्भपात हो गया था। इसके बाद उसका उपचार शुरू किया गया। मरीज को लंबे समय से बुखार था। डॉक्टर के अनुसार मरीज की मौत सेप्टिसीमिया, सेप्टिक शॉक और मल्टी-ऑर्गन फेलियर के चलते हुई है। उसका बीपी और प्लेटलेट्स लगातार गिर रहे थे। अस्पताल में उसकी प्लेटलेट्स 35 हजार थीं। इससे यह संभावना जताई जा रही है कि उसे डेंगू या स्क्रब टाइफस था। इसी को संदिग्ध मानते हुए उसे मेडिसिन विभाग में भर्ती भी किया गया था। बाद में उसके किडनी व लिवर फंक्शन बंद हो गए। आईसीयू में भी उसके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो रहा था और वह कोमा की हालत में थी।

परिजनों ने बताया कि महिला को दिवाली के दौरान तेज बुखार था। ऐसे में परिजनों ने बारां जिले के कवाई सालपुरा में उसे दिखाया था, जहां चिकित्सक ने उसका उपचार किया और बाद में बारां भेज दिया। बारां में भी परिजनों ने सरकारी अस्पताल में दिखाया, जिसके बाद उन्हें कोटा के लिए रेफर कर दिया गया, लेकिन परिजन उसे बारां के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। वहां दिखाने के बाद वहां से भी कोटा रेफर कर दिया गया। ऐसे में 11 नवंबर की रात एमबीएस अस्पताल में उसे भर्ती किया गया, जहां से वह बिना बताए 12 नवंबर को चली गई और कुछ घंटे बाद मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पहुंची, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कोटा के सहायक औषधि नियंत्रक प्रहलाद मीणा ने बताया कि अस्पताल से 13 तरह की दवाईयों के 14 नमूने लिए गए थे, जिनमें इंजेक्शन और फ्लूइड दोनों थे। इन नमूनों में एंटीबायोटिक, एलर्जी, बुखार, एसिडिटी, ब्लीडिंग रोकने और प्रसव के दौरान उपयोग होने वाली दवाईयां शामिल थीं। सभी टेस्ट रिपोर्ट में पास हो गई हैं।

प्रहलाद मीणा ने बताया कि इससे पहले मई महीने में प्रकरण सामने आने के बाद 37 नमूने लिए गए थे, जिसमें 30 इंजेक्शन, फ्लूइड और दवाइयां थीं, जबकि 7 मेडिकल डिवाईसेज की रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। दवा के 30 नमूनों की रिपोर्ट आ गई थी, जिनमें 29 पास हो गए, जबकि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन फेल हो गया था।

भीलवाड़ा में कथित तौर पर इंजेक्शन लगाने के बाद कॉलेज छात्रा की मौत

परिजनों का आरोप है कि एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा गलत इंजेक्शन लगाया गया था

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां कथित तौर पर एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा गलत और लापरवाहीपूर्वक इंजेक्शन लगाए जाने से 17 वर्षीय कॉलेज छात्रा की मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने जिला कलैक्टर को

- **मृतका के परिजनों ने कलैक्टर को परिवाद सौंपकर आरोपी मेडिकल संचालक के खिलाफ हत्या के समान धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की**



उग्र भीड़ में शामिल लोगों ने मेडिकल स्टोर पर पथराव करते हुए आगजनी की घटना को अंजाम दिया।



मृतक छात्रा का फाइल फोटो।

परिवाद सौंपकर आरोपी मेडिकल संचालक के खिलाफ हत्या के समान धाराओं में मामला दर्ज करने और उसका लाइसेंस निरस्त करने की पुरजोर मांग की है।

प्रार्थी राजेश मेहता पुत्र प्रकाशचंद मेहता निवासी सुभाषनगर, भीलवाड़ा ने जिला कलैक्टर को दी गई रिपोर्ट में बताया कि उनकी 17 वर्षीय भतीजी प्राची मेहता पुत्री राकेश मेहता कॉलेज में अध्ययनरत थी। गत 11 नवंबर को प्राची को हल्की बुखार की शिकायत होने पर वे उसे शाम करीब 5 बजे सुभाषनगर डिस्पेंसरी ले गए थे, लेकिन डिस्पेंसरी बंद मिलने के कारण वे पास ही स्थित लव-कुश मेडिकल स्टोर पर दवा लेने गए। परिवाद के अनुसार, मेडिकल संचालक रामप्रसाद शर्मा ने गोली देने से इनकार करते हुए कहा कि "गोली से आराम मिलने में टाइम लगेगा, मैं बच्ची के इंजेक्शन लगा देता हूँ, तुरंत आराम मिल जाएगा।" परिजनों के बार-बार मना करने और केवल गोली मांगने के बावजूद, संचालक ने उन्हें विश्वास में लेकर प्राची के इंजेक्शन लगा दिया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद प्राची के कूल्हे पर सूजन आ गई, तेज दर्द होने लगा और लगातार बेचैनी बढ़ने लगी। अगले दिन 12 नवंबर शाम को परिजन उसे रामस्नेही हॉस्पिटल ले गए, जहाँ से दवा देकर घर भेज दिया गया, लेकिन रात करीब 12 बजे प्राची के पैर में सूजन और कालापन तेजी से बढ़ने लगा। दोबारा रामस्नेही अस्पताल दिखाने पर फिर से केवल दवा देकर घर भेज दिया गया। हालात लगातार गंभीर होने पर 13 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे प्राची को पुन: रामस्नेही अस्पताल दिखाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उदयपुर के गीतांजली हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया।

परिजन उसे एम्बुलेंस से लेकर दोपहर करीब दो बजे गीतांजली अस्पताल पहुँचे, जहाँ इलाज के दौरान शाम करीब चार बजे प्राची ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि आज से दो-तीन वर्ष पूर्व भी इसी मेडिकल संचालक रामप्रसाद शर्मा द्वारा सुभाषनगर (मलाण) निवासी राजू बलाई को गलत इंजेक्शन लगाने के कारण उनकी भी मौत हो गई थी। आरोप है कि उस समय भी वह खुद को भाजपा का वरिष्ठ कार्यकर्ता बताकर कानूनी कार्रवाई से बच निकला था, जिससे उसके हौसले बुलंद हैं। पीड़ित परिवार ने सवाल उठाया है कि जब किसी भी मेडिकल संचालक को बिना किसी डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन (स्लीप) के इंजेक्शन लगाने का कोई अधिकार नहीं है, तो ऐसे अयोग्य व्यक्ति खुलेआम मरीजों की जान से क्यों खिलवाड़ कर रहे हैं? परिजनों ने जिला प्रशासन से तत्काल प्रभाव से लव-कुश मेडिकल का लाइसेंस रद्द करने और आरोपी रामप्रसाद शर्मा के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। आक्रोशित भीड़ में कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया और देखते ही देखते उग्र भीड़ में शामिल लोगों ने मेडिकल स्टोर पर पथराव करते हुए आगजनी की घटना को अंजाम दिया, जिसके बाद मौके पर गहमागहमी का माहौल हो गया और पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए भीड़ को मौके से खदेड़ दिया।

अजमेर के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत पर हंगामा

आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया

अजमेर, (निसं)। शहर के पंचशील क्षेत्र स्थित क्षेत्रपाल अस्पताल में उपचार के दौरान एक महिला मरीज की मौत के बाद शनिवार को जमकर हंगामा हो गया। महिला की मौत से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर उपचार में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। घटना की जानकारी मिलने पर किशनगढ़ से वार्ड पार्षद सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और रिश्तेदार भी अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने मृतका के परिजनों को न्याय दिलाने की मांग करते हुए अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हंगामे और विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलते ही सिविल लाइंस थाना प्रभारी शंभू सिंह पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं कृष्णगंज थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची।

- **सीसीटीवी फुटेज दिखाने और उच्चस्तरीय जांच की मांग पर अड़े परिजन, दोषी चिकित्सक व नर्सिंगकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की**

पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों से बातचीत कर समझाइश का प्रयास किया, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े रहे।

परिजनों का कहना है कि महिला की मौत के पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए। इसके साथ ही उपचार के दौरान अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज उन्हें दिखाई जाए, ताकि घटना की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। परिजनों ने उपचार में लापरवाही बरतने के आरोप में संबंधित चिकित्सक और नर्सिंग कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की।

दूसरी ओर क्षेत्रपाल अस्पताल के चिकित्सक ने परिजनों की ओर से लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताते हुए अस्पताल की ओर से किसी भी तरह की लापरवाही किए जाने से इनकार किया। चिकित्सक का कहना है कि उपचार में अस्पताल की कोई लापरवाही नहीं हुई है। देर शाम तक तक पुलिस अधिकारी मृतका सुमित्रा देवी के परिजनों से समझाइश कर रहे थे। वहीं परिजन जांच और कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए थे।

मूंगफली प्रोसेसिंग की फैक्टरी से 250 क्विंटल माल चोरी

सीकर, (निसं)। सीकर में मूंगफली प्रोसेसिंग की फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारियों ने 250 क्विंटल माल चोरी कर लिया। मालिक के फैक्टरी में नहीं आने पर कर्मचारियों ने इसका फायदा उठाया। अब मालिक ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया गया है।

- **मालिक के फैक्टरी में नहीं आने पर कर्मचारियों ने इसका फायदा उठाया, मामला दर्ज**

सांगलिया निवासी रमेश कुमार मिश्रा (61) ने सदर पुलिस थाने में शिकायत देकर बताया कि मेरी सीकर में नाथावतपुरा के पास गोपाल फूड एग्रो के नाम से मूंगफली प्रोसेस की फैक्टरी है।

मां के बीमार रहने और देहांत होने के कारण पिछले 2 महीने से फैक्टरी पर जाना कम कर दिया था। इसका फायदा उठाकर फैक्टरी पर मशीन ऑपरेटिंग का काम करने वाले सद्दाम, ठेकेदार रामस्वरूप, नरसीराम सहित 7-8 अन्य लोगों ने मिलकर फैक्टरी के सीसीटीवी कैमरे बंद करके मूंगफली को बेच दिया। अब फैक्टरी में रखे गए स्टॉक को देखा तो 250 क्विंटल माल कम मिला। इन लोगों के द्वारा कई बार में इस माल को गायब किया गया। सदर थाना पवन कुमार चौबे का कहना है कि मामले में तीनों लोगों को डिटेन किया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है।

हैड कांस्टेबल ने नहर में डूब रहे युवक की जान बचाई

कोटा, (निसं)। शहर के बोरखेड़ा थाने में तैनात हैड कांस्टेबल द्वारा शुक्रवार रात्रि को जान पर खेलकर नहर में डूब रहे युवक की जान बचाने का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि बोरखेड़ा इलाके के स्टील ब्रिज के नजदीक युवक के नहर में डूबने की सूचना पर मौके पर पहुंचे हैड कांस्टेबल राजाराम ने त्वरित कार्रवाई एवं साहस का परिचय देते हुए चंबल की दांई मुख्य नहर में छलांग लगा दी एवं डूब रहे युवक को बाहर निकाला।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि बोरखेड़ा थाने पर परिवादी कमलजीत सिंह बरार ने सूचना दी कि उनके परिजन राजा सिंह बरार (36) सुबह कार से घर से गुमानपुरा जाने की कहकर निकले थे, लेकिन वे वहां नहीं पहुंचे और दोपहर से उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। शहर एसपी ने बताया कि परिवादी की सूचना पर पुलिस टीम ने गुमशुदा की तलाश हेतु कंट्रोल रूम के माध्यम से जिले के समस्त थानों को सूचित कर सघन तलाश शुरू की, शहर एसपी ने बताया कि मामले में परिवादी ने शुक्रवार देर रात्रि को पुलिस को सूचना दी कि राजा सिंह बरार स्टील ब्रिज के समीप चंबल की दाई मुख्य नहर में तेज बहाव मे बहता हुआ नजर आया है, सूचना मिलते ही थाना बोरखेड़ा की चेतक पर तैनात प्रभारी हेड कांस्टेबल राजाराम जिनकी लोकेशन स्टील ब्रिज के पास ही थी, बिना कोई समय गंवाए तत्काल मौके पर पहुंचे, जहाँ राजा सिंह बरार नहर के तेज बहाव में बहते हुए नजर आया, मौके पर काफी अंधेरा था उसके बाद भी हैड कांस्टेबल राजाराम ने सीधे नहर के तेज पानी में छलांग लगा दी। कड़ी मशक्कत के बाद राजाराम ने बहते हुए युवक को नियंत्रित किया और थेगड़ा शिव मंदिर के पास नहर से बाहर निकाला।

नकदी और सामान चोरी

अजमेर, (निसं)। अजमेर शहर में कोतवाली थाना क्षेत्र के नया बाजार में बीती रात अज्ञात चोरों ने बादशाह बिल्डिंग के पास स्थित एक पान की केबिन को निशाना बनाते हुए हजारों रुपए की नकदी और महंगी सिगरेट के पैकेट चोरी कर लिए। सुबह जब दुकानदार केबिन पर पहुंचा तो चोरी की वारदात का पता चला। दुकानदार ने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। दुकानदार का कहना है कि जिस स्थान पर केबिन लगी हुई है, उसके आसपास सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं। इसके बावजूद चोरों का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

चार किलो अफीम जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत् केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) टीम ने सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 4.317 किलोग्राम अवैध अफीम जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति अजमेर जिले के बांदनवाड़ा में नेशनल हाइवे-48 पर स्थित फतेह इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास मोटरसाइकिलों के जरिए अवैध अफीम ले जाने वाले हैं। सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो जयपुर के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके पर रवाना किया गया। टीम ने कड़ी निगरानी के बाद, संदिग्ध मोटरसाईकिलों और व्यक्तियों की पहचान की और उन्हें अजमेर जिले के बांदनवाड़ा में नेशनल हाइवे-48 पर स्थित पेट्रोल पंप के पास रोक लिया गया। मौके पर मौजूद टीम ने तलाशी ली तो तलाशी के दौरान 3 पॉलीथीन पैकेटों में छिपाकर रखी गई 4.317 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। टीम ने मौके पर मौके पर मिले अवैध मादक पदार्थ व मोटरसाईकिलों को जब्त किया, साथ ही एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, प्रकरण में आगे की जांच जारी है।

मकान से 26 किलो अवैध डोडा-पोस्त बरामद

जोधपुर, (कासं)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जोधपुर पश्चिम की डीएसटी और झंवर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हेमनगर जोलियाली निवासी एक व्यक्ति के मकान से 25 किलो 970 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने मौके से आरोपी बुधाराम (50) पुत्र खिंयाराम विश्नोई (बेनीवाल) को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को झंवर थाना पुलिस की टीम गश्त पर थी। इस बीच डीएसटी पश्चिम के प्रभारी महादेव प्रसाद ने सूचना दी कि हेमनगर जोलियाली निवासी बुधाराम के मकान में अवैध डोडा-पोस्त रखा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल आरोपी के मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान वहां से 25.970 किलो डोडा-पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

युवक का शव पानी में मिला

उदयपुर, (कास)। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह सोम नदी में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जवास स्थित सोम नदी में शव देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही खेरवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाया। इसके बाद खेरवाड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की मोर्चरी में रखवाया। खेरवाड़ा थानाधिकारी मनमंथ आढ़ा ने बताया कि यह शव का पहचान सामितेड निवासी नारायण मीणा के रूप में हुई। मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ के बाद मृतक की पहचान कर उसके परिवार वालों को घटना की जानकारी दी गई है। पुलिस ने बताया कि मृतक नारायण मीणा का घर सोम नदी के पास ही स्थित है।

चिराना फायरिंग कांड में प्रयुक्त पिस्टल बरामद

गोठड़ा/ झुंझुनूं, (निसं)। जिले के गोठड़ा थाना क्षेत्र के चिराना गांव में फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में गोठड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वारदात में प्रयुक्त देशी पिस्टल बरामद कर जब्त की है। पुलिस ने यह हथियार प्रकरण में नामजद आरोपी किशाल उर्फ विशाल की निशानदेही पर बरामद किया। इस कार्रवाई से मामले में अनुसंधान के दौरान एक साक्ष्य जुटाया गया है।

झुंझुनूं जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में गोठड़ा थानाधिकारी प्रेमप्रकाश के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 8 फरवरी 2024 को परिवादी मनोज कुमार कल्याण ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि शाम करीब आठ बजे वह अपने भतीजे के बुक डिपो पर बैठा हुआ था। इसी दौरान किशाल और मोहित वहां पहुंचे तथा उसके साथ बहस करने लगे। इसी बीच किशाल ने उस पर फायरिंग कर दी। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया था। प्रकरण के अनुसंधान के दौरान गोठड़ा थानाधिकारी प्रेमप्रकाश के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने एफआईआर में नामजद एवं घटना में शामिल आरोपी किशाल उर्फ विशाल पुत्र बल्लूराम की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त देशी पिस्टल बरामद कर जब्त की।

दिव्यांग जोनल मजिस्ट्रेट रामप्रसाद जांगिड़ निभा रहे लोकतंत्र का फर्ज

जयपुर। हौसले बुलंद हों तो शारीरिक चुनौतियां भी कर्तव्य के रास्ते में बाधा नहीं बन सकतीं। इसका जीवंत उदाहरण पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के दौरान पंचायत समिति मसूदा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, शिखरानी स्थित मतदान केंद्र पर देखने को मिला। यहां जोनल मजिस्ट्रेट रामप्रसाद जांगिड़ अपने दाहिने हाथ से दिव्यांग होने के बावजूद पूरे उत्साह, सजगता और जिम्मेदारी के साथ निर्वाचन संबंधी दायित्वों का निर्वहन करते नजर आए।



रामप्रसाद जांगिड़ ने शारीरिक चुनौती के बावजूद मतदान केंद्र पर पूरी मुस्तैदी से व्यवस्थायें संभाली।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलैक्टर कमल राम मीना के निर्देशन में ब्यावर जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन तंत्र पूरी मुस्तैदी से जुटा हुआ है। जिला कलक्टर द्वारा निर्धारित व्यवस्थाओं और सतत निगरानी के बीच जोनल मजिस्ट्रेट रामप्रसाद जांगिड़ भी अपनी जिम्मेदारी पूरी प्रतिबद्धता से निभा रहे हैं।

बुजुर्ग मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं का बढ़ाया उत्साह, मतदान के लिए किया प्रेरित :-शिखरानी मतदान केंद्र पर जांगिड़ केवल व्यवस्थाओं की निगरानी तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मतदान के लिए पहुंच रहे बुजुर्ग मतदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित भी करते रहे। उनकी सक्रियता, सहज व्यवहार और कर्तव्य के प्रति समर्पण मतदान केंद्र पर विशेष रूप से दिखाई दिया।

जिला कलैक्टर कमल राम मीना के नेतृत्व एवं निर्देशन में जिले के निर्वाचन अधिकारी और कार्मिक मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहे हैं। इसी प्रतिबद्धता की एक प्रेरक तस्वीर रामप्रसाद जांगिड़ के रूप में सामने आई है, जो अपनी शारीरिक चुनौती को पीछे छोड़ निर्वाचन संबंधी जिम्मेदारियों का पूरी कर्मठता से निर्वहन कर रहे हैं। रामप्रसाद जांगिड़ की कार्यशैली यह दर्शाती है कि किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन उसकी शारीरिक सीमाओं से नहीं, बल्कि उसके संकल्प, समर्पण और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता से होना चाहिए। पंचायती राज आम चुनाव-2026 में उनका योगदान कर्तव्यनिष्ठा और समावेशी लोकतंत्र की भावना का प्रेरक उदाहरण है।

'पुष्कर में थार जीप चलाने पर सख्त कार्रवाई होगी, मुकदमा भी दर्ज होगा'

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में आगामी मेले एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए शनिवार को उपखंड अधिकारी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय व्यापारी, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता उपखंड अधिकारी गुरुप्रसाद तंवर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण लालचंद कयाल ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि पुष्कर में थार जीपों के संचालन पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी। यदि कोई थार जीप चलाते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ विशेष कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि थार जीपों के कारण पशु बिदक रहे हैं और कई लोग घायल भी हो चुके हैं।



पुष्कर में आगामी मेले एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए एसडीएम और अति. पुलिस अधीक्षक ने बैठक ली।

- **अधिकारियों ने बताया कि थार जीपों के कारण पशु बिदक रहे हैं और कई लोग घायल भी हो चुके हैं**

बैठक में बाजारों में बढ़ते अतिक्रमण को लेकर भी चर्चा हुई। प्रशासन ने स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों से अतिक्रमण हटाने में सहयोग मांगा, जिस पर उपस्थित लोगों ने पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर ने प्रवेश-पत्रों को लेकर स्पष्ट किया कि जिन लोगों को वास्तव में आवश्यकता है, वे ही प्रवेश-पत्र के लिए आवेदन करें। अनावश्यक रूप से प्रवेश-पत्र नहीं लिए जाएं, क्योंकि भीड़ के दौरान वैसे भी चार पहिया वाहनों का संचालन संभव नहीं होता। उन्होंने बताया कि अजमेर से आने वाले प्रशासन एवं पुलिस के सभी वाहन देवनगर पार्किंग में खड़े किए जाएंगे।

सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर ने शहर में जगह-जगह सूचना पट्ट लगाने की मांग रखी। इस पर नगर परिषद आयुक्त रेखा जेसवानी ने दो दिन में सूचना पट्ट लगवाने का आश्वासन दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण लालचंद कयाल ने आयुक्त से ब्रह्मा मंदिर के आसपास हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए एक चलती-फिरती निगरानी गाड़ी तैनात करने की बात कही। साथ ही पुष्कर थाना अधिकारी को निर्देश दिए कि अतिक्रमण करने वाले लोग नहीं मानें तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को परेशानी नहीं हो। उन्होंने ब्रह्मा मंदिर के सामने मेज-कुर्सियां लगाकर प्रसाद बेचने पर रोक लगाने तथा मंदिर की दीवारों को नुकसान पहुंचाने वाले बिंदी विक्रेताओं पर भी कार्रवाई करने की बात कही।

बैठक में तीर्थ पुरोहित संघ की ओर से पुलिसकर्मियों एवं कर्मचारियों को जूते-चप्पल उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया, ताकि घाटों के किनारे जूते पहनकर जाने की समस्या का समाधान हो सके। इस विषय पर अभी चर्चा जारी है। बैठक में पूर्व पार्षद महेश पाराशर, सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर, पवन पाठक, घीसूलाल पाराशर, विकास पाराशर, कमल अग्रवाल, जीप सफारी संघ अध्यक्ष, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष रघु पारीक, दिलीप शर्मा, कन्हैया पाराशर, संदीप छीपा सहित कई व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

चेतक एक्सप्रेस में लावारिस ट्रॉली बैग में दस किलो डोडा-चूरा मिला

अजमेर, (निसं)। अजमेर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी का मामला सामने आया है। गाड़ी संख्या 20474 चेतक एक्सप्रेस में लावारिस हालत में मिले एक ट्रॉली बैग से 10 किलो 100 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया गया है। बैग में मादक पदार्थ मिलने के बाद रेलवे सुरक्षा व्यवस्था और ट्रेनों में तस्करी की गतिविधियों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि तस्कर पुलिस की मौजूदगी और जांच के डर से मादक पदार्थ से भरा बैग ट्रेन में ही छोड़कर फरार हो गया। फिलहाल बैग किस यात्री का था और मादक पदार्थ कहां से लाया गया था, इसका पता नहीं चल पाया है। जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पुलिस को देखकर तस्कर के बैग छोड़कर फरार होने की आशंका**

जानकारी के अनुसार अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर उपनिरीक्षक शुभम ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान गाड़ी संख्या 20474 चेतक एक्सप्रेस के एस्कॉर्टिंग स्टाफ के हैड कांस्टेबल मनीष कुमार तिवाड़ी ने उन्हें एक कॉफी रंग का ट्रॉली बैग सौंपा। हैड कांस्टेबल ने बताया कि ट्रेन में एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के दौरान नसीराबाद और अजमेर रेलवे स्टेशन के बीच एस-7 कोच की गैलरी में यह बैग लावारिस हालत में पड़ा मिला था। काफी देर तक बैग के मालिक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिलने और उसकी स्थिति संदिग्ध लगने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने संदिग्ध ट्रॉली बैग को अपने कब्जे में लेकर उसकी चेन खोलकर तलाशी ली तो अंदर मादक पदार्थ बरामद हुआ। जांच में बैग से डोडा-चूरा मिला। बैग में रखी सामग्री का कुल वजन 12 किलो 950 ग्राम बताया गया, जिसमें डोडा-चूरा का वजन 10 किलो 100 ग्राम पाया गया। मादक पदार्थ को इस तरह बैग में रखकर ट्रेन के कोच में छोड़ने की घटना से आशंका है कि कोई व्यक्ति इसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की फिराक में था।

पुलिस के अनुसार अज्ञात व्यक्ति बिना किसी वैध लाइसेंस और अनुमति के डोडा-चूरा लेकर यात्रा कर रहा था। एस्कॉर्टिंग स्टाफ की नजर बैग पर पड़ने और पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद आरोपी बैग को छोड़कर फरार हो गया। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बैग किसने ट्रेन में रखा था और उसका गंतव्य कहां था। घटना के बाद राजकीय रेलवे पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बैग किस यात्री का था और चेतक एक्सप्रेस में इसे किस स्थान से रखा गया था। साथ ही तस्करी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पेट्रोकेमिकल जोन में 3 माह में भूखंड आवंटन, 6 माह में शुरू हों औद्योगिक इकाइयां : मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा ने बालोतरा में निवेशकों की बैठक आयोजित कर निवेश आकर्षित करने के निर्देश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन प्रदेश में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और राजस्व अर्जन का प्रमुख केंद्र बन रहा है। इसके सुनियोजित विकास से प्रदेश में निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी तीन माह में औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाए तथा आवंटन के छह माह

- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि रिफाइनरी के उप-उत्पाद रियायती दरों पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाए

के भीतर संबंधित औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और संचालन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री शनिवार को राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन के विकास, औद्योगिक निवेश और उपलब्ध संभावनाओं को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भूखंड आवंटन केवल औपचारिकता नहीं रहे, बल्कि वहां निर्धारित समय में वास्तविक औद्योगिक गतिविधियां शुरू होनी चाहिए। शेष उपलब्ध भूखंडों का शीघ्र नीलामी के माध्यम से आवंटन करने तथा भूखंड



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन के विकास, औद्योगिक निवेश और उपलब्ध संभावनाओं को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली।

मिलने के बावजूद औद्योगिक गतिविधियां शुरू नहीं करने वाले आवंटियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

रिफाइनरी के उत्पादों का प्रदेश में उपयोग हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि रिफाइनरी से प्राप्त होने वाले पेट्रोकेमिकल उत्पादों का उपयोग प्रदेश की औद्योगिक इकाइयों में ही सुनिश्चित किया जाए। इससे स्थानीय उत्पादन बढ़ेगा और उद्योगों की लागत एवं आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होगी।

उन्होंने सीमेंट, पाइप सहित विभिन्न उत्पादों के निर्माण में पेट्रोकेमिकल उत्पादों के उपयोग की संभावनाओं का आकलन करने तथा वर्तमान मांग, उपभोग और भविष्य की जरूरतों का अध्ययन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय उद्यमियों के साथ बैठक कर उनकी आवश्यकताओं और सुझावों के आधार पर समस्याओं का समाधान करने को कहा, ताकि मजबूत औद्योगिक तंत्र विकसित हो सके।

निवेशकों को मिलेगा रियायती दरों पर बाय-प्रोडक्ट

मुख्यमंत्री ने बालोतरा में निवेशकों की बैठक आयोजित कर अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिफाइनरी अधिकारियों को स्थानीय स्तर पर इकाइयां स्थापित करने वाले निवेशकों को रिफाइनरी के उप-उत्पाद रियायती दरों पर उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। साथ ही राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना और प्लग एंड प्ले सहित अन्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा निवेशकों की समस्याओं का समाधान करने पर जोर दिया।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा सहित निवेश संवर्धन ब्यूरो, राजस्थान औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम, उद्योग विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव स्व. ए.वी. सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की जल संसाधन मंत्री रावत ने

स्वर्गीय ए.वी.सिंह राजस्थान के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार के ससुर थे

जयपुर (कासं)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव एवं पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त स्वर्गीय ए.वी. सिंह की स्मृति में शनिवार को भोपाल स्थित आईएएस मेस, चार इमली में तीये की बैठक हुई। इस अवसर पर राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने स्वर्गीय सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

ज्ञात रहे कि स्वर्गीय ए.वी. सिंह, राजस्थान के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार के ससुर थे। स्व. ए.वी. सिंह का जन्म 22 अक्टूबर 1944 को हुआ था तथा 11 नवंबर 2026 को उनका निधन हुआ। वे मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव एवं राज्य निर्वाचन आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे।

श्रद्धांजलि सभा में प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों, पूर्व मुख्य सचिवों, मित्र- परिजनों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने स्वर्गीय सिंह के साथ बिताए अपने अनुभव साझा किए और उनके व्यक्तित्व, कार्यशैली, प्रशासनिक दक्षता, सरल स्वभाव तथा जीवन के प्रेरणादायी प्रसंगों को याद किया।

इस अवसर पर धीरज माथुर, पूर्व मुख्य सचिव शरद बेहार, रंजना चौधरी, अशोक 'छोटू' नोरोन्हा, प्रदीप बैजल, ए.के. अग्रवाल, स्नेहलता श्रीवास्तव ने कविता के माध्यम से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। राजिंदर सिंह 'लालजी', रफू मियां, अरविंद खरे, पूर्व मुख्य सचिव बी.पी. सिंह, मध्यप्रदेश आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष मनु श्रीवास्तव, डॉ. वसुंधरा सिंह, टी.सी.ए. राघवन, स्वराज पुरी, अरुणेश्वर सिंहदेव तथा वरिष्ठ पत्रकार अभिलाष खांडेकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंतिम वक्ता के रूप में अंजलि सिंह ने परिवार की ओर से भावपूर्ण विचार व्यक्त करते हुए स्वर्गीय सिंह के जीवन से जुड़े संस्मरण साझा किए।

एसएमएस अस्पताल में दवा, जांच और ब्लड सैंपल की सुविधाएं एक ही जगह मिलेंगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में अब ओपीडी मरीजों को दवाइयां लेने,जांचों का बिल बनवाने और ब्लड सैंपल देने के लिए अलग-अलग जगह नहीं भटकना पड़ेगा। अस्पताल परिसर में इन सभी सुविधाओं के लिए एक समर्पित भवन बनाया जा रहा है। इसमें 13 विंडो और 30 बिल काउंटर होंगे। यह सुविधा मार्च 2027 से शुरू करने की तैयारी है।

- मार्च 2027 से शुरू होगी सुविधा, नई बिल्डिंग में बनेंगी 13 विंडो और 30 बिल काउंटर

नई बिल्डिंग धन्वंतरी ओपीडी ब्लॉक के पास बनाई जा रही है। इससे मरीज डॉक्टर को दिखाने के बाद सीधे इस भवन में पहुंच सकेंगे। यहां जांचों का बिल बनवाने, ब्लड सैंपल देने और दवाइयां लेने की सुविधा एक ही जगह मिलेगी। सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद मरीज आसानी से घर जा सकेंगे।

एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने बताया कि वर्तमान में धन्वंतरी ओपीडी में डॉक्टर को दिखाने के बाद मरीजों को जांचों का बिल बनवाने और ब्लड सैंपल देने के लिए अलग-अलग जगह जाना पड़ता है। इससे उन्हें काफी समय लगता है और जानकारी के लिए इधर-उधर पूछताछ करनी पड़ती है। नई व्यवस्था शुरू होने से मरीजों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं मिलेंगी और अस्पताल के चक्कर भी कम लगाने पड़ेंगे। जोशी ने बताया कि नई बिल्डिंग में दवाइयों के वितरण के लिए दो अलग-अलग फ्लोर पर बड़े डीडीसी सेंटर बनाए जाएंगे। प्रत्येक डीडीसी सेंटर पर 15 विंडो होंगी, जहां से मरीजों को विभिन्न प्रकार की दवाइयां उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

वर्तमान में न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, जनरल मेडिसिन और ऑर्थोपेडिक्स सहित अलग-अलग विभागों की दवाइयों के लिए अलग-अलग डीडीसी सेंटर संचालित हैं। नई व्यवस्था से दवा वितरण सहित जांच और ब्लड सैंपल की प्रक्रिया को एक ही परिसर में व्यवस्थित किया जा सकेगा।

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले में सीबीआई ने सात राज्यों के 33 ठिकानों पर छापे मारे

सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में मिले सुरागों पर सीबीआई ने एक्शन लिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सात राज्यों के 33 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। सीबीआई की टीमें अमृतसर, दिल्ली, नागौर, धौलपुर, भोपाल, रायपुर और दुर्ग सहित कई शहरों में तलाशी अभियान चला रही हैं। इसके अलावा इंदौर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, मुंबई और नागपुर में भी दबिश दी गई है। जांच एजेंसी की टीमें महादेव एप से जुड़े लोगों, उनके ठिकानों

- कई जगहों पर सट्टेबाजी के पैनल बंद कराए, डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज जब्त

और संदिग्ध गतिविधियों के संबंध में साक्ष्य जुटा रही हैं। ओमान से प्रत्यर्पित होकर भारत लाए गए मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में मिली जानकारियों और सुरागों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। इसे महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप के खिलाफ सीबीआई की अब तक की बड़ी कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है। छापेमारी के दौरान कई स्थानों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के पैनल संचालित मिले। सीबीआई ने इन्हें बंद कराया। मौके से डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन और आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। शुरुआती जांच में इन दस्तावेजों से म्यूल बैंक खातों और हवाला नेटवर्क के जरिए पैसों के लेन-देन से जुड़े सुराग मिलने की बात सामने आई है।गौरतलब है कि सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद सीबीआई ने 1 नवंबर 2026 को गिरफ्तार किया था।

रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत ने उसे आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। पूछताछ के दौरान महादेव एप के संचालन और भारत में फैले पैनल ऑपरेटरों के नेटवर्क से जुड़ी अहम जानकारियां मिलने की बात कही गई है। फिलहाल सीबीआई की छापेमारी जारी है। कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

सूने मकान से 3.50 लाख रु. और गहने चोरी

जयपुर। नारायण विहार थाना इलाके में दीपावली पर सूने मकान को निशाना बनाकर बदमाश लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहने और 3.50 लाख रुपए नकद चोरी कर ले गए। स्विफ्ट कार से आए तीन-चार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि मांग्यावास स्थित ज्योति विहार निवासी अरुण झालानी (34) ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। परिवादी दीपावली के त्योहार पर जयपुर से बाहर रिश्तेदारों के यहां गए हुए थे। इसी दौरान बदमाशों ने उनके सूने मकान को निशाना बनाया और घर में रखे सोने-चांदी के गहने, सिक्के और 3.50 लाख रुपए नकद चोरी कर ली।



गुलाबी नगरी जयपुर में दिवाली का त्योहार व सर्दियों की छुट्टियां मनाने के लिए इन दिनों देशी-विदेशी पर्यटक आए हुए हैं। जहां एक तरफ जयपुर के तमाम पर्यटन स्थल ''पावणो'' से गुलजार हैं, वहीं दूसरी ओर शहर की सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम भी देखने को मिल रहा है। शनिवार को एम.आई.रोड पर सांगानेरी गेट से लेकर अजमेरी गेट और रामनिवास बाग की ओर जाने वाले मार्ग पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया, यहां लगी वाहनों की लंबी कतारों ने काफी देर तक यातायात व्यवस्था की परीक्षा ली। फोटो-राष्ट्रदूत

ड्राई फ्रूट्स के नाम पर बुजुर्ग से 3.29 लाख रुपए ठगे

जयपुर। जवाहर सर्किल इलाके में 63 वर्षीय बुजुर्ग के साथ ऑनलाइन साइबर ठगी का मामला सामने आया है। बुजुर्ग ने ड्राई फ्रूट्स का ऑर्डर दिया था। इसके बाद ठगों ने जीएसटी के नाम पर सामान अटकने और भुगतान वापस करने का झांसा देकर उन्हें पेमेंट रिक्वेस्ट भेजी। रिक्वेस्ट पर प्रक्रिया करते ही बुजुर्ग के एचडीएफसी बैंक खाते से 9 अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 3 लाख 29 हजार 987 रुपए निकाल लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी महेश चंद्र गुर्जर ने बताया कि पंचशील एन्क्लेव निवासी संजय मोजिस सैम्युल (63) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 5 नवंबर को उन्होंने श्रीराम ड्राई फ्रूट्स के व्हाट्सऐप नंबर पर संपर्क कर ड्राई फ्रूट्स का ऑर्डर दिया था। बताए गए तरीके से उन्होंने 4 हजार रुपए का भुगतान भी कर दिया। इसके दो दिन

- व्हाट्सऐप पर जीएसटी के नाम पर सामान अटकने का झांसा दिया

बाद व्हाट्सऐप कॉल के जरिए एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया। उसने बताया कि जीएसटी के कारण उनका सामान अटक गया है और वह भुगतान वापस करना चाहते हैं। विश्वास दिलाने के लिए आरोपी ने दो फर्जी स्क्रीनशॉट भी भेजे। इसके बाद बुजुर्ग के मोबाइल पर पेमेंट रिक्वेस्ट भेजी गई। बुजुर्ग ने जैसे ही रिक्वेस्ट पर प्रक्रिया की, उनके एचडीएफसी बैंक खाते से 9 अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 3,29,987 रुपए कट गए। खाते से बड़ी रकम निकलने पर उन्हें अपने साथ हुई साइबर ठगी का पता चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर व्हाट्सएप नंबर और बैंक खातों के लेनदेन के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

भ्रष्टाचार के मामले में जेडीए का प्रवर्तन अधिकारी बरी

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसीबी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए जयपुर विकास प्राधिकरण के तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी ललित कुमार पारीक को दोषमुक्त कर दिया है। जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की एकलपीठ ने यह आदेश ललित कुमार पारीक की अपील पर दिए। अदालत ने जांच में गंभीर खामियों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने में विफलता को आधार बनाते हुए एसीबी कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया है।

अदालत ने पाया कि डिजिटल वॉयस रिकॉर्डर को सील बंद अवस्था में नहीं रखा गया था। मालखाना प्रभारी और रिकॉर्डिंग तैयार करने वाले गवाहों ने स्वीकार किया कि डीवीआर खुली अवस्था में था और 25 जुलाई 2006 से पहले सीडी किस हालत में रही, इसकी कोई जानकारी नहीं थी। इसके अलावा भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-बी का अनिवार्य कानूनी प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत नहीं किया गया। एसीबी

- राजस्थान हाईकोर्ट ने एसीबी की कार्यशैली पर सवाल उठाए

अधिकारियों ने न तो परिवादी और न ही आरोपी के मोबाइल फोन या सिम कार्ड को जब्त किया और न ही कोई कॉल डिटेल रिकॉर्ड प्राप्त की। परिवादी की शिकायत की तारीख, रनिंग नोट्स, ट्रांसक्रिप्ट और चॉक एफआईआर की तारीखों और समय में भारी अंतर व विसंगतियां थीं। एसीबी अधिकारियों की ओर से गवाहों के बयान महीनों और साल भर की देरी से दर्ज किए गए, जिसका कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। इसके अलावा परिवादी शंकरलाल और सह-परिवादी नंदकिशोर ट्रायल के दौरान पूरी तरह पक्षद्रोही हो गए। उन्होंने स्वीकार किया कि एसीबी के दबाव में और दलाल मनोज शर्मा के इशारे पर झूठी कार्रवाई की गई थी। स्वतंत्र गवाहों ने भी कभी रिश्वत की मांग या पैसों के लेन-देन को अपनी आंखों से देखने या सुनने से इंकार किया। अदालत ने पाया कि अभियोजन स्वीकृति जारी करने वाले अधिकारी ने सभी बयानों और पत्रावलियों का बारीकी से अवलोकन किए बिना मात्र मशीनी अंदाज में स्वीकृति जारी कर दी।

मामले से जुड़े अधिवक्ता कपिल गुप्ता ने बताया कि परिवादी शंकर लाल ने 14 जुलाई, 2006 को एसीबी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा कि वह अपनी कृषि भूमि मे निर्माण करा रहा है। इस दौरान तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी ललित कुमार पारीक ने आकर काम रुकवा दिया और अगले दिन आकर रिश्वत मांगी।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने ललित कुमार पारीक को गिरफ्तार किया था। वहीं एसीबी कोर्ट ने 18 नवंबर, 2019 को उसे दो साल की सजा और बीस हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया था।

बाड़ेबंदी में प्रत्याशियों पर भी नजर रखेगी कांग्रेस, पाला बदलने की आशंका से अलर्ट

हर जिले से नियमित फीडबैक ले रहे नेता, प्रत्याशियों से मुलाकातों पर भी सख्ती बढ़ाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में जीत के बाद पार्टी प्रत्याशियों के पाला बदलने की आशंका को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी के जीते हुए प्रत्याशी दूसरे दलों के खेमे में नहीं चले जाएं, इसके लिए प्रदेश कांग्रेस के रणनीतिकारों ने अभी से व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। एक तरफ जहां पार्टी प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संगठन से जुड़े नेताओं की विशेष टीम प्रदेशभर के प्रत्येक जिले की चुनावी गतिविधियों पर नजर रख रही है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में तैनात यह टीम जिला स्तर पर नियुक्त किए गए पार्टी नेताओं से नियमित रूप से फीडबैक ले रही है। इसमें प्रत्याशियों

- बताया जा रहा है कि, जिन होटल और रिसॉर्ट में कांग्रेस प्रत्याशियों को ठहराया गया है, वहां बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। संबंधित होटल और रिसॉर्ट प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश हैं कि प्रत्याशियों से केवल अधिकृत व्यक्ति ही मुलाकात कर सकेंगे।

की गतिविधियों, बाड़ेबंदी की व्यवस्थाओं और विरोधी दलों के नेताओं की रणनीति से जुड़ी जानकारी जुटाई जा रही है। पार्टी की कोशिश है कि चुनाव परिणाम आने के बाद किसी भी स्थिति में उसके जीते हुए प्रत्याशी पाला बदलकर दूसरे दलों में शामिल न हों। इसके लिए बाड़ेबंदी में रह रहे प्रत्याशियों की दैनिक गतिविधियों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

जिन होटल और रिसॉर्ट में कांग्रेस प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी की गई है, वहां बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। संबंधित होटल और रिसॉर्ट प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्याशियों से केवल अधिकृत व्यक्ति ही मुलाकात कर सकेंगे। यहां तक कि प्रत्याशियों के नजदीकी परिजनों, रिश्तेदारों और परिचितों को भी मुलाकात से पहले अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। पार्टी किसी भी तरह की ऐसी गतिविधि की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहती, जिससे चुनाव परिणाम के बाद उसके प्रत्याशियों के खेमे में सेंध लग सके।प्रदेश कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक पार्टी के रणनीतिकार मानकर चल रहे हैं कि प्रदेश में सत्ता की चाबी भाजपा के पास है और भाजपा नगर निकाय चुनाव की तरह पंचायत राज चुनाव में भी अधिक से अधिक जिला प्रमुख और प्रधान बनाने के लिए पूरी ताकत लगाएगी। ऐसे में जिन जिलों में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलेगा, वहां भाजपा दूसरे दलों के जीते हुए प्रत्याशियों को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर सकती है। कांग्रेस नेतृत्व को आशंका है कि भाजपा की नजर उसके जीते हुए प्रत्याशियों पर भी हो सकती है। इसी संभावना को देखते हुए पार्टी ने बाड़ेबंदी और निगरानी की व्यवस्था को गंभीरता से लिया है।

प्रदेश कांग्रेस की ओर से सभी जिलों में पंचायत राज चुनाव की जिम्मेदारी संभाल रहे नेताओं को भी प्रत्याशियों के लगातार संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। जिन स्थानों पर प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी की गई है, वहां पार्टी के मौजूदा विधायक, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, जिलाध्यक्ष और संगठन के वरिष्ठ नेता नियमित रूप से उनसे संवाद कर रहे हैं। इन नेताओं के माध्यम से प्रत्याशियों को पार्टी की नीतियों, नियमों और सिद्धांतों की याद दिलाई जा रही है तथा हर हाल में पार्टी के साथ जुड़े रहने की सीख दी जा रही है। साथ ही उन्हें समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

कुल मिलाकर, पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में कांग्रेस केवल जीत की रणनीति ही नहीं बना रही, बल्कि चुनाव परिणाम के बाद अपने प्रत्याशियों को एकजुट रखने के लिए भी पूरी ताकत लगा रही है। प्रदेश कांग्रेस की यह निगरानी व्यवस्था अब पार्टी की चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बन गई है।

'44 लाख परिवार अब भी नल कनेक्शन के इंतजार में'

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन को लेकर राज्य की भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बजट में आंकड़ों की पाइपलाइन बिछा रही है, जबकि प्रदेश के 44 लाख परिवार आज भी नल कनेक्शन का इंतजार कर रहे हैं। गहलोत ने कहा कि मौजूदा रफ्तार से इन परिवारों तक पानी पहुंचाने में 30 साल से अधिक समय लग सकता है। गहलोत ने अपनी नई वीडियो सीरीज 'बजट फाइल्स' का पहला वीडियो जारी करते हुए जल जीवन मिशन के कामकाज की कांग्रेस और भाजपा सरकार के कार्यकाल से तुलना की। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस अंतर पर जवाब मांगा। गहलोत के अनुसार, अब हर शनिवार को एक वीडियो जारी किया जाएगा, जिसमें सरकार की किसी बड़ी बजट घोषणा को उठाकर पूछा जाएगा कि घोषणा के मुकाबले धरातल पर कितना काम हुआ है। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में एक साल में 13.88 लाख नल कनेक्शन दिए गए, जबकि भाजपा सरकार ने तीन साल में 12.95 लाख कनेक्शन दिए हैं।

कीमती सामान चोरी

जयपुर। मानसरोवर इलाके में सूने मकान को निशाना बनाकर तीन बदमाश चोरी की वारदात को अंजाम दे गए। बदमाश मकान की दीवार फांदकर अंदर घुसे और पानी की मोटर, पाइप, मशीन सहित कीमती सामान प्लास्टिक के कट्टों में भरकर ले गए।

पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मानसरोवर थाने में चोरी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार मानसरोवर निवासी सुमित भार्गव ने रिपोर्ट में बताया कि 10 नवंबर को परिवार बाहर था, पीछे से बदमाशों ने वारदात की।

गहलोत सरकार ने जल जीवन मिशन को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया : जलदाय मंत्री

जयपुर (कासं)। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से ''बजट फाइल्स'' नाम से जारी वीडियो पर पलटवार करते हुए कहा कि जिस जल जीवन मिशन में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ, आज उसी योजना पर गहलोत सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह तो ''नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली'' वाली कहावत को सिद्ध करने जैसा है।

- पिछली कांग्रेस सरकार ने कागजों में पाइपलाइनें बिछाई, बिना कनेक्शन टंकियां बनाई : मंत्री कन्हैयालाल चौधरी

चौधरी ने आरोप लगाया कि वर्ष 2018 से 2023 के दौरान जल जीवन मिशन में अनियमितताओं के कारण प्रदेश की छवि धूमिल हुई। कागजों में पाइपलाइन बिछाने, बिना कनेक्शन टंकियां बनाने और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों ने महत्वाकांक्षी योजना को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन जलदाय मंत्री को भी इस मामले में जेल जाना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना को कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था।

एक हजार करोड़ का बजट हुआ लैप्स

जलदाय मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार के समय योजना का एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का बजट लैप्स हो गया और निर्धारित समय सीमा भी समाप्त हो गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वयं दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से योजना की समय सीमा बढ़वाई तथा लैप्स हुए बजट का सदुपयोग सुनिश्चित कर योजना को गति दी। वर्तमान सरकार जल जीवन मिशन के कार्यों को तेजी से पूरा कर रही है और अब तक 15 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया जा चुका है। उन्होंने गहलोत से सवाल किया कि उनके कार्यकाल में पाइपलाइनें कागजों में क्यों बिछाई गईं, टंकियों को कनेक्शन क्यों नहीं दिए गए और योजना में भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई हुई।

जल आत्मनिर्भरता के लिए 26 हजार करोड़ के कार्यादेश

चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जल सुरक्षा और जल आत्मनिर्भरता के लिए बड़े कदम उठा रही है। राम जल सेतु लिंक परियोजना के तहत 26 हजार करोड़ रुपए के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। इसी प्रकार शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौते और किशाऊ बांध समझौते के माध्यम से प्रदेश के लिए अतिरिक्त जल उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने जल जीवन मिशन को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया, जबकि वर्तमान सरकार योजना को पटरी पर लाकर राजस्थान को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। कांग्रेस शासनकाल की हकीकत जनता जानती है और वीडियो जारी कर पूर्ववर्ती सरकार अपनी विफलताओं पर पर्दा नहीं डाल सकती।



इस हार को लेकर बहुत ज्यादा नहीं सोचना चाहिए। आप अपनी हार से हमेशा बहुत कुछ सीखते हैं, शायद जीत के मुकाबले भी ज्यादा। आपको वापस जाकर पूरी टीम के रूप में बातचीत करनी होती है। - **हैरी ब्रुक**

इंग्लैंड कप्तान, अपनी टीम की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



मोहित बर्मन

पंजाब किंग्स के सह मालिक मोहित बर्मन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का कार्यक्रम इतना लंबा होना चाहिए कि सभी 10 टीम एक-दूसरे के खिलाफ घरेलू और विरोधी टीम के मैदान पर मुकाबले खेल सकें। मौजूदा व्यवस्था में प्रत्येक टीम एक सत्र में लीग चरण के 14 मुकाबले खेलती है लेकिन सभी टीमों का एक-दूसरे से दो बार सामना नहीं होता। वर्ष 2028 से शुरू होने वाले मीडिया अधिकार चक्र में आईपीएल के मुकाबलों की संख्या 74 से बढ़कर 94 होने की संभावना है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम ने अपना पहला आधिकारिक टेस्ट मैच 25 जून 1932 को लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, अल्वी फरहान को हराया



कुमामोटो, 14 नवंबर। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान मास्टर्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। लक्ष्य ने एक घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना जापान के कोकी वतानाबे या पूर्व विश्व नंबर एक थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न में से किसी एक से होगा। 25 वर्षीय लक्ष्य के लिए यह जीत इस सत्र में उनकी शानदार वापसी का एक और प्रमाण है। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय टूर पर संघर्ष कर रहे लक्ष्य ने जर्मनी में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी लय हासिल की थी। उन्होंने हायलो ओपन के फाइनल में इंडोनेशिया के मौजूदा चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराकर इस सत्र का अपना पहला और करियर का सातवां खिताब जीता था।

गुजरात टाइटंस ने हर्षल पटेल को 4 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया



नई दिल्ली, 14 नवंबर। आईपीएल 2027 से पहले खिलाड़ियों की अदला-बदली का दौर तेज हो गया है। इसी बीच गुजरात टाइटंस ने अपने घरेलू राज्य के अनुभवी तेज गेंदबाज हर्षल पटेल को टीम में शामिल करने का फैसला किया है। सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच हर्षल को लेकर सहमति बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह सौदा पूरी तरह नकद आधार पर 4 करोड़ रुपये में होगा। इस तरह हर्षल एक बार फिर अपनी घरेलू टीम के लिए खेलते नजर आएंगे। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, सनराइजर्स हैदराबाद ने हर्षल पटेल को आईपीएल 2025 की बड़ी नीलामी में 8 करोड़ रुपये खर्च करके खरीदा था। अब गुजरात टाइटंस उन्हें इस रकम के आधे यानी 4 करोड़ रुपये में अपनी टीम का हिस्सा बनाने जा रही है। सौदा पूरा होने के बाद गुजरात के पास नीलामी के लिए उपलब्ध रकम में भी 4 करोड़ रुपये की कमी हो जाएगी।

आईएसपीएल के चौथे सत्र के लिए प्लेयर ऑक्शन आज, आठ फ्रेंचाइजी तैयार करेंगी अपनी टीमें

मुंबई, 14 नवंबर। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के चौथे सत्र के लिए खिलाड़ी नीलामी रविवार, 15 नवंबर को मुंबई में आयोजित की जाएगी। टेनिस बॉल से खेले जाने वाले इस टी10 टूर्नामेंट की आठों फ्रेंचाइजी आगामी सत्र के लिए अपनी टीमें तैयार करेंगी। नीलामी को लीग के चौथे सत्र की तैयारियों का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। नीलामी के दौरान आईएसपीएल की कोर समिति के सदस्यों के साथ कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार, क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर, मीनल अमोल काले और सूरज सामत मौजूद रहेंगे। इसके अलावा मुख्य चयनकर्ता जतिन परांजपे और प्रवीण आमरे भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। कोलकाता फ्रेंचाइजी टाइगर्स के सह-मालिक सैफ अली खान और करीना कपूर खान की भी मौजूदगी रहेगी। नीलामी में प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 1.5 करोड़ रुपये का बजट होगा। हर टीम को 18 खिलाड़ियों का दल तैयार करना होगा। टीम में आईएसपीएल के सभी आठ क्षेत्रों से कम से कम एक-एक खिलाड़ी और अंडर-19 वर्ग के कम से कम दो खिलाड़ियों को शामिल करना अनिवार्य होगा। वहीं, प्रत्येक मैच की अंतिम एकादश में कम से कम एक अंडर-19 खिलाड़ी और आईएसपीएल के चार अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले चार खिलाड़ी होने जरूरी हैं। नए नियमों के तहत हर फ्रेंचाइजी को अपनी टीम में इन सभी आठ क्षेत्रों से कम से कम एक खिलाड़ी रखना होगा। साथ ही, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को मैदान पर भी अवसरों में बदलने के लिए टीम में शामिल प्रत्येक क्षेत्रीय खिलाड़ी को लीग चरण के कम से कम एक मुकाबले में खेलना अनिवार्य होगा।

भारत ने पाक को एक विकेट से हराकर जीता अंडर-19 एशिया कप का खिताब

338 रन का लक्ष्य आखिरी ओवर में किया हासिल, मोहित उल्वा ने 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाकर दिलाई रोमांचक जीत

अल अमेरात (ओमान), 14 नवंबर। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने शनिवार को रोमांच की सारी हदें पार करते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर 2026 एसीसी पुरुष अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीत लिया। अल अमेरात क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए फाइनल में भारत ने 338 रन के विशाल लक्ष्य को आखिरी ओवर में हासिल किया। भारतीय टीम ने नौ विकेट पर 339 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया।

भारत की इस यादगार जीत में मोहित उल्वा और मनल चौहान ने अहम भूमिका निभाई। उल्वा ने दबाव के बीच 26 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 49 रन बनाए और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उनके साथ चिगुरुपति वेंकट ने आठ गेंदों पर नाबाद 11 रन बनाकर महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 337 रन बनाए। उस्मान खान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 111 गेंदों पर 107 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और तीन छक्के लगाए। अब्दुल कादिर ने 54 गेंदों पर 80 रन बनाकर तेजी से रन जोड़े। उनकी पारी में आठ छक्के और तीन चौके शामिल रहे।

पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ ने भी 60 गेंदों पर 63 रन का योगदान दिया, जबकि अहमद हुसैन ने 17 रन बनाए। भारत की ओर से काव्या पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 68 रन देकर चार विकेट हासिल किए। चिगुरुपति वेंकट ने तीन विकेट झटके।



338 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान लक्ष्य राजेश रायचंदानी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। उन्होंने 101 गेंदों पर 80 रन बनाए। आर्यवीर सहवाग ने 61 गेंदों पर 58 रन का योगदान दिया। मनल चौहान ने 32 गेंदों पर आक्रामक 47 रन बनाकर भारत की जीत की उम्मीदें कायम रखीं।

हालांकि, नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से भारतीय टीम दबाव में आ गई। ऐसे मुश्किल समय में मोहित उल्वा ने तेज बल्लेबाजी करते हुए मुकाबले का रुख बदल दिया। उन्होंने नाबाद 49 रन की पारी खेलकर भारत को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। चिगुरुपति वेंकट ने भी अंत तक उनका साथ दिया और भारत ने आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

पाकिस्तान की ओर से रिजवानुल्लाह ने तीन विकेट लिए, जबकि निकाब शफीक को दो विकेट मिले। इस जीत के साथ भारतीय युवा खिलाड़ियों ने बड़े दबाव वाले फाइनल में संयम और संघर्ष का शानदार प्रदर्शन करते हुए महाद्वीपीय खिताब अपने नाम कर लिया।

वैभव ने रचा इतिहास, बने पुरुष टी-20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान



इंदौर, 14 नवंबर। भारतीय क्रिकेट की उभरती प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 साल की उम्र में इतिहास रच दिया है। वह पुरुष टी20 क्रिकेट के इतिहास में कप्तानी करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। वैभव को जारी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में बिहार की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने शनिवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में सौराष्ट्र के खिलाफ एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में बिहार की कमान संभाली। बिहार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। वैभव ने इस उपलब्धि के साथ क्रोएशिया के जाक वुकुसिच का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वुकुसिच ने सात अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। इस सूची में पाकिस्तान के तैमूर अली भी शामिल हैं, जिन्होंने 2009 में घरेलू टी20 प्रतियोगिता में क्वेटा बीयर्स की कप्तानी 17 साल और 358 दिन की उम्र में की थी। इसके अलावा नॉमान अमजद ने जुलाई 2022 में चेक गणराज्य के खिलाफ फ्रांस की कप्तानी की थी। वहीं, लक्ष बड़ाकनिया ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी कर इस सूची में जगह बनाई।

भारत-न्यूजीलैंड : पांचवें एकदिवसीय मुकाबले में स्विंग के इम्तिहान से तय होगी श्रृंखला

नई दिल्ली, 14 नवंबर। भारतीय बल्लेबाज रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एकदिवसीय में स्विंग लेती गेंदों के सामने बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे क्योंकि इस मुकाबले से शृंखला का नतीजा भी तय होगा। भारत शुक्रवार को यहां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में अपनी दूसरी सबसे बड़ी हार झेलने के बावजूद शृंखला में 2-1 से आगे है। स्विंग और सीम की अनुकूल परिस्थितियों में भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह नाकाम रहे और मैट हेनरी ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट झटककर अपनी टीम की जीत लगभग सुनिश्चित कर दी। भारत को तेज गेंदबाजी की अनुकूल पिचों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में भी उसे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। पूरे बल्लेबाजी क्रम की नाकामी को देखते हुए किसी एक खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। हालांकि रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर पांच मैच की इस शृंखला में अब तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं।

अय्यर का कप्तान के रूप में पदार्पण भी निराशाजनक रहा। हेनरी की शानदार गेंद पर रोहित चकमा खा गए और स्लिप में कैच दे बैठे जबकि अय्यर तेज गति से अंदर की ओर आई गेंद पर पगबाधा हो गए। केवल एक प्रारूप में खेलने वाले रोहित और विराट कोहली के लिए यह मुकाबला न्यूजीलैंड के संभवत: अपने आखिरी दौरे पर दर्शकों का मनोरंजन करने का अंतिम मौका हो सकता है। शुक्रवार रात कोहली भी हेनरी की घातक गेंदबाजी का कोई जवाब नहीं दे सके। न्यूजीलैंड के 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम का 26.4 ओवर में 89 रन पर सिमट जाना मुख्य कोच गौतम गंभीर को बिल्कुल पसंद नहीं आया। गंभीर ने कहा, ''ये ऐसी परिस्थितियां हैं जो विश्व कप के दौरान मिलने वाली परिस्थितियों के सबसे करीब होंगी।

बड़ी चिंता रन बनाने की नहीं है बल्कि यह है कि हम कितनी जल्दी आउट हो गए। हम 26 या 27 ओवर में ही सिमट गए। यह हमेशा चिंता का विषय होता है।'' कप्तान अय्यर ने कहा कि दूसरी पारी में परिस्थितियां गेंदबाजों के काफी अनुकूल हो गई थीं लेकिन दोनों टीम के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर था। न्यूजीलैंड ने पिछले सात वर्षों से अपनी धरती पर कोई शृंखला नहीं गंवाई है और ऐसे में वह चोट खाए लेकिन मजबूत प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अपना यह रिकॉर्ड बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगाएगा।

टोटल चेस विश्व चैम्पियनशिप टूर : मार्टिरोस्यान ने कार्लसन को हराया, ग्रुप-सी में बनाई बढ़त

बुडापेस्ट (हंगरी), 14 नवंबर। अर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर हाइक मार्टिरोस्यान ने टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर के फास्ट क्लासिक ग्रुप चरण के तीसरे दिन बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। इस जीत के साथ मार्टिरोस्यान ग्रुप सी में 10 अंकों के साथ एकल बढ़त पर पहुंच गए। वहीं, एंड्रयू हांग ने ग्रुप ए के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा को हराकर उन्हें इस चरण की पहली हार का स्वाद चखाया। बुडापेस्ट में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में तीसरे दिन पांचवें और छठे दौर के मुकाबले हुए। कुल 24 मुकाबलों में 10 के नतीजे निकले। प्रत्येक खिलाड़ी को एक ही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दो मुकाबले खेलने थे, जिनमें दूसरे मुकाबले में रंग बदल दिए गए। जीत पर तीन और ड्रॉ पर एक अंक दिए जा रहे हैं। छह मुकाबलों के बाद चारों ग्रुप में अलग-अलग खिलाड़ी शीर्ष पर हैं। ग्रुप ए में फिरोजा 11 अंक, ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना 14 अंक, ग्रुप सी में मार्टिरोस्यान 10 अंक और ग्रुप डी में मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव 12 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। **कार्लसन को हराकर मार्टिरोस्यान ग्रुप सी में शीर्ष पर** - दिन का सबसे बड़ा मुकाबला ग्रुप सी में देखने को मिला, जहां हाइक मार्टिरोस्यान ने मैग्नस कार्लसन को हराकर उनकी लगातार चार ड्रॉ के बाद पहली हार दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए मार्टिरोस्यान ने आक्रामक स्थिति बनाई और लगातार दबाव बनाकर जीत हासिल की। वापसी का मुकाबला ड्रॉ रहा।

एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी में फिर ऊंचा स्तर स्थापित करने उतरेंगे : सलीमा



नई दिल्ली, 14 नवंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 में भी अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखेगी। तीन बार की चैंपियन यह टीम, इस साल शानदार प्रदर्शन करने के बाद अब अपने घरेलू मैदान पर अपना खिताब बचाने के लिए तैयार है।

भारत इस टूर्नामेंट में पिछले महीने जापान में हुए एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उतर रहा है। इससे पहले टीम ने एफआईएच नेशंस कप भी जीता था और एफआईएच वर्ल्ड कप में पांचवां स्थान हासिल किया था, जो 1974 के बाद से उनका अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। सलीमा का मानना है कि अलग-अलग टूर्नामेंटों में टीम के लगातार अच्छे प्रदर्शन ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है और एक ऐसा मानक स्थापित किया है, जिसे वे आगे भी बनाए रखना चाहती हैं।

हॉकी इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में सलीमा ने कहा, ''हमने हर टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन किया और जापान में एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक जीता। हमारी निरंतरता अच्छी रही है। हमने अपने लिए जो मानक तय किए हैं, हम उन्हें बनाए रखने और अपने प्रदर्शन के स्तर को और ऊंचा उठाने की कोशिश करेंगे।'' भोपाल में होने वाला यह टूर्नामेंट इस साल का आखिरी आयोजन है। कप्तान चाहती हैं कि खिलाड़ी उसी एकजुटता के साथ इस चुनौती का सामना करें, जो उनकी हालिया सफलताओं का मुख्य आधार रही है।

उन्होंने आगे कहा, ''यह हमारे लिए इस साल का आखिरी टूर्नामेंट है, इसलिए हम इसका आनंद लेने की कोशिश करेंगे और एक बार फिर दिखाएंगे कि हम एक-दूसरे पर कितना भरोसा और विश्वास करते हैं।''

एशियन गेम्स के फाइनल में भारत ने चीन को हराया था, और भोपाल में भी ये दोनों टीमें एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे सकती हैं। हालांकि, सलीमा ने साफ कर दिया है कि मेजबान टीम अपनी तैयारियों को विरोधियों के हिसाब से तय नहीं होने देगी। उन्होंने कहा, ''बेशक, चीन पूरी तैयारी के साथ आएगा, लेकिन हमारा ध्यान इस बात पर नहीं है कि हमारे विरोधी क्या कर रहे हैं। हम सिर्फ खुद पर, अपने खेल के ढांचे पर और कोच के निर्देशों का पालन करने पर ध्यान दे रहे हैं। संक्षेप में कहें तो, हम अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहते हैं।''

समलेश्वरी स्पोर्टिंग क्लब से भिड़ेगी राजस्थान यूनाइटेड एफसी

जयपुर, 14 नवंबर। राजस्थान यूनाइटेड एफसी (डेजर्ट वॉरियर्स) आईएफएल 2026-27 में अपने पहले अवे मुकाबले में 15 नवंबर को ओडिशा के राउरकेला स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में समलेश्वरी स्पोर्टिंग क्लब से भिड़ेगी। मुकाबला शाम 6:30 बजे शुरू होगा। शुरुआती दो घरेलू मैचों में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के बाद राजस्थान की टीम जीत के साथ वापसी करने और तीन अंक हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। मैच से पहले मुख्य कोच ज्यूसेप्पे क्रिस्टाल्डी ने कहा कि टीम का लक्ष्य हर मुकाबले में तीन अंक हासिल करना है और खिलाड़ी आखिरी सेकंड तक संघर्ष करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। खिलाड़ी क्रिस्टो कामाई ने भी बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में गुरनूर शामिल, कुलदीप बाहर

नई दिल्ली, 14 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। पुरुष चयन समिति ने तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टीम में शामिल किया है, जबकि कुलदीप यादव को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी भारतीय टेस्ट टीम के सदस्यों के साथ जुड़ गए हैं।



भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 19 नवंबर 2026 से वेलिंगटन में शुरू होगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के जून 2027 में होने वाले फाइनल की दौड़ के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में न्यूजीलैंड फिलहाल शीर्ष पर है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया भी अंक प्रतिशत के आधार पर उसके करीब हैं। भारत चौथे स्थान पर है और शीर्ष टीमों से कुछ पीछे चल रहा है। ऐसे में फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारतीय टीम को अपने बाकी बचे सात टेस्ट मैचों में से अधिकतर में जीत दर्ज करनी होगी। भारत का अभियान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के साथ समाप्त होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ संशोधित भारतीय टेस्ट टीम - शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और गुरनूर बरार।

मेसी के संन्यास के बाद पहले मुकाबले में हारा अर्जेंटीना, उरुग्वे ने 2-1 से दी शिकस्त

ब्यूनस आयर्स, 14 नवंबर। लियोनेल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास के बाद अपने पहले मुकाबले में अर्जेंटीना को हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए मैत्री मुकाबले में उरुग्वे ने अर्जेंटीना को 2-1 से शिकस्त दी। अर्जेंटीना की हार में डिफेंडर लियोनार्डो बालेरदी का आत्मघाती गोल और उरुग्वे के मिडफील्डर मैक्सी अराउजो का गोल निर्णायक साबित हुआ।

उरुग्वे के नए मुख्य कोच डिएगो फोर्लान के नेतृत्व में टीम की यह तीसरी जीत है। दूसरी ओर, 2026 विश्व कप की उपविजेता अर्जेंटीना मेसी की गैरमौजूदगी में लंबे समय तक उरुग्वे की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रही। लिसांद्रो मार्टिनेज ने हेडर से गेंद को बाहर करने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके साथी खिलाड़ी बालेरदी से टकराकर अपने ही गोल में चली गई। इसके बाद 53वें मिनट में डी अरास्काएटा ने कॉर्नर किक से उरुग्वे की बढ़त दोगुनी कर दी। गेंद अराउजो के कंधे से टकराकर ऊंची उछली और गोलपोस्ट में पहुंच गई।

अर्जेंटीना के लिए एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज ने 73वें मिनट में गोल कर वापसी की उम्मीद जगाई। इंजरी टाइम में भी उनके पास एक और अच्छा मौका आया, लेकिन उरुग्वे ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए मुकाबला 2-1 से जीत लिया।

जूनियर बॉल बैडमिंटन में जयपुर की बालिकाओं ने जीता कांस्य पदक



जयपुर, 14 नवंबर। श्रीगंगानगर के मांझूवास में आयोजित आठवीं जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता में जयपुर की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल किया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता का शनिवार को रोमांचक मुकाबलों के साथ समापन हुआ। बालक वर्ग में हनुमानगढ़ ने खिताब जीता, जबकि बालिका वर्ग में चूरू की टीम विजेता रही।

राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी ने बताया कि बालिका वर्ग के पहले सेमीफाइनल में चूरू ने जयपुर को 35-16 और 35-25 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में टोंक ने हनुमानगढ़ को 35-26 और 35-25 से पराजित किया। फाइनल में चूरू ने पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए टोंक को 31-35, 35-27 और 35-27 से हराकर खिताब अपने नाम किया। बालिका वर्ग में चूरू प्रथम, टोंक द्वितीय तथा जयपुर और हनुमानगढ़ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

हनुमानगढ़ ने ब्यावर को हराकर जीता खिताब

बालक वर्ग के सेमीफाइनल में हनुमानगढ़ ने करौली को हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में ब्यावर ने टोंक को कड़े मुकाबले में 20-35, 35-27 और 35-30 से शिकस्त दी। फाइनल में हनुमानगढ़ ने ब्यावर को सीधे सेटों में 35-29 और 35-28 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। बालक वर्ग में हनुमानगढ़ प्रथम, ब्यावर द्वितीय तथा करौली और टोंक संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

भारत सैफ चैम्पियनशिप के फाइनल में, सेमीफाइनल में भूटान को 2-1 से हराया



ढाका, 14 नवंबर। भारतीय फुटबॉल टीम ने शनिवार को ढाका के नेशनल स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भूटान को 2-1 से हराकर सैफ चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में जगह बना ली। भारत की ओर से पीवी विष्णु और चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम ने गोल किए, जबकि भूटान के लिए किंजांग ताशी तोबदेन ने एक गोल किया। इस मुकाबले के दौरान पहली बार टूर्नामेंट में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) तकनीक का इस्तेमाल भी किया गया। नौशाद मूसा के मार्गदर्शन में खेल रही भारतीय टीम अब रिकॉर्ड 10वीं बार सैफ चैंपियनशिप का खिताब जीतने की तैयारी में है। फाइनल में उसका सामना दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 में राजस्थान की विजयी शुरुआत, यूपी को 4 विकेट से हराया

अभिजीत ने बनाए 63 रन, रोहन राजभर और महिपाल लोमरोर ने भी किया शानदार प्रदर्शन, महिला अंडर-23 टीम को उत्तर प्रदेश ने हराया

जयपुर, 14 नवंबर। बीसीसीआई की सीनियर सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश को 4 विकेट से हराकर प्रतियोगिता में विजयी शुरुआत की। मुंबई में खेले गए मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 171 रन बनाए। समीर रिजवी ने नाबाद 74 रन की पारी खेली। राजस्थान की ओर से मानव सुथार और राहुल चाहर ने 2-2 विकेट लिए, जबकि हिमांशु नेहरा और दीपक चाहर को एक-एक सफलता मिली। जवाब में राजस्थान ने अभिजीत तोमर के 63, रोहन राजभर के 48 और महिपाल लोमरोर के 33 रनों की मदद से 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। उत्तर प्रदेश की ओर से प्रशांत वीर और जीशान ने 2-2 विकेट लिए। वहीं, बीसीसीआई अंडर-23 महिला टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान को उत्तर प्रदेश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 107 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 60 रन पर ऑलआउट हो गई।



आरसीए अंडर-23 टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी में छह मुकाबलों के परिणाम

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की अंडर-23 टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी में शनिवार को विभिन्न मैदानों पर छह मुकाबले खेले गए। **केएल सैनी स्टेडियम** में टीम डी ने टीम आई को 8 विकेट से हराया। टीम आई ने 9 विकेट पर 117 रन बनाए। जवाब में टीम डी ने जसवंत चौहान के नाबाद 39, युवराज के 35 और जयवर्धन के 33 रनों की बदौलत 2 विकेट पर 121 रन बनाकर जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में टीम बी ने टीम जी को 41 रन से हराया। टीम बी ने देवांश जायसवाल (71) और विशाल सैनी (65) की पारियों से 4 विकेट पर 197 रन बनाए। जवाब में टीम जी 4 विकेट पर 156 रन ही बना सकी। सयैद अली ने 68 रन बनाए।



लक्ष्य ग्राउंड पर टीम एफ ने टीम जे को 29 रन से हराया। टीम एफ ने मनय कटारिया (84) और शोभित मिश्रा (62) की पारियों से 6 विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में टीम जे 5 विकेट पर 191 रन बना सकी। दूसरे मैच में टीम सी ने टीम एच को एक विकेट से रोमांचक शिकस्त दी। टीम एच ने 8 विकेट पर 149 रन बनाए, जबकि टीम सी ने राजीव दुकतावा के नाबाद 42 और ललित शेरावत के 34 रनों की मदद से 9 विकेट पर 154 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। टीम एच के सलाउद्दीन ने 31 रन देकर 5 विकेट लिए।

अनंतम ग्राउंड पर टीम ए ने टीम ई को 66 रन से हराया। टीम ए ने नावेद खान (64), सौरव यादव (58) और पार्थ यादव (नाबाद 34) की पारियों से 5 विकेट पर 191 रन बनाए। जवाब में टीम ई की पारी 125 रन पर सिमट गई। अंकित कुमार ने 56 रन बनाए। टीम ए की ओर से नावेद खान और जतिन सैनी ने 3-3 विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई।

सीनियर नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में इंडियन राउंड के मुकाबले में राजस्थान को स्वर्ण पदक सहित दोहरी सफलता



जयपुर, 14 नवंबर। प्रतिभा कंडारा ने 661 अंकों के साथ जीता स्वर्ण, इंडियन राउंड पुरुष टीम फाइनल में पहुंची, महिला एवं पुरुष दोनों टीमों ने नेशनल गेम्स के लिए किया क्वालीफाई मेघालय के शिलांग में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के दूसरे दिन राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक सहित दोहरी सफलता हासिल की। राजस्थान की प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रतिभा कंडारा ने रैंकिंग राउंड में 661 अंक अर्जित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया और प्रदेश का गौरव बढ़ाया। राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि प्रतिभा कंडारा ने बेहतरीन निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान को स्वर्ण पदक दिलाया। वहीं इंडियन राउंड पुरुष वर्ग में युवराज वर्मा, विकास यादव, हर्षित और निशांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को फाइनल में पहुंचाया। राजस्थान की पुरुष टीम का फाइनल मुकाबला 17 नवंबर को मणिपुर के साथ खेला जाएगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान के लिए एक और बड़ी उपलब्धि यह रही कि इंडियन राउंड की महिला एवं पुरुष दोनों टीमों ने आगामी नेशनल गेम्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दोनों टीमों का नेशनल गेम्स में स्थान सुनिश्चित होना प्रदेश की तीरंदाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राजस्थान के तीरंदाजों की इस सफलता से प्रदेश में खेल जगत में खुशी की लहर है। अब सभी की निगाहें 17 नवंबर को होने वाले इंडियन राउंड पुरुष टीम के फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां राजस्थान की टीम स्वर्ण पदक के लिए निशाना साधेगी।

शेखावाटी हेरिटेज मीट से शुरु होंगे, प्रवासी राजस्थान दिवस के कार्यक्रम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 8 से 10 दिसम्बर के कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की

- मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 दिसम्बर को खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में शेखावाटी हेरिटेज मीट का आयोजन होगा, 9 दिसम्बर को जयपुर में सांस्कृतिक संध्या तथा 10 दिसम्बर का प्रवासी राजस्थानी दिवस का मुख्य कार्यक्रम जेईसीसी में आयोजित होगा।

जयपुर, 14 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं और प्रवासी राजस्थानी दिवस प्रदेश के प्रवासी राजस्थानियों के लिए अपनी जन्मभूमि से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और निवेश की संभावनाओं से परिचित कराया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध कला-संस्कृति और स्थापत्य की पहचान हैं, इन्हें वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रवासी राजस्थानी दिवस के तहत आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत 8 दिसम्बर को झुंझुनूं के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में "शेखावाटी हेरिटेज मीट" आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सीकर, झुंझुनूं और चूरू के प्रमुख प्रवासी राजस्थानियों, उद्योगपतियों और हवेली मालिकों को आयोजन से जोड़ने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 दिसम्बर को शेखावाटी हेरिटेज मीट के बाद 9 दिसम्बर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। इसके बाद, दस दिसम्बर को जयपुर के जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

एयर इंडिया की जयपुर -दिल्ली फ्लाइट रद्द

- तकनीकी खराबी के कारण बोर्डिंग के बाद यात्रियों को विमान से उतारा।

जयपुर, 14 नवम्बर। जयपुर एयरपोर्ट पर शनिवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर-दिल्ली फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते रद्द करनी पड़ी। फ्लाइट संख्या आईएक्स-1370 में उड़ान से ठीक पहले तकनीकी समस्या सामने आई। उस समय विमान में यात्रियों की बोर्डिंग पूरी हो चुकी थी और उड़ान की तैयारी चल रही थी।

तकनीकी खामी का पता चलते ही विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया। इसके बाद सभी यात्रियों को विमान से उतारकर वापस टर्मिनल भेज दिया गया। विमान की तकनीकी जांच की गई, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद खराबी दूर नहीं हो सकी। ऐसे में एयरलाइन ने उडान रद्द करने का फैसला लिया और विमान को तकनीकी रूप से ग्राउंडेड घोषित कर दिया।

फ्लाइट रद्द होने से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि एयरलाइन की ओर से यात्रियों को वैकल्पिक साधनों से दिल्ली भेजने का प्रस्ताव दिया जा रहा है। साथ ही टिकट का रिफंड उपलब्ध कराने की बात भी कही गई है।

पारिवारिक विवाद में फंसा अमिताभ बच्चन का बंगला "जलसा"

उनके भाई की पत्नी रामोला बच्चन ने जलसा के स्वामित्व पर अपना दावा ठोका

- विवाद का कारण यह है कि इस संपत्ति के दो जगह अलग-अलग रिकॉर्ड हैं। कपोल हाउसिंग सोसायटी में इसकी मालिक जया बच्चन हैं पर महाराष्ट्र सरकार के प्रॉपर्टी कार्ड में रामोला बच्चन का नाम है।

मुंबई, नई दिल्ली, 14 नवंबर। अमिताभ बच्चन का जुहू स्थित बंगला "जलसा" एक पारिवारिक विवाद को लेकर चर्चा में आ गया है। इस आलीशान बंगले के मालिकाना हक को लेकर परिवार के भीतर विवाद शुरू हो गया है।

अमिताभ बच्चन की अनुज वधू (छोटे भाई अजिताभ बच्चन की पत्नी) रामोला बच्चन ने जलसा के स्वामित्व को चुनौती देते हुए इस पर अपना दावा ठोंक दिया है। उन्होंने वर्ष 1993 में किए गए उस गिफ्ट डीड (दानपत्र) की वैधता पर सवाल उठाए हैं, जिसके जरिये बंगले का मालिकाना हक जया बच्चन के नाम हस्तांतरित किया गया था।

रामोला का आरोप है कि यह संपत्ति मूल रूप से उनके नाम पर दर्ज थी। इसके बावजूद उनकी जानकारी और सहमति के बिना इसे जया बच्चन के नाम कर दिया गया। उनका कहना है कि संपत्ति हस्तांतरण के लिए तैयार किए गए दस्तावेज में जरूरी कानूनी औपचारिकताओं का पालन नहीं किया गया। उन्होंने इस पूरे लेन-देन की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की है।

इस विवाद का सबसे अहम पहलू संपत्ति के मालिकाना हक से जुड़े दो अलग-अलग रिकॉर्ड हैं। मुंबई की कपोल हाउसिंग सोसायटी के रिकॉर्ड में जलसा की मालकिन जया बच्चन को बताया गया है, जबकि महाराष्ट्र सरकार के प्रॉपर्टी कार्ड में अब भी रामोला बच्चन का नाम दर्ज है। बताया जाता है कि सरकारी रिकॉर्ड में रामोला का नाम हटाकर जया बच्चन का नाम दर्ज कराने की कोशिश के दौरान, यह पुराना विवाद फिर सामने आया। इसी के बाद रामोला ने अपनी आपत्तियां अधिकारियों के समक्ष रखीं।

भारत भी चाहता है पूर्व प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने की कोशिश कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, इन शर्तों का उद्देश्य अवामी लीग प्रमुख की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें न्याय मिलने की गारंटी देना है।

तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने न तो बीबीसी बांग्ला की इस रिपोर्ट की पुष्टि की है और न ही इस पर कोई प्रतिक्रिया दी है। सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आने पर इस खबर को अपडेट किया जाएगा।

इस बीच, शुक्रवार (13 नवंबर) को पत्रकारों द्वारा सवाल पूछने पर, भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रिपोर्ट की सत्यता पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

मृत अफसर के आश्रित बेटे को अनुकंपा नियुक्ति क्यों नहीं दी'

- हाईकोर्ट ने प्रमुख शिक्षा सचिव व निदेशक माध्यमिक शिक्षा से जवाब मांगा।

जयपुर, 14 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने, शिक्षा विभाग में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे मृत अफसर के आश्रित बेटे को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर, प्रमुख शिक्षा सचिव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, संयुक्त शिक्षा निदेशक से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश अमिश गौतम की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता के पिता का शिक्षा विभाग में सहायक प्रशासनिक अधिकारी पद तैनात थे। इस दौरान जनवरी 2020 में उनका देहांत हो गया था। याचिकाकर्ता ने अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने का आवेदन किया, लेकिन उसे अवयस्क होने के चलते नियुक्ति नहीं दी गई। वयस्क होने पर उसने अगस्त 2024 में आवेदन किया तो विभाग ने उसका अनुकंपा नियुक्ति का क्लेम यह कहते हुए खारिज कर दिया कि अनुकंपा नियुक्ति तत्काल संबल देने के लिए होती है और उसने देरी से आवेदन किया है।

सोनिया गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

माहौल पैदा कर दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने।

यह पुस्तक, जो मुख्य रूप से इटली के एक छोटे से शहर से लेकर नई दिल्ली की सत्ता की राजनीति तक सोनिया गांधी के निजी सफर पर केन्द्रित है, असल में उनके उस अपनापन को पाने की कोशिश है, जो उन्हें जीवनभर नहीं मिल पाया।

किताब में उनके राजनीतिक फैसलों या इतने सालों के उनके राजनीतिक अनुभवों को लेकर कोई बड़ा राजनीतिक हंगामा या विवाद नहीं खड़ा किया गया है।

इसका ध्यान राजनीति पर नहीं, बल्कि उनकी व्यक्तिगत यात्रा और भारत के लोगों के बीच स्वीकार किए जाने की उनकी गहरी इच्छा पर केन्द्रित है।

इसीलिए इस पुस्तक का शीर्षक 'बिलॉन्गिंग' (अपनापन) रखा गया है!

चीन ने दूषित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में इस्तेमाल होने वाले कोयले के बॉयलर प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह थे। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार, कोयले से चलने वाले हीटरों पर प्रतिबंध लगाना जरूरी था। उनकी जगह स्वच्छ ईंधन और बिजली का इस्तेमाल शुरू किया गया। इसके अलावा, कई कारखाने बंद कर दिए गए या उन्हें दूसरे उद्योगों में परिवर्तित कर दिया गया।

दूसरा, क्षेत्रीय स्तर पर भी नियम लागू किए गए। बीजिंग ने धुंध और प्रदूषण से निपटने के लिए तियानजिन शहर और हेबेई प्रांत के साथ मिलकर काम किया, क्योंकि "स्मॉग" नगरपालिकाओं की सीमाओं को नहीं मानता।

तीसरा, परिवहन व्यवस्था में सुधार किया गया। वाहनों की जांच की गई और पुरानी गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण पर रोक लगाई गई। इसके साथ ही मेट्रो का नया नेटवर्क बनाया गया और कम दूरी की यात्राओं के लिए बाइक शेयरिंग की नई व्यवस्था शुरू की गई।

अंत में, धूल पर नियंत्रण के लिए उचित उपाय किए गए और निर्माण स्थलों पर धूल को दबाने (कम करने) की तकनीकों का इस्तेमाल शुरू हुआ।

चीन ने वाहनों से निकलने वाले धुएं और प्रदूषण को लेकर कड़े नियम लागू किए हैं, पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले पुराने वाहनों पर रोक लगाई है, बीजिंग की मेट्रो प्रणाली को बेहतर बनाया है, तथा बाइक-शेयरिंग की सुविधाओं के लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करके स्थानीय लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित किया है। सरकार ने निर्माण स्थलों पर धूल फैलने से रोकने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं, शहर में "ग्रीन जोन" (हरित क्षेत्र) का विस्तार किया गया है और आसपास के पर्यावरण को फिर से बहाल किया है।

राहुल गांधी ने गिग वर्कर्स की बाइक रैली में भाग लिया

- इसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी मौजूद थे।

हैदराबाद, 14 नवंबर। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को हैदराबाद में गिग वर्कर्स की बाइक रैली में शामिल हुए।

यह रैली तेलंगाना गिग वर्कर्स सामाजिक सुरक्षा और कल्याण योजना के शुभारंभ से पहले निकाली गई। इसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कांग्रेस के अन्य नेता भी मौजूद रहे।

रैली शिल्पारामम सभागार से शुरू होकर शहर के आईटी कॉरिडोर स्थित माधापुर के जयभेरी ग्राउंड में समाप्त हुई। इस दौरान राहुल गांधी बाइक पर पीछे बैठे नजर आए और गिग वर्कर्स के साथ रैली में शामिल हुए।

योजना के शुभारंभ के अवसर पर गिग वर्कर्स को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सरकार उनकी समस्याओं और चिंताओं को दूर करने के अपने वादे को पूरा कर रही है। उन्होंने कहा, "तेलंगाना के गिग वर्कर्स के साथ मेरी एक बैठक हुई थी। उस दौरान आपने अपना दुख और दर्द साझा किया था।

अमेरिका में हवाई यातायात सामान्य होने में समय लगेगा

वाशिंगटन, 14 नवंबर। अमेरिका में कई घंटे तक वाणिज्यिक हवाई यातायात ठप रहने के बाद, उड़ानों का संचालन सामान्य होने में अभी समय लग सकता है। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने यात्रियों को भरोसा दिलाया है कि विमान से यात्रा करना सुरक्षित है, लेकिन आगाह किया कि एयरलाइंस के उड़ानों का नया कार्यक्रम तैयार करने और विमानों तथा चालक दल को दोबारा तैनात करने के दौरान देरी और उड़ानें रद्द होने की स्थिति बनी रह सकती

- कई घंटे चले ग्राउन्ड स्टॉप के कारण अमेरिकी हवाई यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित ठप हो गई थी व हजारों यात्री हवाई अड्डों पर फंस गये थे।

है। उनका यह बयान देशभर में वाणिज्यिक उड़ानों पर लगाए गए असामान्य प्रतिबंध के करीब 12 घंटे बाद आया। कई घंटे तक चले इस ग्राउंड स्टॉप के कारण अमेरिकी हवाई यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई और हजारों यात्री विभिन्न हवाई अड्डों पर फंस गए। परिवहन मंत्री ने यात्रियों से उड़ानों की ताजा स्थिति की जानकारी एयरलाइंस से लेते रहने की अपील की। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उड़ानों का परिचालन धीरे-धीरे पटरी पर लौटने के बावजूद देरी और रद्द होने की समस्या तत्काल खत्म होने की उम्मीद नहीं है।

पंजाब में तीर्थयात्रियों से भरी दो बसें टकराईं, 4 की मौत

- मोटर साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में बस नियंत्रण खोकर डिवाइडर पार कर दूसरी बस से टकराई

तरनतारन, 14 नवंबर। पंजाब के तरनतारन जिले में शनिवार शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-54 पर नौशहरा पन्नूआं के पास तीर्थयात्रियों से भरी दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 21 लोग घायल हो गए। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें उपचार के लिए अमृतसर भेजा गया है। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। दोनों बसें पंजाब सरकार की तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं को लेकर जा रही थीं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा शनिवार शाम करीब चार बजे हुआ। एक बस फिरोजपुर से श्रद्धालुओं को लेकर अमृतसर स्थित श्री दरबार साहिब के दर्शन करवाने गई थी और वापस लौट रही थी। इस बस में 37 श्रद्धालु सवार थे। वहीं, दूसरी बस हरिके से करीब 50 श्रद्धालुओं को लेकर अमृतसर जा रही थी। नौशहरा पन्नूआं के पास अचानक एक मोटरसाइकिल सवार बस के सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक बस से नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद बस डिवाइडर पार कर सड़क के दूसरी ओर पहुंच गई और सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बसों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बसों में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकालना शुरू किया। हादसे की सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा बल और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए तरनतारन के सिविल सर्जन डॉ. संदीप धवन ने सिविल अस्पताल में आपातकालीन व्यवस्था लागू कर दी। सभी एंबुलेंस को घटनास्थल पर भेजा गया और चिकित्सकों को तत्काल अस्पताल बुलाया गया।

योगी ने पुरजोर ढंग से हिन्दू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए यह प्रक्रिया जरूरी थी।

विपक्षी नेताओं ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि आदित्यनाथ को धर्म-विशेष से जुड़े मतदाताओं के ये आंकड़े कैसे मिले? उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने शायद ये आंकड़े विशेष रूप से मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने इस दावे को लोगों में डर फैलाने की कोशिश और एक साजिश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा दूसरे राज्यों के बाहरी लोगों को यूपी की मतदाता सूची में शामिल करने की तैयारी कर रही है।

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने आदित्यनाथ को चुनौती दी कि वे उन मतदाताओं और निर्वाचन क्षेत्रों के नाम बताएं, जिनके नाम सूची से हटाए गए हैं। एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने भी चुनाव आयोग से इन इन आंकड़ों, और नामों को हटाए जाने के मामले में चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण मांगा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति पर नजर रखने वाले लोग इस घटनाक्रम को आदित्यनाथ और मोदी-शाह के केन्द्रीय नेतृत्व के बीच लंबे समय से चल रहे तनाव से जोड़कर देख रहे हैं। सन् 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राज्य में हिंदू मतदाताओं के संभावित नुकसान का मुद्दा उठाकर, आदित्यनाथ संगठन पर अपनी पकड़ मजबूत करने और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही, अगर चुनाव परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं रहते हैं, तो वे खुद को सुरक्षित रखने की स्थिति भी बना रहे हैं। इसके साथ ही, वे एसआईआर को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे नैरेटिव का जवाब भी दे रहे हैं। इस बीच, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नामों को पूरी तरह से हटाए जाने की बात को कम करके आंका है। उनका कहना है कि मतदाता अभी भी सूची में मौजूद हैं।

यह घटनाक्रम दिखाता है कि उत्तर प्रदेश की अत्यधिक महत्वपूर्ण राजनीतिक लड़ाई में मतदाता सूची की शुद्धता किस तरह एक बड़े विवाद का मुद्दा बन गई है।

पर्यावरण मंत्री ने एनसीआर के 191 उद्योगों को तत्काल सील करने के निर्देश दिये

इन उद्योगों ने अभी तक वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाने की प्रक्रिया भी शुरू नहीं की है

- केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने चेतावनी दी कि 30 नवंबर तक एएनपीआर कैमरे नहीं लगाने पर संबंधित परिवहन विभाग अधिकारी के खिलाफ अपराधिक कार्यवाही की जायेगी।

नई दिल्ली, 14 नवंबर। केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए 191 प्रदूषणकारी उद्योगों को तत्काल सील करने का निर्देश दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि 30 नवंबर तक एएनपीआर कैमरे नहीं लगाने पर परिवहन विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से शनिवार को दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में प्रदूषण नियंत्रण उपायों की समीक्षा की गई। इस दौरान यादव ने राज्यों को योजनाओं से आगे बढ़ कर समयबद्ध और समन्वित तरीके से जमीनी स्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में हरियाणा के सात, उत्तर प्रदेश के चार और राजस्थान के चार शहरों के लिए सचिव स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपने को कहा गया। ये अधिकारी मैदानी निरीक्षण कर हर सप्ताह वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को रिपोर्ट देंगे। आयोग से काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने को कहा गया है।

केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उन 191 उद्योगों को तत्काल सील करने का निर्देश दिया, जिन्होंने वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाने के लिए अब तक आदेश तक नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क धूल नियंत्रण के तहत 5,480 किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 3,221 किलोमीटर का काम पूरा हुआ है। उन्होंने सड़क सफाई मशीनों को दो पालियों में चलाने, एनसीआर के 233 जाम वाले स्थानों पर सुधारात्मक कदम उठाने और दिल्ली की सीमा पर 154 प्रवेश बिंदुओं पर 31 दिसंबर तक मल्टी-लेन फ्री फ्लो प्रणाली लगाने के निर्देश दिए। वाहन प्रदूषण रोकने के लिए 2028 तक पुराने ट्रकों और बसों को बीएस-6, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने की परिवर्तन योजना में तेजी लाने को कहा गया। औद्योगिक प्रदूषण के संबंध में बताया गया कि लक्षित 2,345 उद्योगों में से 2,298 को ऑनलाइन उत्सर्जन निगरानी प्रणाली से जोड़ा जा चुका है। शेष 47 इकाइयां बंद या सील कर दी गई हैं।

असम : 20 किलो नशीली गोलियां जब्त

नई दिल्ली, 14 नवंबर। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने असम के कछार जिले में एक टिपर ट्रक से 20 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की हैं। नशीले पदार्थों को ट्रक के दाहिने हिस्से के पैनल में विशेष रूप से बनाई गई गुप्त जगह में छिपाया गया था। इस मामले में ट्रक में सवार एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, डीआरआई ने असम राइफल्स की 38वीं बटालियन के जवानों के साथ संयुक्त अभियान में 12 नवंबर को बोरखोला के पास खुफिया सूचना के आधार पर टाटा टिपर ट्रक को रोका। ट्रक की विस्तृत जांच के दौरान एक मैकेनिक की मदद से उसके दाहिने साइड पैनल के ऊपरी भीतरी हिस्से में बनाई गई गुप्त जगह का पता चला। कटिंग और वेल्डिंग के निशान को सीमेंट और पेंट से छिपाया गया था।

गुप्त जगह खोलने पर गुलाबी-नारंगी रंग की गोलियों के 32 पैकेट मिले। इनमें 17 पैकेट एक-एक किलोग्राम और 15 पैकेट 200-200 ग्राम के थे। एनडीपीएस फील्ड डिटेक्शन किट से किए गए शुरुआती परीक्षण में नमूनों में एम्फेटामाइन की मौजूदगी के संकेत मिले।

ट्रंप, पुतिन व जिनपिंग की पहली त्रिपक्षीय बैठक चीन में होगी

इस बैठक में विश्व में परमाणु हथियारों पर नियंत्रण मुख्य मुद्दा होगा

- अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार इस बैठक का मकसद परमाणु हथियारों की संख्या कम करने की दिशा में बातचीत शुरू करना है। पहली मुलाकात में किसी समझौते की उम्मीद नहीं है।

नई दिल्ली, 14 नवंबर। दुनिया की तीन बड़ी ताकतों, अमेरिका, रूस और चीन के नेता एक ही मेज पर बैठने जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले गुरुवार को चीन के शेनझेन में मुलाकात करेंगे। यह तीनों देशों के नेताओं की पहली त्रिपक्षीय बैठक होगी। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन के दौरान होने वाली इस मुलाकात में सबसे ज्यादा चर्चा परमाणु हथियारों पर नियंत्रण को लेकर होने की उम्मीद है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान और उत्तर कोरिया का मुद्दा भी उठ सकता है।

इस बैठक का मकसद दुनिया में परमाणु हथियारों की संख्या कम करने की दिशा में बातचीत शुरू करना है। अमेरिका चाहता है कि दुनिया की बड़ी ताकतें अपने परमाणु हथियारों का जखीरा घटाने पर गंभीरता से विचार करें। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने साफ किया है कि इस पहली मुलाकात में किसी समझौते की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसे आगे की बातचीत की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है।

इस बातचीत का मकसद चीन को परमाणु हथियार बढ़ाने से रोकना है। वाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक, चीन का परमाणु हथियारों का जखीरा दुनिया में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। अमेरिका चाहता है कि चीन भी परमाणु हथियारों पर नियंत्रण को लेकर रूस और अमेरिका के साथ बातचीत करे। अधिकारी ने कहा कि चीन जिस तरह अपने परमाणु हथियारों से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखता है, उसका असर पूरी दुनिया की सुरक्षा पर पड़ता है।

ऐसे में चीन को भी इस मुद्दे पर खुलकर बात करनी चाहिए। रूस का परमाणु हथियारों पर बातचीत का पुराना अनुभव है। सोवियत संघ के समय से ही रूस इस तरह की चर्चाओं में शामिल रहा है। इसलिए अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद है कि रूस इस बातचीत में ज्यादा सहज रहेगा। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल से ही दुनिया के परमाणु हथियारों का जखीरा कम करने के लिए एक बड़े समझौते की बात करते रहे हैं। उनका तर्क है कि दुनिया को कई बार खत्म करने की ताकत रखने वाले हथियारों को बनाए रखना बहुत महंगा है।

परमाणु हथियारों के अलावा ट्रंप चीन के साथ हुए व्यापार समझौते पर भी बात कर सकते हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर तनाव कम करने के लिए एक सहमति बनी थी। लेकिन अमेरिका का आरोप है कि चीन उस पर पूरी तरह अमल नहीं कर रहा है। खास तौर पर रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई को लेकर अमेरिका संतुष्ट नहीं है। इन खनिजों का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, इलेक्ट्रिक गाड़ियों और कई तरह की आधुनिक तकनीक बनाने में होता है।

पाकिस्तान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए प्रतिबद्ध है। भारत की पहल पर आयोजित हो रहे इस मंच का उद्देश्य यूरेशियाई क्षेत्र के देशों के बीच सांस्कृतिक समझ और लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ावा देना है, जिसके लिए भारत ने पाकिस्तान समेत, एससीओ के सभी 10 सदस्य देशों को आधिकारिक निमंत्रण भेजा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908